हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी 2026

RENAULT TRIBER

WARRANTY 3 YEARS WARRANTY

RE-019-LT

TRIBER

5 से 7 सीट्स

625 लीटर का बूट स्पेस#

20.32 cm फ़्लोटिंग टचस्क्रीन

all Renault vehicles now come with a standard warranty of 3 years or 100 000 km, whichever comes first. #625 litres boot space with 5-seater configuration and 3rd row seats removed. the price/features mentioned in this advertisement may vary depending on the model/variant and features in the car. corporate / PSU / defence personnel / government employee / professional benefits applicable on each model are basis eligibility of the customer and based on submission of required proof by the customer. the final price valid will be the one on the date of purchase. for detailed terms and conditions, please visit www.renault.co.in

Renault recommends Castrol

renault.co.in

SHOWROOMS: MADHYA PRADESH: RENAULT **BHOPAL NEW** Ph: 9289220870. RENAULT **AGAR** Ph: 8448220030. RENAULT **CHHATARPUR** Ph: 7603868297. RENAULT **CHHINDWARA** Ph: 9667215285. RENAULT **DAMOH** Ph: 9289263623. RENAULT **GWALIOR CITY** Ph: 8448383235. **INDORE:** RENAULT **INDORE** Ph: 9821199958, RENAULT **INDORE EAST** Ph: 9289263821. **JABALPUR:** RENAULT **JABALPUR (KARMETA)** Ph: 7290014986, RENAULT **JABALPUR WEST** Ph: 7291980314. RENAULT **MANDSAUR** Ph: 8448220394. RENAULT **SAGAR** Ph: 9311340949. RENAULT **SATNA** Ph: 7290094892. RENAULT **SHAHDOL** Ph: 7029805696. RENAULT **UJJAIN** Ph: 8448220031.

मप्र का
बजट 2026
सड़क। रोजगार । शिक्षा

बजट : मोहन 3.0

हरिभूमि
भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी 2026
haribhoomi.com

युवा, इंफ्रास्ट्रक्चर

बजट में खास

11444
करोड़ रुपए सरकारी शालाओं की स्थापना

10428
करोड़ रुपए विकसित भारत जी राम जी के लिए

6850
करोड़ रुपए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

5649
करोड़ रुपए का समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रावधान

3893
करोड़ रुपए का सांदीपनि विद्यालय के अंतर्गत प्रावधान

2968
करोड़ से ग्रामीण और जिला सड़कों का उन्नयन

2550
करोड़ का निवेश प्रोत्साहन योजना के लिए प्रावधान

2000
करोड़ रुपए पीएम आवास योजना (शहरी) के लिए

2000
करोड़ रुपए पीएम ग्राम सड़क योजना में नई सड़कों के लिए

1550
करोड़ रुपए एमएसएमई प्रोत्साहन निवेश संवर्धन को

1418
करोड़ रुपए मिलियन प्लस शहर (अमृत 2.0) के लिए

1285
करोड़ रुपए से पीएम सड़क योजना की सड़कों का उन्नयन

1210
करोड़ रुपए 11वीं, 12वीं व महाविद्यालय छात्रवृत्ति के लिए

864
करोड़ रुपए व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने वाला है। सरकार युवा वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के अवसर एवं उनकी आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिक्षा नई पीढ़ी के सृजनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्कूलों को बिजली आपूर्ति, इंटरनेट सुविधा और स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।

15 हजार शिक्षकों की करेंगे नियुक्ति 4 लाख से अधिक साइकिलें वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण में कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने वाला है। उन्होंने बताया कि कार्यशील जनसंख्या का बढ़ता अनुपात प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देने के अवसर प्रदान करता है। हमारी सरकार युवा वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के अवसर एवं उनकी आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि शिक्षा नई पीढ़ी के सृजनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। सरकार नवीन शैक्षणिक संस्थाओं की शुरुआत करने के साथ पूर्व से संचालित संस्थाओं में उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था और अधोसंरचना सुनिश्चित कर रही है। स्कूलों को बिजली आपूर्ति, इंटरनेट सुविधा और स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।

साइकिल वितरण योजना में 210 और पाठ्य पुस्तक योजना में 100 करोड़ का प्रावधान

'सीएम युवा-शक्ति' योजना के तहत सभी विधानसभा में स्टेडियम बनाए जा रहे

छात्रवृत्ति योजना के लिए बजट में 986 करोड़ का प्रावधान, पहले 458 करोड़

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित 25,439 विद्यालयों में लगभग 20 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। 94 सांदीपनि विद्यालयों को उत्कृष्ट अधोसंरचना और शैक्षणिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में लगभग 3,40,000 विद्यार्थियों को 458 करोड़ से अधिक की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई। अनुसूचित जनजाति की शैक्षणिक संस्थाओं हेतु 4,485 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाओं के लिए 2026-27 के बजट में 986 करोड़ का प्रावधान है।

94,300 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए गए

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 'पीएमश्री योजना' के अंतर्गत 799 विद्यालय संचालित हैं। साथ ही 274 'सांदीपनि विद्यालय' भी कार्यरत हैं। छात्रों तक पहुंच आसान बनाने के लिए 4 लाख 85 हजार साइकिलें वितरित की गई हैं। 94,300 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए गए हैं। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए 15,000 शिक्षकों की नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। शिक्षा संबंधी प्रमुख योजनाओं जैसे सांदीपनि विद्यालय में 3,892 करोड़, पीएम श्री योजना में 530 करोड़, साइकिल वितरण योजना में 210 करोड़, और निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों की योजना में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है।

1 वर्ष में 174 स्टार्टअप आरंभ किए 205 महाविद्यालय नैक एक्रिडिटेड

प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 56 विश्वविद्यालय और 1,360 शासकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में लगभग 16 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रत्येक जिले में 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' संचालित हैं। नैक मूल्यांकन के तहत 205 महाविद्यालय नैक एक्रिडिटेड हो चुके हैं। 31 नए महाविद्यालय भवनों का निर्माण और 96 भवनों का सुदृढ़ीकरण कार्य प्रचलित है। विश्वविद्यालयों में संचालित इन्क्यूबेशन केंद्रों में एक वर्ष में 174 स्टार्टअप आरंभ किए गए और 22 पेटेंट कराए गए।

सभी शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में वाई-फाई कैंपस और स्मार्ट क्लास

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में तकनीकी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या 26 प्रतिशत बढ़ी। सभी शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में वाई-फाई कैंपस और स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए गए। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का परिसर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में शुरू हो चुका है। वर्ष 2025 में आयोजित 608 रोजगार मेलों और युवा संगम कार्यक्रमों के माध्यम से 85,000 युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

2 साल में 33 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले

16491 युवाओं को 1134 करोड़ की ऋण राशि दी

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि 2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 8 लाख 63 हजार करोड़ के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। 19300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 2360 करोड़ की लागत से इंदौर-पीथमपुर इकॉनोमिकि कॉरीडोर विकसित किया जा रहा है। 7 लाख 95 हजार छात्रों को आर्थिक सहायता राशि का प्रावधान किया गया है। विगत 2 वर्षों में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 16,491 युवाओं को 1,134 करोड़ की ऋण राशि वितरित की गई है। 6,670 स्टार्टअप में महिलाओं द्वारा संचालित 3 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। प्रदेश में निवेश और औद्योगीकरण क्षेत्र में 5,957 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

वेदांत पीठ की स्थापना की जाएगी

वेदांत पीठ की स्थापना के तहत 750 करोड़, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत रुपए 750 करोड़, पॉलिटेक्निक संस्थाएं को 295 करोड़, स्वशासी तकनीकी संस्थाओं को सहायता के तहत 250 करोड़, एडीबी परियोजना (कौशल विकास) के तहत 110 करोड़, मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 100 करोड़, सीएम युवा शक्ति योजना के तहत रुपए 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

अतिथि विद्वानों का मानदेय 333 करोड़

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर को मिली ग्रांट, तकनीकी शिक्षा पर जोर, बजट में दिए 864 करोड़

जगदीश देवड़ा ने कहा कि अतिथि विद्वानों को मानदेय के अंतर्गत 333 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शासकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण आदि के अंतर्गत 246 करोड़, म.प्र. उच्च शिक्षा में सुधार के अंतर्गत रुपए 230 करोड़, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत 189 करोड़, अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों को पोषण अनुदान के अंतर्गत 141 करोड़, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस योजना (राज्य पोषित) के तहत 126 करोड़, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर को ब्लाक ग्रांट के अंतर्गत रुपए 113 करोड़, गांव की बेटी योजना के तहत रुपए 80 करोड़, छात्रों के लिए पुस्तकें/ स्टेशनरी आदि के प्रदाय के लिए 50 करोड़ का प्रावधान, स्टेट डाटा सेंटर का उन्नयन परिचालन एवं संधारण के तहत 281 करोड़, स्टेट वाईड एरिया नेटवर्क की स्थापना के तहत 75 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 864 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में नगरीय निकायों में वार्ड स्तर पर अधोसंरचना विकास को गति देने के लिए 'द्वारकानगर' योजना प्रस्तावित है। इसके लिए 3 वर्षों में 5 हजार करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। नगरीय निकायों को मूलभूत सुविधाओं हेतु 1,057 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

खेल और युवा कल्याण को दिए जाएंगे 815 करोड़ रुपए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि खेल गतिविधियां और स्वस्थ मनोरंजन युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 स्वर्ण, 29 रजत और 26 कांस्य पदक तथा राष्ट्रीय स्तर पर 189 स्वर्ण, 131 रजत और 118 कांस्य पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। युवाओं की खेल अभिरुचियों को प्रोत्साहित करने हेतु 'सीएम युवा-शक्ति' योजना के अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में सर्वसुविधा संपन्न स्टेडियम उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्तमान में प्रदेश में 11 खेल अकादमियों में 18 खेलों की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अधोसंरचना, उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाएं हैं। साथ ही 4 हॉकी टर्फ और 30 खेल स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। खेल और युवा कल्याण के लिए 815 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु प्रदेश में 10 ज्ञानोदय विद्यालयों को सीबीएसई अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। इस वर्ग के विद्यार्थियों हेतु 1,913 छात्रावास संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 95,000 है। स्वरोजगार के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 1,927 और डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 2,316 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है।

कई प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर पूरे किए गए

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़क निर्माण और सुधार के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा। इसके तहत मुख्यमंत्री मजरा टोला योजना के तहत 20,900 किमी सड़क बनाने का स्टेटस दिया गया है। सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की दिशा में प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 2,190 किमी सड़क निर्माण तथा उन्नयन, 992 किमी सड़क नवीनीकरण और 30 पुलों तथा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इसके अलावा करीब 3,000 करोड़ की लागत के कार्य जैसे सिक्स लेन कोलार रोड, भोपाल में गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक फ्लाईओवर और दमोह नाका एलिवेटेड कॉरिडोर भी पूरा किया गया है।

992 सड़कों का नवीनीकरण, 30 पुलों तथा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य पूर्ण

प्रदेश में पहली बार रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार

वर्तमान में प्रदेश में 111 रेलवे ओवरब्रिज, अटेर जैतपुर मार्ग पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल, भोपाल के संत हिरदाराम नगर में एलिवेटेड कॉरिडोर, ग्वालियर में स्वर्ण रेखा नदी पर एलिवेटेड कॉरिडोर, इंदौर में एलिवेटेड कॉरिडोर, उज्जैन में फोर लेन एलिवेटेड कॉरिडोर और महाकाल रोप-वे का निर्माण जारी है।
सड़क अधोसंरचना के लिए हाईब्रिड एन्युटी मॉडल सड़क अधोसंरचना के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए हाईब्रिड एन्युटी मॉडल अपनाया गया है। पिछले 2 वर्षों में इस मॉडल के तहत 12,676 करोड़ रुपए अनुमानित लागत वाली सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही प्रदेश में रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

सड़कों के हाईब्रिड एन्युटी मॉडल में 2 वर्षों में 12,676 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत

8500 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य पूरा

सड़कों-पुलों के निर्माण और संधारण के लिए इस बार 12,690 करोड़ मिलेंगे

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में लगभग 1,500 किमी सड़क निर्माण और 7,000 किमी सड़क नवीनीकरण का लक्ष्य पूरा होगा। वहीं, मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत मुख्य सड़क मार्ग से जुड़ी न होने वाली बसाहटों के लिए 30,900 किमी सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है। क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण के तहत 1,766 पुल और पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 4,572 करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की गई है, और वर्ष 2026-27 में 900 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सड़कों और पुलों के निर्माण और संधारण के लिए वर्ष 2026-27 में कुल 12,690 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। यह राशि प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ने, सुरक्षा और ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए खर्च की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 6 हजार 850 करोड़ पीएम आवास के लिए प्रावधान है। पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)- जी रामजी के लिए 10,428 करोड़ के प्रावधान किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40,062 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

बजट पर युवा उद्यमियों का नजरिया

रोजगार पर फोकस रखा गया

सुनील कुमार
नव उद्यमी
एंसोज क्रिएशन

इस बजट में कौशल विकास, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने की घोषणाएं युवाओं के लिए आशाजनक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो प्रदेश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, एग्री-स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने बजट पर विशेष ध्यान दिया है। रोजगार पर फोकस सकारात्मक संकेत हैं। सड़कों, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार से किसानों और स्टार्टअप्स के बीच की दूरी कम होगी।

स्टार्टअप ईकोसिस्टम बढ़ेगा

सचिन राय
डायरेक्टर
एंसोज क्रिएशन

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। यह विकास की रीढ़ है। इस तरह की घोषणाए स्टार्टअप और एमएसएमई सेक्टर के लिए लाभकारी हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से निवेश आकर्षित होगा और छोटे शहरों में भी स्टार्टअप ईकोसिस्टम विकसित होगा। यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों में इंटरनेट, परिवहन और बिजली की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है तो युवा अपने गृह नगरों में ही उद्यम शुरू कर सकेंगे। ग्रामीण इलाकों, महिलाओं के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। यह विकास की दिशा में अहम है।

उद्यमियों को अच्छे अवसर

अरुण नामदेव
डायरेक्टर, श्री कृष्णम बिजनेस सॉल्यूशन

मप्र के इस बजट में स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बहुत अच्छी हैं। इन्क्यूबेशन सेंटर और फंडिंग सहायता से उद्यमियों को अच्छा मौका मिलेगा। शुरुआती चरण के स्टार्टअप के लिए आसान ऋण और टैक्स राहत और सरकारी टेंडर में स्थानीय स्टार्टअप को प्राथमिकता मिलना चाहिए। कॉलेज स्तर पर इनोवेशन लैब और मेंटरशिप प्रोग्राम को बढ़ावा दिया जाए। यदि नीति समर्थन के साथ पारदर्शी और सरल प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए तो मध्यप्रदेश देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर सकता है। इस क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

मध्यप्रदेश 2026-27
बजट

हरिभूमि
बजट भूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रजासुखे सुखम राजः, प्रजानाम च हितम-हितम

अर्थात, प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है
प्रजा के हित में ही राजा का हित है

वित्त मंत्री बोले

हर हाथ को काम, हर उपज को दाम नारी को निर्णय का अधिकार, युवाओं के हौसलों का प्रसार

मौजों के थपेड़े से डरकर जो साहिल पर रुक जाते हैं वो लोग कहां कश्ती अपनी, तूफां में उतारा करते हैं

विकास का बही-खाता

नारी कल्याण		किसान कल्याण		शिक्षा		अधोसंरचना	
1 लाख 27 हजार 555 करोड़	जल जीवन मिशन 4 हजार 476 करोड़	1 लाख 15 हजार करोड़	सोलर सिंचाई पंप 3 हजार करोड़ रुपए	36 हजार 730 करोड़	सांदीपनि विद्यालय 3 हजार 892 करोड़	80 हजार 266 करोड़	ऊर्जा क्षेत्र 34 हजार 65 करोड़

निवास पर देवड़ा की पत्नी श्रीमती रेणु देवड़ा ने पूजन के बाद मुंह मीठा कराया

अन्नदाता के श्रम से खेतों में स्वर्ण निखरता है। उन्नत बीज और तकनीक से भाग्य नया अब सजता है। समर्थ किसान और समर्थ डगर की नई कहानी है, धरती पुत्र के स्वाभिमान में विकसित मप्र की कहानी है

इस बार साइज 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने लगातार छठवीं बार मप्र का बजट पेश किया

1 घंटे 30 मिनट तक बजट भाषण पढ़ा

रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला मध्यप्रदेश *देश का पहला राज्य*

पिछली बार का बजट 'ज्ञान' आधारित था, इस बार का बजट 'ज्ञानी' आधारित

'ज्ञान' अब और हुआ.... 'ज्ञानी'

यानी... गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के साथ इस बार जोड़ी गई दो 'आई' अर्थात इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

मप्र के उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का 4,38,317 करोड़ रुपए का बजट विधानसभा में पेश कर दिया। इस बार का बजट भी ज्ञान यानी गरीब, युवा, आदिवासी और नारी पर केंद्रित रखा गया है। हालांकि, ज्ञान के साथ ही मोहन सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्री यानी आईआई को भी जोड़ा है। बजट की एक खासियत यह भी है कि पहली बार रोलिंग बजट पेश किया गया है। इसके साथ ही देश के इतिहास में मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य बन गया है, जिसने रोलिंग बजट पेश किया है।

वित्त मंत्री देवड़ा ने लगातार छठवीं बार मप्र का बजट पेश किया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में देवड़ा ने शून्य बजट पेश किया था। इस बार रोलिंग बजट यानी वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि देते हुए तीन साल का विभागवार योजनाओं का संकलन पेश किया है। इसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के साथ ही वर्ष 2027-28, 2028-29 के रोलिंग बजट अनुमान को दर्शाया गया है। देवड़ा के कुल एक घंटे 31 मिनट के ▶▶शेष पेज 10 पर

» *राजकोषीय घाटा निर्धारित सीमा से अधिक, 44.42 हजार करोड़ के घाटे का बजट पेश*

» *बड़ी संख्या में आए सुझावों विशेषज्ञों व आम लोगों की राय के आधार पर बजट तैयार*

» *समृद्ध मध्यप्रदेश, संपन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश वाला बजट*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेपरलेस बजट प्रस्तुत करने से पहले विधानसभा में वित्तमंत्री देवड़ा को शुभकामनाएं दीं

चार नई योजनाएं

1. ग्रामीण क्षेत्रों में 46 हजार करोड़ मूल्य की आबादी भूमि के स्वामित्व अधिकारों का पंजीयन : 3800 करोड़
2. **द्वारका नगर योजना** - अगले 3 वर्षों में : 5 हजार करोड़
3. **यशोदा योजना**- अगले 5 वर्षों में 6600 करोड़, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए : 700 करोड़
4. **विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण** 10,428 करोड़

रुपए में किसको-कितना %

बुनियादी ढांचा	0.11
कृषि	0.09
स्वास्थ्य	0.13
शिक्षा	0.10
सामाजिक क्षेत्र	0.05
शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र	0.14
संस्कृति	0.005
रोजगार क्षेत्र	0.01
सामान्य सेवाएं	0.09
अन्य सेवाएं	0.04
ब्याज भुगतान	0.08
पेंशन	0.07
ऋण पुनर्भुगतान	0.08

सबका साथ सबका विकास

स्वास्थ्य

सीएम केयर योजना के तहत 300 करोड़ का प्रावधान

- ग्रामीण चिकित्सा संस्थान उन्नयन पर 169 करोड़
- चिकित्सा कॉलेज उन्नयन : 650 करोड़ का प्रावधान

पीएम आवास योजना

6800 करोड़

- पीएम आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्र के लिए 250 करोड़ रुपए
- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40062 करोड़ का प्रावधान

जनजाति बहुल क्षेत्र

15,015 करोड़ का प्रावधान

- पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ और जी रामजी के लिए 10428 करोड़ का प्रावधान

सड़क

12 हजार 690 करोड़

- पुलों का पुर्ननिर्माण 4572 करोड़
- सीएम मजरा टोला सड़क योजना : 21630 करोड़

भोपाल-इंदौर मेट्रो

656 करोड़

- बरखेड़ा पठानी से लहारपुर तक 3 किमी मार्ग बनेगा

हवाई पट्टी

- विमानन संचालनालय के तहत 100 करोड़ का प्रावधान
- नए जेट विमान क्रय के लिए 300 करोड़ और भूअर्जन हेतु 480 करोड़ प्रस्तावित

इस बार किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया

वित्त मंत्री देवड़ा ने करीब 44.42 हजार करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश किया। बजट घाटा भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद (एसडीजीपी) से राजकोषीय घाटा 3.87 फीसदी अनुमानित है। यह सामान्य ऋण सीमा से अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपात में राजस्व आधिक्य बढ़ा है। देवड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बड़ी संख्या में आए सुझाओं, विशेषज्ञों व आम लोगों के सुझाव के आधार पर बजट तैयार किया गया है। पिछली बार उद्योग वर्ष घोषित किया गया था, किंतु इस बार किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने बजट घाटा बढ़ने व ऋण लेने के मुद्दे पर कहा कि ऋण लेना विकास का सूचक है। सरल शब्दों में कहा जाए तो ऋण उसे ही मिलता है, जिनका बजट मजबूत होता है। सरकार ने हमेशा ऋण को आधारभूत संरचना में खर्च किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मप्र के सपने को पूरा करेगा बजट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के ज्ञान (ज्ञान) के संकल्प में हमारी सरकार ने अब इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई को भी शामिल किया है। वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का यह बजट ज्ञानी (ज्ञानी) के मार्गदर्शी सिद्धांत पर तैयार किया गया है। जिसमें गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण, आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए ▶▶शेष पेज 10 पर

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

जनता से विश्वासघात वाला बजट

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि प्रदेश सरकार का बजट जनता से विश्वासघात वाला है। इसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जनता से जो प्रमुख वादे किए थे, वह ढाई साल बाद भी बजट से गायब दिखाई दिए। भाजपा ने चार प्रमुख वादे किए थे, एक- किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल, दो- किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल, तीन- लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को ▶▶शेष पेज 10 पर

बजट में मेरे लिए क्या?

मैं महिला

- लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़
- वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे
- आंगनवाड़ी के तहत 3863 करोड़ का प्रावधान

मैं किसान

- मुख्यमंत्री किसान कल्याण के लिए 5501 करोड़
- अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13 हजार 914 करोड़
- फसल बीमा योजना के लिए 1299 करोड़ का प्रावधान

मैं विद्यार्थी

- नए प्राथमिक स्कूलों के लिए 11444 करोड़
- स्टार्टअप पॉलसी के लिए 96 करोड़ रुपए खर्च होंगे
- बच्चों को बेहतर पोषण के लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना : 700 करोड़ का प्रावधान

मैं खिलाड़ी

- नए खेल स्टेडियम के लिए 161 करोड़
- खेलो इंडिया के तहत 230 करोड़
- खेल अकादमी के लिए 164 करोड़

मैं युवा

- एमएसएमई प्रोत्साहन के तहत 1550 करोड़
- 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया

और सांस्कृतिक पुनरूत्थान भी

- सिंहस्थ महावर्प के लिए इस साल 3 हजार 60 करोड़ का प्रावधान
- संगम ओरछा का विकास आइकॉनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास
- मालवा क्षेत्र में देवी अहिल्या लोक के माध्यम से इतिहास को सजीव रूप से प्रस्तुत किया जाएगा
- केरियाखेड़ी महेश्वर को क्राफ्ट हैंडलूम तथा कुक्षी को क्राफ्ट टूरिज्म विलेज बनाया जाएगा

दो पूर्व वित्त मंत्रियों की नजर में बजट

वर्तमान प्रतिकूल परिस्थितियों में अच्छा बजट

राघव जी
पूर्व वित्त मंत्री

बजट मुख्य रूप से किसान केंद्रित है। वर्तमान प्रतिकूल परिस्थितियों में अच्छा बजट है। लेकिन केंद्र से मिलने वाले करों का हिस्सा 7.85 से घटकर 7.35 प्रतिशत होने से आधा प्रतिशत कम हो गया है। इससे प्रदेश को 6 से 7 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा। शायद, मध्यप्रदेश ने अच्छे से वकालत नहीं की है। प्रदेश की जीडीपी केंद्र से बेहतर होकर 10.69 प्रतिशत है। किसानों के लिए 5500 करोड़ का प्रावधान स्वागत योग्य है। धरती आबा के लिए 3300 करोड़ का प्रावधान है। फसल बीमा के लिए 1299 का प्रावधान है। किसानों के लिए 25 हजार करोड़ का ऋण देने का लक्ष्य रखा गया है। भावांतर योजना के लिए 3300 करोड़ का प्रावधान है। शिक्षक भर्ती के तहत 15 हजार पद भरे जाएंगे। यशोदा मिल्क योजना को सफल बनाने के लिए 700 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सड़कों के लिए 21620 करोड़ का प्रावधान है। केन बेतवा के लिए 1 हजार करोड़ का प्रावधान से लाभ मिलेगा। शहरी अद्योसरंचना में अगले 5 साल तक प्रतिवर्ष 1 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर बैतूल, धार, पन्ना सहित कटनी में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। पूंजीगत व्यय में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

बजट में किसानों, युवाओं व छोटे व्यवसायियों के लिए कुछ नहीं

तरुण भनोट
पूर्व वित्त मंत्री

प्रदेश के बजट में किसानों, युवाओं और छोटे व्यवसाय करने वालों के लिए कुछ नहीं है। बजट से बड़ा कर्ज हो गया है। ज्यादा हिस्सा कर्ज के ब्याज में जा रहा है इसलिए, विकास कार्यों के लिए पैसा ही नहीं बच रहा। किसानों से धान और गेहूं के लिए क्रमशः 3100 और 2700 सौ रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था। लाड़ली बहनों के लिए 3 हजार रुपए प्रति माह देने की बात कही गई थी लेकिन बजट में इसका प्रावधान नहीं है। केंद्र ने राज्य के शेयर में बड़ी कटौती की है, इसकी पूर्ति कहां से होगी? यह नहीं बताया गया। आर्थिक व्यवस्था में बताया जाता है कि पैसा कहां से आएगा, कहां जाएगा लेकिन कुछ स्पष्ट नहीं। बढ़ते कर्ज के कारण नए उद्योगों, नई योजनाओं के लिए संभावनाएं खत्म हैं। बजट में महाकौशल अंचल की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है। अंचल की अधूरी परियोजनाएं कब पूरी होंगी, इसकी व्यवस्था भी नहीं की गई।

मप्र का बजट 2026

किसान । स्वास्थ्य । रोजगार । पेंशन

बजट : मोहन 3.0

हरिभूमि
भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी 2026
haribhoomi.com

गरीब-किसान-नारी

किसानों को मिलेंगे 1 लाख सोलर पंप

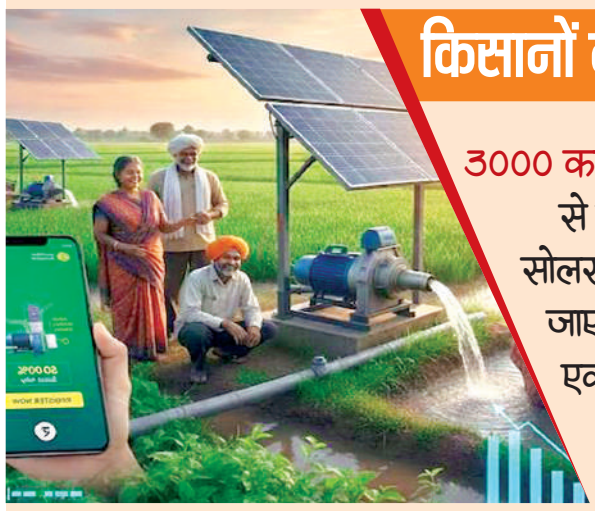

3000 करोड़ रुपए की लागत से किसानों को 1 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही जैविक एवं प्राकृतिक खेती 21 लाख 42 हजार हेक्टेयर में होगी

मप्र बजट 2026 में मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के द्वारा आज विधानसभा में बजट पेश किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया ये पीएम के सपने को साकार करने वाला बजट है। हर हाथ को काम, हर युवा को रोजगार मिलेगा। हर नारी को न्याय हमारी सरकार का उद्देश्य है। हम देश के तीसरे युवा प्रदेश हैं। युवाओं के हाथ को काम मिले ये हमारा संकल्प है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि किसानों को 3000 करोड़ रुपए की लागत से किसानों को 1 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।

इलाज से लेकर आवास तक की सौगात

आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने के लिए 21,149 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 950 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। जबकि पेंशन में सुधार करते हुए 1 अप्रैल 2026 से परिवार पेंशन की पात्रता अब अविवाहित, तलाकशुदा और विधवा पुत्रियों को भी दी जाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के पक्के मकानों के लिए 6,850 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। जहां तक पानी का सवाल है तो जल जीवन मिशन के तहत हर गरीब के घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए 4,454 करोड़ रुपए का प्रावधान है। मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत दूरदराज के छोटे गांवों और बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए 21,630 करोड़ रुपए की बड़ी राशि मंजूर की गई है।

6,850 पक्के मकानों के लिए और श्रमिकों के लिए 950 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं

बजट में खास

गरीबी हटाने और मानव विकास पर बड़ा ज़ोर

राज्य ने पहली बार मल्टी-डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) आधारित बजटिंग पेश की है। आय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास और स्वच्छता को एक साथ जोड़कर योजनाएं बनाई जाएंगी। एमपीआई आधार पर-स्वास्थ्य आवंटन में 39.8% वृद्धि, जीवन स्तर संबंधी योजनाओं में 12% वृद्धि हुई है शिक्षा में वृद्धि लगातार हो रही है।

अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान 720 करोड़ रुपए

सहकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के तहत 720 करोड़ , सहकारी बैंकों को अंशपूंजी के तहत 575 करोड़, प्राथमिक साख सहकारी समितियों को प्रबंधकीय अनुदान के तहत 168 करोड़, गहन पशु विकास परियोजना के तहत 838 करोड़, मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के लिए 150 करोड़ रुपए का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रावधान किया गया है।

कामकाजी महिलाओं के लिए सखी निवास

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए 386 करोड़ का प्रावधान किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय, बिजली, स्मार्ट टीवी, वाटर प्यूरीफायर और पोषण सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। राज्य में 2,949 आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय बनाने और 31,425 आंगनबाड़ी इमारतों में बिजली व्यवस्था के लिए प्रावधान किया गया है। पोषण 2.0 के तहत माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कई जिलों में कामकाजी महिलाओं के लिए सखी निवास बनाए जा रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक को प्रथम पंक्ति तक ले जाना

प्रदेश की लाड़ली बहनों पर 'मोहन' मेहरबान खजाने से होगी 23883 करोड़ रु. की बौछार

बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा है कि लाड़ली बहना योजना ने प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान सुनिश्चित किया है। आगे महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ने के विशेष प्रयास किए जाएंगे, ताकि उन्हें और अधिक आर्थिक सशक्तिकरण मिल सके

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश का पेपरलेस बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उनका कहना था कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक को प्रथम पंक्ति तक ले जाना है। उन्होंने बताया कि समाज के कमजोर वर्गों के लिए चलाई जा रही विभिन्न पेंशन योजनाओं से वर्तमान में 54 लाख से अधिक नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। नारी कल्याण के लिए बजट में कई बड़ी घोषणाएं शामिल की गईं। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है और इस योजना के लिए 1,800 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। सरकार ने कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों को नई योजना के तहत मुफ्त दूध और टेट्रा पैक दूध उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

वहीं लाड़ली बहना योजना के लिए 23,883 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि इस योजना की शुरुआत जून 2023 में हुई थी और नवंबर 2025 से लाभ राशि में 250 रुपए की वृद्धि की गई है। वर्तमान में पात्र महिलाओं को 1,500 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक लाड़ली बहनों को कुल 52,304 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जा चुकी है।

महिलाओं के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए के कुल नारी कल्याण प्रावधान

33 किस्तों का नियमित अंतरण

लाड़ली बहना योजना के तहत जून 2023 से फरवरी 2026 तक 33 किस्तों का नियमित अंतरित किया जा चुका है। जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के बीच 38,635 करोड़ 89 लाख रुपए का अंतरण किया गया है। योजना ने प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान सुनिश्चित किया है।

पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा योजनाएं शामिल

महिला और बाल विकास से जुड़े ढांचे को मजबूत करने के लिए आंगनवाड़ियों में 19 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। विभिन्न नारी केंद्रित योजनाओं के लिए सरकार ने कुल 1,27,555 करोड़ रुपए का व्यापक प्रावधान किया है। इसमें बालिकाओं, महिलाओं, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी कई पहलों को शामिल किया गया है।

आगे कौशल विकास से भी जुड़ेंगी महिलाएं

आंगनवाड़ी: 19 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरु

महिला कल्याण के लिए बजट में बड़े प्रावधान शामिल किए गए। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभ मिल चुका है, और इस योजना के लिए 1,800 करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है। कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों को नई योजना के तहत मुफ्त दूध और टेट्रा पैक दूध उपलब्ध कराया जाएगा। लाड़ली बहना योजना के लिए 23,842 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। आंगनवाड़ी सेवाओं को मजबूत करने के लिए 19 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

लाड़ली बहना योजना	23,883 करोड़
आंगनवाड़ी सेवाएं (पोषण 2.0)	3,863 करोड़
लाड़ली लक्ष्मी योजना	1,801 करोड़
पीएम मातृ वंदना योजना	387 करोड़

2026 बना किसान कल्याण वर्ष

बजट में अन्नदाताओं के लिए 1.15 लाख करोड़ का मेगा पैकेज

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' घोषित करते हुए कृषि क्षेत्र को बजट की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा है। कृषि को मजबूत आधार देने के लिए कुल 1,15,013 करोड़ (अन्य वित्तीय संसाधनों सहित) का प्रावधान किया गया है। इसमें विभिन्न मदों के लिए अलग-अलग राशि निर्धारित की गई है। सरकार का दावा है कि यह बजट खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में ठोस कदम साबित होगा। इसके तहत उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि के लिए 28,158 करोड़ रुपए, कृषि आदान व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 64,995 करोड़ रुपए, उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए 8,091 करोड़ रुपए और सुरक्षा चक्र यानी बीमा वगैरह के लिए 13,769 करोड़ रुपए के प्रावधान किए गए हैं। किसानों को आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए 25,000 करोड़ का कृषि ऋण लक्ष्य भी तय किया गया है। किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसान परिवारों को प्रतिवर्ष कुल 12 हजार रुपए की नकद सहायता दी जा रही है जो जारी रहेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिससे प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों को सुरक्षा मिलेगी। सीएम कृषक उन्नति योजना के लिए 5,500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। किसानों को 337 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और 6.69 लाख किसानों को यह राशि वितरित की जाएगी। डेयरी क्षेत्र के लिए 2,364 करोड़ और 3,000 गौशालाओं का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

राष्ट्रीय सिंचाई परियोजनाओं पर जोर

प्रदेश में दीर्घकालिक जल प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए दो बड़ी राष्ट्रीय परियोजनाओं पर कार्य जारी है। इनमें केन बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती कालीसिंध परियोजना पर तेजी से काम करने की बात कही गई है। गौरतलब है कि इन दोनों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 79,605 करोड़ है। इनके पूरा होने से लाखों हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिससे कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। यदि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो 2026 वास्तव में प्रदेश के किसानों के लिए बदलाव का वर्ष साबित हो सकता है।

सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण योजनाओं पर सरकार का बड़ा दांव

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 11 हजार गांव और 94 लाख लोग होंगे लाभान्वित

वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 21 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 16 प्रतिशत अनुसूचित जाति वर्ग शामिल है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 267 विकासखंडों के 11 हजार 377 गांवों में कार्य किए जा रहे हैं, जिससे करीब 94 लाख लोग लाभान्वित होंगे। वर्ष 2026-27 के लिए इस अभियान हेतु 793 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के पारंपरिक व्यवसायों को प्रोत्साहित करने तथा बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की है। छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रदेश की आबादी में 21% जनजाति और 16% अनुसूचित जनजाति वर्ग शामिल

जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में धरती आबा योजना के लिए 793 करोड़ का प्रावधान

दिव्यांगजन कल्याण के लिए 2,857 करोड़ की राशि निर्धारित

जन-धन योजना: 4 करोड़ 61 लाख खाते खोले

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 4 करोड़ 61 लाख खाते खोले जा चुके हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 3 करोड़ 64 लाख, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 1 करोड़ 54 लाख और अटल पेंशन योजना में 46 लाख पंजीयन दर्ज हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बजट को समावेशी विकास का दस्तावेज बताते हुए कहा कि गरीब, वंचित और श्रमिक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किसान, महिला और गरीबों को 4.38 लाख करोड़ रुपए के बजट में क्या-क्या मिला?

ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 10,428 करोड़ रुपए का प्रावधान

प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ का बजट पेश किया है। इसमें से प्रदेश के प्रमुख या रीढ़ कहे जाने वाले गरीब, किसान और महिलाओं को क्या मिला इसे एक नजर से देखने की कोशिश हरिभूमि ने की है।

अन्नदाता

- **कृषि बजट:** कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.15 लाख करोड़ का विशाल प्रावधान।
- **सोलर पंप:** 'प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना' के तहत 3,000 करोड़ की लागत से 1 लाख किसानों को सोलर पंप दिए जाएंगे।
- **नकद सहायता:** मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत दी जाने वाली राशि जारी रहेगी (कुल वार्षिक सहायता 12,000)।
- **कृषि ऋण:** किसानों के लिए 25,000 करोड़ के अल्पकालीन ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

नारी शक्ति

इस बजट को 'महिला केंद्रित' बजट कहा गया है, जिसमें महिलाओं के लिए कुल 1.27 लाख करोड़ आवंटित हैं:

- **लाड़ली बहना योजना:** इसके लिए 23,882 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में 1.25 करोड़ महिलाओं को 1,500 प्रति माह मिल रहे हैं।
- **आवास:** कामकाजी महिलाओं के लिए प्रदेश भर में 5,700 नए हॉस्टल बनाए जाएंगे।

गरीब और ग्रामीण विकास

- **जी राम जी योजना:** ग्राम पंचायतों के विकास के लिए इस नई/संशोधित योजना हेतु 10,428 करोड़ प्रस्तावित।
- **प्रधानमंत्री आवास:** ग्रामीण आवास के लिए बजट में भारी बढ़ोतरी की गई है ताकि हर गरीब का अपना पक्का घर हो।
- **जल जीवन मिशन:** हर घर नल से जल पहुँचाने के लिए 4,454 करोड़ आवंटित।

दो सफल महिला उद्यमियों की कहानियां

मुद्रा योजना का लाभ उठाकर अपना बिजनेस किया शुरु

अंजनी इंटरप्राइजेज की ओनर प्रीती महेश्वरी का कहना है कि मैं कस्टमाइज्ड ज्वैलरी या इमिटेशन ज्वेलरी को डिजाइन करती हूं और इस बिजनेस को रन करते हुए मुझे करीब चार साल हो गए हैं और इसके लिए मैंने अपना डीसी कार्ड जो आर्टिजन का पहचान कार्ड है बनवाया, ताकि मैं पूरे देश में अपनी ज्वेलरी को एग्जीबिट कर पाऊं। उन्होंने कहा कि मैंने सरकार की मुद्रा योजना का लाभ उठाकर अपने कस्टमाइज्ड ज्वैलरी का बिजनेस स्टार्ट किया था और अब मैं एक काफी अच्छे स्तर पर पहुंच गई हूं, जिसमें मेरी अच्छी कमाई भी होने लगी है तो मुझे लगता है कि सरकार की यह योजनाएं वाकई में उन महिलाओं के लिए फायदेमंद है जो कुछ करना चाहती हैं, जो नौकरी नहीं बल्कि अपने दम पर अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है।

खुद का बुटिक खोला और बाद में अपनी फैक्ट्री खड़ी की

हैंड ब्लॉक और हैंड प्रिंट के माध्यम से अपनी फैक्ट्री और बुटिक चलाने वाली विद्या सोनी ने कहा कि 15 साल पहले मुझे लग रहा था कि क्या करूं क्या न करूं? क्योंकि मुझे जीवन में यूं खाली नहीं बैठना था और कुछ न कुछ करना था इसीलिए मैंने खुद का बुटिक खोला साथ ही हैंड ब्लॉक और हैंड प्रिंट फैब्रिक बनाने की अपनी फैक्ट्री भी ओपन की। इसके लिए मैंने सरकार का डीसीएच कार्ड जो आर्टिजन का पहचान पत्र है वो बनवाया। साथ ही एमएसएमई योजनाओं का लाभ लेकर अपना बिजनेस रन किया। शुरु में तो हमें इतना फायदा नहीं हुआ, लेकिन अब मेरा बिजनेस भली भांति चल रहा है। उन्होंने बताया कि आजकल हस्तशिल्प और हैंडलूम प्रोडक्ट में बहुत स्कोप है, लोग इसकी तरफ वापस आने लगे हैं ऐसे में मुझे लगा कि इसी बिजनेस में लगी रहूं तो अच्छा है और अब मैं महीने का करीब एक लाख रुपए बचा लेती हूं। वही मप्र सरकार द्वारा 2026 वित्तीय वर्ष के बजट के लिए उन्होंने कहा कि इस बजट में सरकार ने हर एक सेक्टर का ध्यान रखा है।

भोपाल
गुरुवार, 19 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-02
वर्ष : 12, अंक : 320
पृष्ठ : 18 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 17

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी 2026

रमजान का चांद दिखा, आज रखा जाएगा पहला रोजा

मस्जिदों में तरावीह का दौर शुरु, पूरे महीने इबादत में मशगूल रहेंगे बंदे

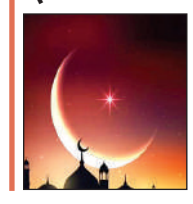

भोपाल। बुधवार को आसमान में रमजान का चांद नजर आ गया। जिसके बाद रमजान का पवित्र माह शुरु हो गया है। इसके साथ बुधवार से ही मस्जिदों में तरावीह की विशेष नमाज शुरु हो गई है। अब गुरुवार को पहला रोजा रखा जाएगा। एक महीने तक चलने वाले पवित्र माह रमजान की तैयारी मुस्लिम समाज पंद्रह दिन पहले शब-ए-बारात से ही ▶▶शेष पेज 10 पर

बड़ा फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

'पायजामे का नाड़ा' खींचना दुष्कर्म की कोशिश

इससे पहले उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में नाड़ा खींचने को दुष्कर्म की तैयारी बताया था

जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म ▶▶शेष पेज 10 पर

क्या है मामला?

10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश ▶▶शेष पेज 10 पर

विवादित आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि विवादित आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, पोक्सो कानून के तहत दो आरोपियों ▶▶शेष पेज 10 पर

कूनो नेशनल पार्क से आई खुशखबर

मादा चीता गामिनी ने 'तीन' और शावकों को दिया जन्म

चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई

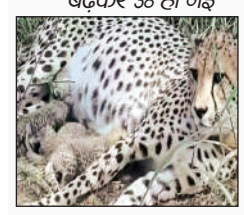

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को ▶▶शेष पेज 10

॥ॐ जूं सः भोपालवासी पालय पालय सः जूं ॐ॥
वास्तु शास्त्र के नियम अनुसार
"जैसा आपका भवन है, वैसा आपका जीवन है"

वास्तुशास्त्री, एस्ट्रोलॉजर, न्यूमरोलॉजिस्ट, ऊर्जा स्कैनिंग एक्सपर्ट
VASTUVID SATYENDRA SINGH
Call Now 9171295733
Add: Vastu Sadan D 7 Tribhuvan Colony Salaiya Bhopal Mp

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में शामिल होंगे 500 से ज्यादा वीवीआईपी मेहमान

'एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' का आज राजधानी में उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

सम्मेलन को पीएम के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति, यूएन महासचिव सहित दुनियाभर के शीर्ष उद्योगपति संबोधित करेंगे, अंत में एक परिणाम दस्तावेज भी जारी होगा

पीएम मोदी फिनलैंड के पीएम ओर्पो के साथ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन-2026' का गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। इसमें उनके अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, संयुक्त राष्ट्र महासचिव (यूएन) एंटोनियो गुटेरेस और दुनियाभर के देशों के दिग्गज उद्योगपति समारोह को संबोधित करेंगे।

इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' रखी गई है। जिसका अर्थ सभी का कल्याण और प्रसन्नता है और इसका उद्देश्य भारत को एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना ▶▶शेष पेज 10 पर

स्पेन, फिनलैंड, सर्बिया, क्रोएशिया, एस्टोनिया, भूटान, कजाकिस्तान के साथ कई अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ की द्विपक्षीय बैठक

प्रधानमंत्री मोदी और सुंदर पिचाई

एआई में गूगल के सहयोग पर की चर्चा

प्रधानमंत्री ने अपनी एक अन्य एक्स पोस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से हुई मुलाकात को लेकर कहा कि उनसे मुलाकात करना एक बेहद सुखद अनुभव रहा। हमने एआई क्षेत्र में भारत द्वारा किए जा रहे कार्यों और इस क्षेत्र में ▶▶शेष पेज 10 पर

मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति जैसे तीन मुख्य स्तंभ

सम्मेलन में मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति जैसे तीन मुख्य स्तंभों के हिसाब से सात कार्यकारी समूह बनाए गए हैं। जो विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने वाले ठोस परिणाम देने पर काम करेंगे। इसे लेकर सात थीम भी बनाई गई हैं। जिनमें आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई, ▶▶शेष पेज 10 पर

पीएम के कार्यक्रम की डिटेल

- 19 फरवरी की सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।
- 11 बजे के करीब वह अन्य नेताओं के साथ 11 बजे के करीब इस एक्सपो-2026 का दौरा करेंगे।
- दोपहर 12 बजे पीएम आयोजन स्थल पर शुरू होने वाले वैश्विक नेताओं ▶▶शेष पेज 10 पर

भारत की राजकीय यात्रा पर ब्राजील के राष्ट्रपति

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। 19 फरवरी को वह एआई सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इसके अगले दिन भी वह समारोह स्थल पर आयोजन से जुड़ी हुई गतिविधियों में भाग लेंगे। शनिवार 21 फरवरी को ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ ताज पैलेस होटल में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। सुबह करीब 10 बजे राष्ट्रपति भवन में ▶▶शेष पेज 10 पर

चाइनीज रोबोट लाकर कराई भारत की बेइज्जती

सरकार ने गलगोटिया यूनि. से कहा- छोड़ दो एक्सपो

रोबोटिक डॉग

विश्व विद्यालय के ड्रोन पर भी उठे सवाल, कोरियाई बताया गया

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

एआई इंपैक्ट समिट 2026 में ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर चीन के रोबोटिक डॉग को अपना बताकर पेश करने के आरोप लगे हैं। समिट में यूनिवर्सिटी की तरफ से इस रोबोट को भारत में विकसित एआई टेक्नोलॉजी के तौर पर पेश किया गया था। दावा था कि यह रोबोट यूनिवर्सिटी की इन हाउस डेवलपेड तकनीक है। यूनिवर्सिटी का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद उन्हें एआई समिट एक्सपो को तत्काल खाली करने के लिए कहा गया है। चाइना पल्स ने रोबोट की तस्वीरें और वीडियो शेयर कर दावा किया कि यह वही मॉडल है, जो पहले चीन की एक रोबोटिक्स कंपनी द्वारा प्रदर्शित किया जा चुका है। अब इस बार विवाद की जड़ ड्रोन सॉकर दिखाया, वह मेड इन साउथ कोरिया जैसा निकला। ▶▶शेष पेज 10 पर

राहुल बोले- इंडियन डेटा बेचा जा रहा

राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने समिट को 'अव्यवस्थित पीआर तमाशा' बताते हुए कहा कि यहां पर भारतीय डेटा बेचने के साथ ही चीनी प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन किया जा रहा है। भारत के टैलेंट और डेटा का फायदा उठाने के बजाय, एआई समिट एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा है। जहां इंडियन डेटा बेचा जा रहा है और चीनी प्रोडेक्ट्स का प्रदर्शन हो रहा है। चीनी रोबोट को हमारे अपने रोबोट के तौर पर दिखाया जा रहा है। चीनी मीडिया ▶▶शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

स्कूल की दीवार गिरी 5वीं के छात्र की मौत

कटनी। जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक सरकारी स्कूल की जर्जर दीवार अचानक गिर गई और उसकी चपेट में आकर 5वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। लापरवाही और बदहाल पड़ी दीवार हादसे की वजह बताई जा रही है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कैमोर थाना क्षेत्र के तिलक चौक के पास स्थित बम्हनगवां शासकीय प्राथमिक शाला में यह हादसा हुआ। इसी दौरान 9 वर्षीय राजकुमार बर्मन चपेट में आ गया।

सिवनी मालवा में युवक का अपहरण

बेरहमी से पीटा, हाथ-पैर तोड़े, नाखून भी उखाड़े

एक साल से चल रही थी निजी रंजिश

नर्मदापुरम। बानापुरा में मंगलवार को सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां छह लोगों ने एक युवक का अपहरण कर उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। हमले में युवक के दोनों हाथ और दोनों पैर तोड़ दिए गए, वहीं बाएं हाथ की दो अंगुलियों और अंगूठे के नाखून तक उखाड़ दिए। ▶▶शेष पेज 10 पर

गुना में तेज रफ्तार ट्रक का कहर

100 फीट तक घसीटा युवक की मौके पर मौत

ट्रक चालक मौके से फरार हो गया

गुना। एबी रोड पर बुधवार को महुगढ़ा रैक पॉइंट की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक सड़क पर मौजूद वाहनों से टकरा गया, जिससे 28 वर्षीय शिवनंदन शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मूल रूप से ग्राम सोहाया का रहने वाला था और शहर के मेसी ट्रैक्टर शोरूम ▶▶शेष पेज 10 पर

नए सिस्टम से मप्र में होगी बारिश

22 जिलों में अलर्ट, मालवा से चंबल तक होगा असर

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में सक्रिय हो रहे दो चक्रवाती परिसंचरण और एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 22 जिलों में बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। रतलाम में मंगलवार रात हुई बारिश ने बदलाव ▶▶शेष पेज 10 पर

रोंगटे खड़े कर देगा एमबीए छात्रा के हत्यारे का कबूलनामा

मैगी बनाकर खिलाई, निर्वस्त्र कर हाथ-पैर बांधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶इंदौर

इंदौर के द्वारिकापुरी क्षेत्र में एमबीए छात्रा की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी पीयूष धामनोतिया ने घटनास्थल पर पुलिस के सामने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। मंगलवार दोपहर पुलिस उसे घटनास्थल पर ले गई, जहां उसने किचन की ओर इशारा करते हुए बताया कि पहले उसने छात्रा को मैगी बनाकर खिलाई, फिर उसे

चैटिंग एप विवाद हत्या की प्रारंभिक वजह बताई गई

पर्स से मिला कबूलनामा जिसमें फांसी की मांग की

निर्वस्त्र कर हाथ-पैर बांध दिए और हत्या कर दी। तलाशी के दौरान आरोपित के पर्स से एक पत्र बरामद हुआ, जिसमें लिखा था- मैंने उसकी हत्या कर दी है, मुझे फांसी दे दो। पुलिस इस पत्र को मामले में अहम साक्ष्य मान रही है। द्वारिकापुरी थाना प्रभारी मनीष मिश्रा के अनुसार घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने के लिए आरोपी से नाट्य रूपांतरण कराया ▶▶शेष पेज 10 पर

ग्वालियर से भोपाल विशेषज्ञ को दिखाने लाया था

65 साल के रिटायर्ड डॉक्टर ने 30 साल की मरीज से किया होटल में 'दुराचार'

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

एमपी नगर जोन टू की होटल में ग्वालियर के 65 साल के रिटायर्ड डॉक्टर ने 30 साल की महिला मरीज से दुष्कर्म किया। चर्म रोग का इलाज करा रही महिला को डॉक्टर विशेषज्ञ को दिखाने के बहाने भोपाल लेकर आया था। यहां उसने एमपी नगर की एक होटल में ले जाकर महिला से ▶▶शेष पेज 10 पर

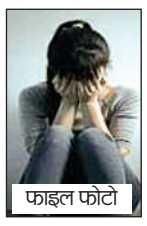
फाइल फोटो

भोपाल में कुछ विशेष टेस्ट कराने होंगे

अमरीश सेंगर सरकारी अस्पताल से रिटायर्ड है और प्राइवेट क्लीनिक चलाता है। इलाज में फायदा होने की बजाए चर्म रोग और अधिक फैलने लगा। तब रिटायर्ड डॉक्टर ने महिला से कहा कि भोपाल में विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा। वहां कुछ टेस्ट भी होंगे जो ग्वालियर में नहीं हो सकते। बहाना बनाकर आरोपी डॉक्टर 14 फरवरी को महिला को भोपाल ले आया। उसने कहा कि आज डॉक्टर नहीं देख सकेंगे। सुबह तक रुकना पड़ेगा। इसके बाद वह उसे एमपी नगर के होटल में ले गया। महिला ने उससे कहा कि उसे अलग कमरा चाहिए। तब डॉक्टर ने कहा कि होटल में दूसरा कोई रूम खाली नहीं है। संदेह होने पर महिला ▶▶शेष पेज 10 पर

सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान, 16 मार्च को ही वोटों की गिनती

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

ये सीटें अप्रैल में अलग-अलग तारीखों को रिक्त हो रही हैं

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि इन 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होंगे। इनमें महाराष्ट्र की सात, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। वहीं, ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, असम की तीन, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, तेलंगाना

की दो और हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है। आयोग ने बताया है कि महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ▶▶शेष पेज 10 पर

रिक्त सीटों की संख्या

महाराष्ट्र	7 सीटें
ओडिशा	4 सीटें
तमिलनाडु	6 सीटें
प.बंगाल	5 सीटें
असम	3 सीटें
बिहार	5 सीटें
छत्तीसगढ़	2 सीटें
हिमाचल	1 सीटें
तेलंगाना	2 सीटें
हरियाणा	2 सीटें

ऐसा रहेगा पूरा शेड्यूल

राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा जो शेड्यूल जारी किया गया है, उसके मुताबिक 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। 5 मार्च को नामांकन भरे जाएंगे और 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 9 मार्च तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से 4 बजे तक मतदान होगा और 16 मार्च को ही वोटों की गिनती होगी। 20 मार्च 2026 से पहले चुनाव पूरा होना है।

रामनाथ, शरद और प्रियंका चतुर्वेदी समेत इनका कार्यकाल हो रहा खत्म

जिन दिग्गज नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनमें शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, कनिमोझी, साकेत गोखले, उपेंद्र कुशवाहा, राज्यसभा के डिप्टी स्पीकर हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर और अभिषेक मनु सिंघवी आदि शामिल हैं।

आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प पर आधारित है बजट

गोविंद सिंह राजपूत
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट का मुख्य फोकस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, नारी शक्ति, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर, इन्डस्ट्री का सर्वांगीण विकास है। यह बजट सामाजिक सुरक्षा, कृषि सुदृढ़ीकरण, औद्योगिक निवेश और अधोसंरचना विकास के संतुलित संयोजन के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बजट में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 531 करोड़ अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आयेगी।

प्रदेश की जनता के साथ खुला धोखा, यह 'ठग बजट' है

जीतू पटवारी
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार द्वारा पेश किया गया बजट प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात है, यह 'ठग बजट' है। 4.38 लाख करोड़ रुपए के विशाल बजट के पीछे 78,000 करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा छिपा हुआ है, जिसकी स्पष्ट व्याख्या सरकार आज तक नहीं कर पाई है कि यह राशि भविष्य में कहां से लाई जाएगी। पिछले वर्ष 4.21 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था, लेकिन उसका लगभग 50 प्रतिशत तक उपयोग ही नहीं हो पाया। इसके बावजूद सरकार रोजाना औसतन 213 करोड़ रुपये का कर्ज लेती रही। यह वित्तीय कुप्रबंधन जनता को गुमराह करने और प्रदेश को कर्ज के दलदल में धकेलने का प्रमाण है।

बजट मप्र के समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र

हेमंत खंडेलवाल
अध्यक्ष
मप्र भाजपा

यह बजट विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के साथ जनकल्याण को नई ऊंचाई देगा। मध्यप्रदेश का प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बताई गई चार जातियां, गरीब, युवा, नारी और किसानों की समृद्धि का मार्ग और प्रशस्त करेगा। यह बजट मध्यप्रदेश के समग्र विकास व सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ आत्मनिर्भर बनाने का जो लक्ष्य लेकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने पूंजीगत व्यय को बजट में बढ़ाया है, जिससे मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना साकार होगी।

बजट में कर्मचारियों के साथ किया गया अन्याय

अशोक पांडे
प्रदेशाध्यक्ष, मप्र कर्मचारी मंच

विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट को मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने खोखले वादों का बजट बताया। पांडे ने यह बजट प्रदेश की आम जनता के साथ छलावा है और कर्मचारी मजदूर विरोधी है। बजट में युवाओं की नौकरी और भर्ती पर चुप्पी है। प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को उम्मीद थी कि भर्ती, नई नौकरियों और रोजगार सृजन पर ठोस प्रावधान होंगे, लेकिन बजट में इस पर कोई ठोस घोषणा नहीं की गई। पांडे ने कहा कि बजट में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते पर कोई बात नहीं की गई। प्रदेश के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी को लेकर बजट में कोई प्रावधान नहीं है। यह कर्मचारियों के साथ अन्याय है।

विकास और कल्याण को समर्पित मध्य प्रदेश सरकार का बजट

विभांशु जोशी
पूर्व सदस्य मध्य प्रदेश बाल आयोग

प्रदेश सरकार का बजट विकास और कल्याण को समर्पित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन को बढ़ावा देने वाला बजट है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए विशेष वित्तिय प्रावधान किए गए हैं। कृषि उद्यानिकी पशुपालन आदि को मूल्य संवर्धन से जोड़कर कृषक कल्याण वर्ष 2026 की भावना को सार्थक किया गया है। सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से कृषकों को कृषि उत्पादन में लाभ मिलेगा। भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना से तकनीकी शिक्षा में युवाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावासों के निर्माण से कार्य करना आसान होगा।

जनता से वादाखिलाफी और विकास पर विराम वाला बजट

विभा पटेल
मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष

बजट को पूरी तरह निराशाजनक और जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल रहा है और चुनावी वादों से साफ तौर पर मुकरने का दस्तावेज साबित हुआ है। विभा पटेल ने आरोप लगाया कि नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने प्रदेश की जनता से जो बड़े-बड़े वादे किए थे, वे ढाई वर्ष बाद भी बजट भाषण में कहीं नजर नहीं आए। न युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना दिखाई दी, न कर्मचारियों के महंगाई भत्ते पर कोई स्पष्ट घोषणा हुई।

प्रदेश को नई दिशा देता बजट

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

क्रेडाई भोपाल मध्यप्रदेश बजट 2026–27 में युवा, महिला, किसान, श्रमिक और कनेक्टिविटी पर फोकस का स्वागत करता है। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 2025–26 में प्रदेश का जीडीएसपी करंट प्राइस लगभग 16,69,750 करोड़ रुपए और वृद्धि 11.14 फीसदी अनुमानित है। रियल ग्रोथ 8.04 फीसदी तथा प्रति व्यक्ति आय 1,69,050 रुपए बताई गई है। यह मजबूत संकेत है कि अब निवेश और रोजगार के लिए डिलिवरी मोड जरूरी है। यह बात भोपाल क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक ने कही।

मीक ने कहा कि बजट घोषणाओं में लाड़ली बहना के लिए 23,882 करोड़ और 1 लाख सोलर पंप जैसे कदम सामाजिक सुरक्षा और ऊर्जा बदलाव को सहारा देंगे। ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिए 21,630 करोड़ की सड़क योजना भी मांग–आपूर्ति की चेन को मजबूत करेगी। बजट में शहरी विकास के लिए 21,000 करोड़ रुपए का प्रावधान एक बड़ा अवसर है पर इसकी असली सफलता 'घोषणा' नहीं, सेवा-गुणवत्ता से मापी जाएगी।

मप्र बजट 2026–27 का स्वागत करते हुए क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक बोले

ईज ऑफ लिविंग से आगे राज्य को चाहिए ईज ऑफ अर्निंग

जीडीएसपी ग्रोथ के बाद अब भोपाल कैपिटल रीजन का रिडेवलपमेंट आवश्यक

रियल ग्रोथ 8.04 फीसदी तथा प्रति व्यक्ति आय 1,69,050 रुपए

शहरी विकास 21,000 करोड़ का प्रावधान एक बड़ा अवसर है असली सफलता सेवा-गुणवत्ता से मापी जाएगी

कोर एरिया रिडेवलपमेंट के लिए टाइम-बाउंड प्रोजेक्ट पाइपलाइन में जाना चाहिए

मनोज मीक

राजधानी क्षेत्र में पानी, सीवर, ड्रेनेज, ट्रैफिक और सार्वजनिक परिवहन का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए इस राशि का बड़ा हिस्सा ट्रंक इंफ्रा, मेट्रो/ई-बस इंटीग्रेशन, और कोर एरिया रिडेवलपमेंट के लिए टाइम-बाउंड प्रोजेक्ट पाइपलाइन में जाना चाहिए। हम मांग करते हैं कि बजट के साथ ही प्रोजेक्ट-वाइज आउटपुट (कितने किमी पाइपलाइन/ड्रेनेज, कितने वार्ड कवर, कितने रिडेवलपमेंट पैकेज) और डिलिवरी टाइमलाइन सार्वजनिक की जाए, ताकि भोपाल मेट्रोपॉलिटन कैपिटल रीजन में 'ईज ऑफ लिविंग' वास्तव में 'ईज ऑफ अर्निंग' में बदले, लेकिन रियल एस्टेट और शहरी रोजगार के लिए सबसे बड़ा गैप "अफोर्डेबल हाउसिंग" और शहरों की मूल सुविधाओं पानी, सीवर, ड्रेनेज, ट्रांसपोर्ट की स्पीड और क्वालिटी है।

बजट में एमएसएमई के लिए 3882 करोड़ रुपए का प्रावधान किया

मध्यप्रदेश में एमएसएमई सेक्टर राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बजट में 2026-27 में एमएसएमई के लिए 3882 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष से 19 फीसदी ज्यादा है। इस बजट का उद्देश्य एमएसएमई को सब्सिडी आधारित ढांचे से बाहर निकाल कर उन्हें प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जिला एक उत्पाद अभियान तथा क्लस्टर आधारित विकास मॉडल का प्रावधान किया है, जिससे युवाओं को रोजगार तथा स्वयं का उद्गम स्थापित करने में सहायता मिल सकेगी। जिस तरह से प्रदेश की आर्थिक स्थिति है उसे हिसाब से बजट के प्रावधान स्वागत योग्य है।

आरजी द्विवेदी, अर्थशास्त्री

'विकसित मप्र- 2047' के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

यह बजट मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला व्यावहारिक एवं विकासोन्मुख बजट है। अधोसंरचना एवं औद्योगिक निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ने से ग्रामीण बाजारों में मांग बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ व्यापार एवं उद्योग को मिलेगा। यदि उद्योगों के लिए प्रक्रियाएं और अधिक सरल की जाएं, तो यह बजट प्रदेश को तीव्र औद्योगिक विकास की दिशा में आगे ले जाएगा। फेडरेशन का मत है कि यह बजट 'विकसित मध्यप्रदेश- 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

दीपक शर्मा
अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए भविष्योन्मुखी बजट

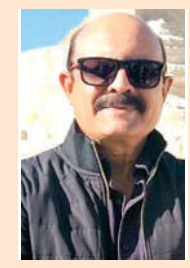

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश किया गया मध्य प्रदेश का बजट 2026-27 ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए सकारात्मक और भविष्योन्मुखी रहा है। इस बजट का मुख्य जोर हरित परिवहन और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर रहा। मध्य प्रदेश में पंजीकृत होने वाले समस्त श्रेणी के इलेक्ट्रिक वाहनों पर मोटरयान कर में पूर्ण छूट की घोषणा की गई है। पुरानी गाड़ियों को स्क्रैप कराकर उसी श्रेणी का नया वाहन खरीदने पर मोटरयान कर में 50 फीसदी तक की छूट का प्रावधान किया गया है। भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में 972 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 472 पहले से ही संचालित हैं, जो ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करेगा।

आशीष पांडे, अध्यक्ष, भोपाल ऑटोमोबाइल एसोसिएशन

बजट में किसान एवं कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया

वित्त मंत्री ने लाड़ली बहना योजना का विस्तार सराहनीय कदम है। किसान एवं कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया । दुग्ध उत्पादन एवं सहकारी डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया गया। इसके साथ सोलर पंप एवं सौर ऊर्जा आधारित कृषि को बढ़ावा। छात्र एवं युवाओं के लिए कौशल विकास, आईटी , एआई एवं रिसर्च पार्क की स्थापना पर बल दिया। साथ ही कन्या एवं महिला छात्रावासों को डिजिटल, सुरक्षित एवं आधुनिक बनाने बजट में प्रावधान हुआ। बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा (जूडो-कराटे, मार्शल आर्ट), योग, सूर्य नमस्कार, गीता-संस्कृत शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों का समावेश हुआ जो कि सराहनीय कदम है।

संतोष अग्रवाल
अध्यक्ष, भोपाल स्टॉक इंवेस्टर्स एसोसिएशन

बजट 2026-27: 'विकसित मालवा' का रोडमैप

केंद्रीय और राज्य बजट का यह तालमेल पीथमपुर को 'ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन' बनाने वाला है। विशेष रूप से पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए बड़ी राशि का आवंटन केवल एक सड़क का निर्माण नहीं, बल्कि समृद्धि के एक नए गलियारे का उद्घाटन है। कॉरिडोर से माल ढुलाई की लागत में 12-15 फीसदी की कमी आएगी, जिससे हमारे उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। फिनटेक सिटी और डेटा सेंटर के प्रावधानों से क्षेत्र में 15,000 करोड़ के नए निवेश की राह खुली है। ऋण गारंटी और डिजिटल सुधारों से छोटे उद्योगों को 'वर्किंग कैपिटल' की समस्या से मुक्ति मिलेगी। लैंड पूलिंग मॉडल' के जरिए किसान और उद्योगपति, दोनों इस विकास गाथा के बराबर के भागीदार बनेंगे।

सीए (डॉ.) गौतम कोठारी
अध्यक्ष, पीथमपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

प्रदेश के बजट से आम नागरिक, व्यापारी, पेंशनर और युवाओं को मिलेगा लाभ

बजट में एक आम नागरिक के लिए मात्र औपचारिकता

प्रदेश सरकार के बजट से ना आज ना आगे कोई बड़ी उम्मीद ना रखे, क्योंकि सरकार का अधिकांश पैसा मुफ्त योजनाओं में खर्च हो रहा, विकास कार्यों के लिए धन की बहुत ही कमी है। सरकार को एक उपयुक्त बनिया बुद्धि वित्त मंत्री की आवश्यकता है, जिससे वो वैट की दर को कमी लाकर प्रदेश के व्यवसाय में अभूतपूर्व वृद्धि कर राजस्व वृद्धि कर विकास कार्यों के लिए पैसा उपलब्ध कराए। पेश बजट में एक आम नागरिक के लिए मात्र औपचारिकता है, क्योंकि सरकार की मजबूरी है बजट लाना।

अजय सिंह, अध्यक्ष, पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन

व्यापार को गति मिलने वाला बजट व्यापारी संतुलित दृष्टि से देख रहे हैं

मध्य प्रदेश शासन के बजट को व्यापारी वर्ग संतुलित दृष्टि से देख रहा है। प्रक्रियाओं के सरलीकरण, वेयरहाउस, ऋण सुविधा एवं लॉजिस्टिक ढांचे को मजबूत करने जैसी घोषणाएं स्वागत योग्य हैं, जिससे व्यापार को गति मिलने की उम्मीद है। किंतु पारंपरिक बाजारों की जमीनी समस्याएं अतिक्रमण, पार्किंग, स्थानीय कर-शुल्क तथा बढ़ते ऑनलाइन व्यापार से असमान प्रतिस्पर्धा पर अभी और ठोस निर्णय अपेक्षित हैं। छोटे व मध्यम व्यापारियों को वास्तविक राहत तभी मिलेगी जब सरकार इन मुद्दों शीघ्र जमीनी अमल सुनिश्चत करे।

विवेक साहू, महामंत्री, भोपाल किराना व्यापारी महासंघ

नहीं दिया कर्मचारी, पेंशनर्स, सीनियर व्याख्याताओं की मांग पर ध्यान

बजट में कर्मचारी, पेंशनर्स, सीनियर व्याख्याताओं की लंबित मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसके साथ ही इनकी लंबित जिन 14 मांगों को नकारा गया है, उनमें कर्मचारियों एवं पेंशनर्स का 50% डीए, उसके मूल वेतन में मर्ज करने का प्रावधान नहीं किया जाना, मप्र के पेंशनर्स को सातवें केंद्रीय वेतनमान के 27 माह के वेतन-एरियर का भुगतान करने, पेंशनर्स के साथ भेद-भाव समाप्त करने का प्रावधान नहीं किया जाना, जबकि इस सम्बन्ध में तीन वरिष्ठ आईएएस अनुराग जैन, डॉ. राजेश राजोरा, डॉ. संजय गोयल की सहमति है।

एमके सक्सेना, पूर्व संयोजक, राजपत्रित अधिकारी संघ

390 करोड़ वन्यजीव की रक्षा होगी लोगों को मिलेगा रोजगार

प्रदेश सरकार द्वारा बुधवार को पेश किए गए बजट 2026-27 में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा वन्यजीव की रक्षा के लिए 390 करोड़ रुपए की घोषणा की है। इसकी मैं प्रंशसा करता हूं। इस से वन्यजीव की रक्षा होगी, तो वहीं स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। यह सब तब संभव है। जब सरकार की योजनाओं व बजट का सही तरह से क्रियन्वयन हो। उन्होंने कहा कि बजट का बड़ा हिस्सा (390 करोड़) बफर जोन में 'चेन-लिंक फेंसिंग' और अन्य निर्माण कार्यों के लिए रखा गया है। यह जीन फ्लो रोकेगा।

अजय दुबे, वन्यजीव कार्यकर्ता

विकास का स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है बजट

राकेश सिंह
लोक निर्माण मंत्री

यह बजट आगामी दो वर्षों के विकास का स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है तथा अमृतकाल 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विकास का नया पैमाना तय करता है। लोक निर्माण से लोक कल्याण के लक्ष्य को साकार करते हुए प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। यह बजट विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 2,190 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन, 992 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण तथा 30 पुलों एवं रेलवे ओवर ब्रिजों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त लगभग 3,000 करोड़ लागत के प्रमुख कार्य पूर्ण हुए हैं, जिनमें सिक्स लेन कोलार रोड, भोपाल में गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक फ्लाईओवर तथा दमोह नाका एलीवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं।

आम बजट पर दिग्गजों का नजरिया

विकास के तीन स्तंभों पर टिका मध्य प्रदेश का बजट

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक, आईआईएम इंदौर

मध्य प्रदेश का बजट 2026-27 तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित विकास दृष्टि को सामने रखता है, जो राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। पहला, बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ता पूंजीगत निवेश, जिससे सड़क, पेयजल और ग्रामीण कनेक्टिविटी न केवल निर्माण गतिविधियों को गति देंगे, बल्कि लॉजिस्टिक लागत घटाकर उद्योगों और कृषि दोनों को प्रतिस्पर्धी बनाएँगे। बेहतर कनेक्टिविटी का सीधा असर निवेश आकर्षित करने में मददगार होगा और क्षेत्रीय संतुलित विकास में सहायक होगा। दूसरा, मानव पूंजी पर केंद्रित खर्च, विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में किया गया है। इसमें नए मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल सामाजिक क्षेत्र की पहल नहीं है, बल्कि उत्पादक कार्यबल तैयार करने की आर्थिक रणनीति है। स्वस्थ और सक्षम जनसंख्या ही उच्च विकास दर का आधार बनती है और इससे निजी निवेश के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार होता है। तीसरा, महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष आय प्रवाह को मजबूत करने वाली योजनाएँ, जिनसे निचले स्तर पर उपभोग बढ़ेगा, स्थानीय बाजारों को गति मिलेगी और सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए स्थायी मांग तैयार होगी। यह विकास को कुछ शहरी केंद्रों तक सीमित रखने के बजाय व्यापक सामाजिक आधार देता है। इन तीनों क्षेत्रों पर एक साथ ध्यान देने से मध्य प्रदेश को उपभोग, निवेश और उत्पादकता में तेजी मिलेगी और प्रदेश विकास की दिशा में आगे बढ़ता रहेगा।

'समृद्ध प्रदेश 2047' की ओर बढ़ने वाला बजट

राजेंद्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री, मप्र

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट समृद्ध मप्र 2047 की दिशा की ओर बढ़ने वाला एक दूरदर्शी, समावेशी एवं परिणामोन्मुखी दस्तावेज है। इस बजट में 'ज्ञान' (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) से आगे बढ़कर 'ज्ञानी' की अवधारणा को साकार किया गया है, जिसमें इंडस्ट्रीलाइजेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त रूप से जोड़ा गया है। बजट में शहरी, ग्रामीण हर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना विकास सभी सेक्टर के लिए प्रावधान किए गए हैं। सर्वस्पर्शी, समावेशी बजट के लिए मुख्यमंत्री हम डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभारी हैं। यह बजट विकसित एवं समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। वर्ष 2026-27 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल 23 हजार 747 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है, जो प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं किफायती उपचार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस बजट से प्रदेश की जनता को काफी लाभ मिलेगा।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल गुरुवार 19 फरवरी 2026

मध्यप्रदेश 2026-27
बजट

इस बार
4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए विकास और जनकल्याण के लिए समर्पित

मोहन ने की पैसों की बरसात

1 निम्न आय वर्ग और नारी वर्ग के बीच बजट ने नई उम्मीदें जगाई

2 युवाओं और उभरते उद्यमियों के लिए बजट में कई अहम प्रावधान किए

3 किसानों की आमदनी बढ़ाने और खर्च कम करने सरकार ने खोला खजाना

युवा वर्ग आशान्वित

कौशल विकास, औद्योगिक विस्तार डिजिटल कनेक्टिविटी और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला बजट

गोविंदपुरा स्थित बी नेक्सट के युवाओं ने मोहन सरकार के बजट को सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश सरकार नए बिजनेस को स्टार्ट करने के लिए कई तरह के लाभ दे रही है। इसके लिए सेंटरों को सुविधाएं मुहैया करवा रही है। रोजगार के मौके भी बढ़ रहे हैं।

मध्यप्रदेश में बुधवार को प्रस्तुत बजट में युवाओं और उभरते उद्यमियों के लिए कई अहम प्रावधान किए गए हैं, जिनका सीधा असर हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी और क्रिएटिव सेक्टर पर पड़ सकता है। यह बात गोविंदपुरा स्थित बी नेक्सट के युवाओं ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने कौशल विकास, औद्योगिक विस्तार, डिजिटल कनेक्टिविटी और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। ऐसे में स्टार्टअप जगत से जुड़े युवा उद्यमियों की नजर में यह बजट कितनी उम्मीदें जगाता है और क्या लाभ दिखता है, इस पर हरिभूमि ने उनसे सीधा संवाद किया।

एमएसएमई और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए अच्छे किए प्रावधान

मप्र के बजट में एमएसएमई और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए प्रोत्साहन योजनाएं उत्साहजनक हैं। औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से मैन्युफैक्चरिंग और टेक सेक्टर को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार रिसर्च एवं इनोवेशन के लिए अनुदान और टैक्स में राहत देती है तो प्रोडक्ट डेवलपमेंट की गति बढ़ेगी। खासतौर पर टियर-2 शहरों में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित करने की पहल सराहनीय है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और कंपनियों को बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

आशुतोष राय
स्टार ब्रू टेक्स सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड

विशेष फंडिंग से क्रिएटिव और डिजाइन आधारित स्टार्टअप्स को मिलेगा बड़ा मंच

महिला उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर बजट में जो प्रावधान किए गए हैं, वे प्रेरणादायक हैं। यदि महिलाओं के लिए विशेष फंडिंग, मेंटरशिप और मार्केट लिंक की सुविधाएं मजबूत की जाती हैं तो क्रिएटिव और डिजाइन आधारित स्टार्टअप्स को बड़ा मंच मिलेगा। ई-मार्केट और डिजिटल प्रमोशन के लिए समर्थन छोटे उद्यमों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला सकता है। हमें उम्मीद है कि सरकार नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी, ताकि अधिक से अधिक युवा और महिलाए उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजनेस को बढावा देने की योजना सराहनीय है।

अरुणा सिंह
को-फाउंडर, एंसोज क्रिएशन

स्टार्टअप प्रोत्साहन, आसान ऋण की घोषणाएं पूंजी जुटाने में होंगी सहायक

बजट में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल डेवलपमेंट पर बढ़ा फोकस हमारे जैसे सर्विस-आधारित स्टार्टअप्स के लिए बेहद सकारात्मक है। यदि जिला स्तर पर हेल्थ सेंटर अपग्रेड होते हैं और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ तैयार किया जाता है तो होम हेल्थकेयर सेवाओं की मांग और गुणवत्ता दोनों बढ़ेंगी। स्टार्टअप प्रोत्साहन और आसान ऋण की घोषणाएं शुरुआती पूंजी जुटाने में सहायक होंगी। सरकार यदि रजिस्ट्रेशन और अनुपालन प्रक्रियाओं को और सरल करे तो युवा उद्यमी तेजी से विस्तार कर सकते हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ा सकते हैं। बजट स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने वाला है।

हर्षवर्धन मिश्रा
डायरेक्टर, गो-ईजी होम केयर सर्विस

पीएम आवास योजना के तहत बने भवनों में रहने वाले निम्न आय वर्ग के परिवार बोले

लाड़ली बहनों के लिए बजट में कई घोषणाएं, बोलीं- मोहन सरकार ने महिलाओं का रखा खास ध्यान, बनेंगी आत्मनिर्भर

महिलाओं की चिंता दूर करने वाला बजट

- *मोहन सरकार का बजट महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने वाला, समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा*

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बुधवार को पेश बजट ने महिलाओं, गरीब परिवारों और निम्न आय वर्ग के लोगों के बीच नई उम्मीदें जगाई हैं। विशेष रूप से महिलाओं से जुड़ी योजनाओं और घोषणाओं ने घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाली महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान ला दी। इन घोषणाओं का सीधा असर उन परिवारों पर पड़ा है, जो पहले से ही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को संवार रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कोकता क्षेत्र में बने बहुमंजिला आवासों में रहने वाले परिवारों में बजट को लेकर खास उत्साह देखा गया। यहां रहने वाले अधिकांश परिवार दिहाड़ी मजदूरी, घरेलू कामकाज या छोटे व्यवसाय से जुड़े हैं। इनके लिए हर छोटी आर्थिक राहत बड़ा सहारा होती है। महिलाओं का मानना है कि जब सरकार सीधे उन्हें ध्यान में रखकर योजनाएं बनाती है तो उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। यहां रहने वाली महिलाओं का कहना है कि यह बजट उनकी रोजमर्रा की चिंताओं को कम करने वाला है।

बजट में लाड़ली बहना योजना के लिए प्रावधान, नारी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, स्व सहायता समूहों को प्रोत्साहन, उज्ज्वला योजना से जुड़ी सुविधाएं, वर्किंग वूमन के लिए हॉस्टल निर्माण, प्रतिभावान छात्राओं को स्कूटी, लैपटॉप, साइकिल, निशुल्क किताबें छात्रवृत्ति की घोषणाएं

आर्थिक सहायता से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

स्वयं सहायता समूहों को बजट से मिलेगा बढ़ावा

आवासीय परिसर में रहने वाली रिंकी बाघेला बताती हैं कि पहले वे किराए के मकान में रहती थीं, जहां आय का बड़ा हिस्सा किराए में चला जाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने के बाद आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। अब बजट में लाड़ली बहनों के लिए बढ़ाए गए प्रावधान और अन्य सुविधाओं की घोषणा से उन्हें भविष्य के प्रति और अधिक भरोसा मिला है। यहां रहने वाली सोनम रैकवार का कहना है कि बजट में स्व सहायता समूहों को बढ़ावा देने की बात उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वे स्वयं एक समूह से जुड़ी हैं और छोटे स्तर पर सिलाई का काम करती हैं। यदि समूहों को और आर्थिक सहायता तथा प्रशिक्षण मिलेगा तो महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी। सोनम रैकवार ने कहा कि सरकार महिलाओं को केवल सहायता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का अवसर दे रही है।

गरीबों के लिए वरदान साबित होंगी घोषणाएं

वूमन हॉस्टल, लैपटॉप वितरण से पढ़ेंगी बेटियां

मंजू कहती हैं कि उज्ज्वला योजना और रसोई गैस से जुड़ी सुविधाओं ने उनके जीवन को पहले ही आसान बनाया है। अब बजट में वर्किंग वूमन हॉस्टल और छात्राओं के लिए स्कूटी व लैपटॉप जैसी घोषणाएं आने से उन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता कम होती दिख रही है। उनका मानना है कि बेटियों को पढ़ाई और आवागमन की सुविधा मिलेगी तो वे आगे बढ़ेंगी और परिवार का नाम रोशन करेंगी। सुमन का कहना है कि बजट में छात्रवृत्ति, मुफ्त किताबें और साइकिल जैसी घोषणाएं गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित होंगी। वे बताती हैं कि पहले बच्चों की पढ़ाई के खर्च को लेकर चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब सरकार की योजनाएं सहारा बन रही हैं। सुमन के अनुसार यह बजट महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने वाला है और इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मिलेगी बिजली बिल से राहत, वैज्ञानिकों की देखरेख में अब किसान करेंगे खेती

- ***बैरसिया रोड स्थित चंदेरी गांव में आठ एकड़ खेत के किसान नरेश मीणा मप्र सरकार के बजट से खुश***

किसानों की आमदनी बढ़ाने और खर्च का बोझ कम करने के लिए सरकार ने किसानों के लिए बजट में खजाना खोल दिया है। किसानों को बिजली बिलों से राहत देने के लिए 19 हजार करोड़ की दो योजनाएं लांच की हैं, जबकि एक लाख किसानों को सोलर पंप भी दिए जाएंगे। ऐसा करने से किसानों पर खर्च का बोझ कम होगा। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए वानिकी योजना भी शुरु की जा रही है। जिससे किसान वैज्ञानिकों की निगरानी में पारंपरिक खेती के साथ अन्य उत्पादों की खेती भी कर सकेंगे। बुधवार को प्रदेश सरकार के बजट को लेकर किसानों की भी नजर रही। किसानों को उम्मीद है कि सरकार आने वाले दिनों में डीजल के दामों में भी कटौती करेगी, जिससे इसका सीधा फायदा किसानों को मिल सकेगा।

बुधवार को विधानसभा में जब वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बजट पेश कर रहे थे, तभी हरिभूमि की टीम बैरसिया रोड स्थित चंदेरी गांव में आठ एकड़ जमीन के किसान नरेश मीणा के खेत में पहुंची। खेती के काम में उनकी पत्नी तारा बाई भी हाथ बंटाती हैं। उन्होंने बताया कि वह लहसुन और प्याज की खेती भी करते हैं। सरकार ने बजट में किसानों को बिजली बिल से राहत देने और सोलर सिस्टम देने को उन्होंने अच्छी पहल बताया।

भावांतर योजना से भी मिली मदद

सरकार ने भावांतर योजना के तहत सोयाबीन के लिए 6 लाख से ज्यादा किसानों को करोड़ों रुपए का भुगतान किया गया, जिससे किसानों को भाव में अंतर की राशि सीधे बैंक खाते में मिली है। किसान मंडियों में जाकर अपनी फसल को बेच सकते हैं। अटल कृषि ज्योति योजना में किसानों के लिए 13 हजार 914 करोड़ रुपए की सब्सिडी रखी गई है। इसी तरह अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के 5 एचपी पंपों के लिए फ्री बिजली देने के लिए 5 हजार 276 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जाएगी।

किसान सम्मान निधि से लाभ

किसान ने बताया कि किसानी के काम में पारंपरिक फसलों के साथ सब्जियां भी लगाते हैं। शहर से लगी जमीन होने से फुटकर मे भी खासी आमदनी हो जाती है। खेत के कुछ हिस्से में प्याज, लहसुन, आलू, हरी मिर्च और धनिया बोया है। किसान का कहना है कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि और शून्य ब्याज पर कर्ज जैसी आर्थिक समर्थन की योजनाओं से भी किसानों को फायदा मिल रहा है।

सरकार पहले से आठवीं तक के बच्चों को नि: शुल्क टेट्रा पैक दूध उपलब्ध कराएगी

मप्र सरकार पहले से आठवीं तक के बच्चों को निः शुल्क टेट्रा पैक दूध उपलब्ध कराने जा रही है। उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पिछले वर्ष की बजट की तरह इस बजट में भी कोई नवीन कर अधिरोपित करने अथवा किसी भी कर की दर बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं किया है। बच्चों को निःशुल्क दूध मिलने से स्कूलों में एक तरफ संख्या बढ़ेगी तो दूसरी तरफ बच्चों का पोषण भी हो सकेगा। सरकारी स्कूलों में पहली से लेकर आठवीं तक के बच्चों को निः शुल्क दूध उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत सरकारी स्कूलों में कक्षा 8 तक के छात्रों को मुफ्त टेट्रा पैक दूध देने की योजना शुरू होगी, जिसके लिए 6,600 करोड़ का प्रावधान पांच वर्षों में है। इसके साथ ही साथ बजट में 15,000 शिक्षकों की भर्ती का ऐलान भी किया गया।

महिला एवं बाल विकास बजट में 26% की वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा का दायरा भी बढ़ा

मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राथमिकता देते हुए 26 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की है। महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि यह बढ़ोतरी केवल वित्तीय विस्तार नहीं, बल्कि प्रदेश की माताओं, बहनों और बच्चों के जीवन में ठोस परिवर्तन का संकल्प है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 के तहत 23,883 करोड़ का प्रावधान किया गया है। आंगनबाड़ी सेवाएं (सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0) के लिए 3,863 करोड़ तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1,801 करोड़ का प्रावधान कर बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सशक्त आधार दिया गया है। प्रदेश में कुपोषण उन्मूलन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के तहत विशेष पोषण आहार योजना के लिए 1,150 करोड़ तथा पोषण अभियान (एनएनएम) के लिए 250 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।

मप्र के बजट पर विशेषज्ञों का नजरिया

इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ किसान और महिलाओं पर विशेष फोकस

आस्था वैश्य
चार्टर्ड अकाउंटेंट

मोहन सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश बजट 2026-27 में किसानों, महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के कई प्रावधान किए गए हैं, जो स्वागत योग्य है। कुल 438 000 करोड रुपए का बजट पेश हुआ है। यह मोहन सरकार का पहला रोलिंग बजट है, जिससे यह सिर्फ एक साल का नहीं, बल्कि अगले 2 वर्षों की विकास की रूपरेखा भी तय होती है। मध्य प्रदेश देश का तीसरा सबसे युवा प्रदेश है। प्रदेश में उपलब्ध सभी रिसोर्स का भरपूर इस्तेमाल करने की कोशिश की गई है जैसे ऊर्जा क्षेत्र 3465 करोड़, एमएसएमई लगभग 6000 करोड़, धार्मिक टूरिज्म लगभग 3000 करोड़ रुपए। यह उम्मीद की जा सकती है कि सरकार मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में और नई एवं सरल योजनाएं लाए साथ ही इज ऑफ डूइंग बिजनेस को और जमीनी स्तर पर सरल किया जाना चाहिए।

प्रदेश की संस्कृति के अनुरूप है बजट, विकास का रखा ध्यान

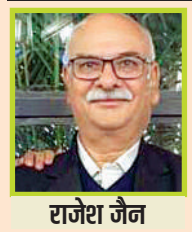

राजेश जैन
कर सलाहकार

सरकार के बजट में जहां महिलाओं युवाओं एवं किसानों का विशेष ध्यान रखा गया है, वहीं कोई नया कर नहीं लगा कर आम व्यापारियों एवं जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने अपने बजट में विकास का भी विशेष ध्यान रखा है। प्रदेश के धार्मिक वातावरण को और मजबूत करने के लिए राशि की व्यवस्था की है। उज्जैन में कुंभ को देखते हुए उसके लिए भी बड़ी राशि रखी है। हम कह सकते हैं कि यह एक बैलेंस बजट है एवं हमारे प्रदेश की संस्कृति के अनुरूप है। बजट का प्रदेश की जनता को आगे चलकर बड़ा लाभ प्राप्त होगा। पिछले वर्ष की बजट की तरह इस बजट में भी कोई नवीन कर अधिरोपित करने अथवा किसी भी कर की दर बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं किया है। इससे जनता को राहत मिलेगी। मध्य प्रदेश की संस्कृति के अनुरूप इस बार का बजट है। इसमें प्रदेश के विकास का भी ध्यान रखा गया है। यह जनकल्याणकारी और आर्थिक विकास वाला बजट है।

पत्नी रेणु ने कहा- इस बजट में मैंने सबका और हर क्षेत्र का ध्यान रखने का पति को दिया सुझाव

बजट पेश करने से पहले घर में वित्त मंत्री ने की पूजा, पत्नी रेणु ने तिलक लगाकर दही से कराया मुंह मीठा, फिर गए विधानसभा

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा घर में की पूजा-अर्चना

वित्त मंत्री देवड़ा को तिलक लगातीं पत्नी रेणु

वित्त मंत्री देवड़ा के हाथों में बजट बैग सौंपतीं पत्नी रेणु देवड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को विधानसभा में बजट पेश करने से पहले अपने घर में भगवान की पूजा अर्चना की। पूजा के बाद वित्त मंत्री सुबह 9:35 बजे पत्नी रेणु देवड़ा के साथ घर से बाहर आए। विधानसभा जाने से पहले पत्नी रेणु ने जगदीश देवड़ा को तिलक लगाकर, दही से मुंह मीठा कर आरती उतारकर रवाना किया। रेणु देवड़ा ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि मप्र का बजट उम्मीदों भरा होगा। मैंने सबका और हर क्षेत्र का ध्यान रखने को कहा है। महिलाओं के लिए बजट में निश्चित तौर पर कुछ खास होगा। मैंने भी उन्हें अपने सुझाव दिए हैं । इसके साथ ही वित्त मंत्री देवड़ा ने अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा में कहा कि इस बार रोलिंग बजट बनाया गया है, जो आने वाले तीन साल की सोच के साथ तैयार किया गया है।

विधानसभा रवाना होने से पूर्व वित्तमंत्री की पत्नी रेणु घर के मुख्य द्वार तक छोड़ने आईं।

नहीं लगेगा कोई नया टैक्स

वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि इस बजट से प्रदेश को लंबी अवधि में फायदा मिलेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता के हित का बजट होगा। बजट में कोई नया कर नहीं लगा है और जो कर हैं, ना ही उसमें कोई बढ़ोतरी कर रहे हैं।

- *इस बार रोलिंग बजट बनाया गया है जो आने वाले तीन साल की सोच के साथ तैयार किया गया है*
- *इस बजट से प्रदेश को लंबी अवधि में फायदा मिलेगा*
- *पहले से जो कर हैं उनमें भी कोई बढ़ोतरी नहीं*

बजट प्रस्तुत करने के बाद मीडिया को जानकारी देते मंत्री देवड़ा।

वरिष्ठ पत्रकारों की नजर में बजट

बजट में विरासत के साथ विकास की स्पष्ट झलक

डॉ. मोहन यादव सरकार का यह तीसरा बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं के

आधार पर विरासत सहेजते हुए साथ विकास की यात्रा है। इसकी झलक बजट के प्रावधानों में भी है और बजट के डिजीटल स्वरूप में भी। विधानसभा में वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत 4.38 लाख करोड़ से अधिक के बजट में लगभग ग्यारह प्रतिशत की बढ़ौत्तरी है। यह मप्र के इतिहास में पहला पूर्ण डिजिटल बजट है। बजट में 1,06,156 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत व्यय का प्रावधान है। राज्य सरकार अपने करों से 1,17,667 करोड़ रुपए जुटाएगी और केंद्रीय करों में सहभागिता के रूप में 1,12,137 करोड़ और केंद्रीय अनुदान से 54,505 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें न तो कोई नया कर लगाया गया और वर्तमान कर व्यवस्था के किसी प्रावधन में वृद्धि भी नहीं की गई है। किसी पुरानी योजना में कोई कटौती भी नहीं है। हालांकि लोक लुभावन योजनाओं से मप्र पर निरंतर कर्ज बढ़ रहा है। कर्ज के आंकड़े कुल बजट से अधिक हैं। इस दिशा में सरकार के साथ समाज को भी विचार करना चाहिए।

रमेश शर्म, वरिष्ठ पत्रकार

शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास पर केंद्रित रहा बजट

वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने अपना सातवां और मोहन सरकार का तीसरा बजट पेश किया है।

इस बार का बजट में मोदी का विजन बजट में साफ दिखाई दिया है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवा स्वावलंबन, किसान आत्मनिर्भरता और निवेश के लिए अधोसंरचना की शक्ति पर बजट का ध्यान केंद्रित किया गया है। मोहन सरकार के मानस पटल पर यह साफ दिखाई दिया कि प्रदेश पर कर्ज है। लाड़ली बहना को हर माह बड़ी राशि देना पड़ रही है। उसके लिए बजट में विशेष प्रावधान किया गया, लेकिन कोई नया कर नहीं लगाया गया है। हालांकि वेट के बाद राज्यों के पास करारोपण के कम से कम अवसर बचे हैं। जो बचे हैं वे पहले से ही ओवरलोड हैं। जहां तक रोजगार की बात है तब शिक्षक और पुलिस के लिए भर्ती प्रक्रिया की बात आई है। जैविक कृषि के साथ ही जीवन रक्षा, शिक्षा और मानव सूचकांक का बेहतर तालमेल किया गया है। जब बजट के पन्ने पलटे जाएंगे तब पता चलेगा कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन बनाया गया है। प्रदेश की उखड़ी सड़कों की चिंता सरकार को है।

सुरेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

मप्र का महिला-केंद्रित बजट कल्याण और विकास पर जोर

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपये का बजट

पेश किया। यह बजट 'महिला-केंद्रित' बताया गया है, जिसमें कोई नया कर नहीं लगाया गया और फोकस गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, नारी शक्ति, इंफ्रास्ट्रक्चर तथा इंडस्ट्री पर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह बजट गरीबों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और औद्योगिक विकास के लिए समर्पित है। विभिन्न महिला योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और उज्ज्वला योजना सहित कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। लाड़ली बहना योजना के लिए 23,883 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिससे 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को मासिक 1,500 रुपये की सहायता मिलती रहेगी। कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ 25 हजार करोड़ के किसान ऋण का लक्ष्य रखा गया। ग्रामीण विकास पर 40,000 करोड़ से अधिक का प्रावधान है, जिसमें जी-राम-जी योजना के लिए 10,428 करोड़ और पीएम जनमन के लिए 9,000 करोड़ शामिल हैं। जल जीवन मिशन को 4,454 करोड़ मिले।

शशिकांत त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

शिक्षक-छात्र अनुपात शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएगा

आज प्रस्तुत 2026-27 के रोलिंग बजट में शिक्षा क्षेत्र को मजबूत प्राथमिकता देते हुए 31,953

करोड़ रुपये का उदार आवंटन किया गया है। बजट में 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान सराहनीय है, जो सरकारी स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात को बेहतर बनाकर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएगा। कक्षा 8 तक के छात्रों को टेट्रा पैक में निःशुल्क दूध वितरण बच्चों के पोषण स्तर को मजबूत कर उपस्थिति बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। सांदीपनि विद्यालयों के लिए 3,892 करोड़, निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के लिए 210 करोड़, निःशुल्क किताबों के लिए 100 करोड़, पीएम श्री योजना के लिए 530 करोड़ तथा छात्रवृत्तियों के लिए 986 करोड़ जैसे ठोस प्रावधान ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों के बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करते हैं। 294 नए सांदीपनि स्कूलों की स्थापना और उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी जैसे प्रयास शिक्षा के बुनियादी ढांचे को विस्तार देंगे। यह बजट न केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान करता है, बल्कि प्रदेश को शिक्षित, और आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत संकल्प भी दर्शाता है।

प्रो.केजी सुरेश, वरिष्ठ पत्रकार

राजनेताओं की नजर में बजट

मप्र का सौभाग्य है कि मोहन यादव जैसे संवेदनशील सीएम मिले हैं, समग्र विकास की नींव को मजबूती देने वाला है बजट

मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि उसे डॉ. मोहन यादव जैसे संवेदनशील मुख्यमंत्री मिले हैं।

उनके नेतृत्व में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया। चाहे किसान हो, युवा हो, महिलाएं हों, सभी के विकास पर सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। मध्यप्रदेश के विजनरी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। सरकार ने स्कूल शिक्षा का बजट 11 फीसदी बढ़ा दिया है। यह बजट न केवल स्कूली विद्यार्थियों का भविष्य सुनहरा बनाएगा, प्रदेश और देश के विकास के लिए बच्चों को तैयार करेगा। स्कूली बच्चों को भविष्य में नई दिशा मिलेगी। सरकार उनकी हर समस्या का समाधान करने के लिए तत्पर है और उन्हें प्रदेश-देश के विकास के लिए तैयार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा बजट में जो प्रावधान किए हैं, उनसे स्कूलों के नए भवन, सांदीपनि विद्यालय, खेलखूद भवन, प्रयोगशालाओं सहित कई नए निर्माण किए जाएंगे। इन नवाचारों से विद्यार्थियों को स्कूल में पढ़ाई में तो मदद मिलेगी ही, साथ ही उनका व्यक्तित्व विकास भी होगा। मप्र सरकार ने प्राथमिक शालाओं के लिए 11 हजार 444 करोड़ रुपये का बजट दिया है। यह बजट छात्रों की नींव मजबूत करेगा। इसी तरह माध्यमिक शालाओं के लिए 7 हजार 129 करोड़ रुपये का बजट है।

राव उदयप्रताप सिंह, शिक्षा मंत्री मप्र

प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है बजट, योजनाओं में किए कई प्रावधान

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने आज विधानसभा में वर्ष 2026-27 का बजट तथा आगामी 02 वित्तीय वर्षों क्रमशः वर्ष 2027-28 एवं वर्ष 2028-29 के लिए रोलिंग बजट प्रस्तुत

किया गया। बजट प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। इस बजट में गरीब, युवाओं, अन्नदाता और नारी सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ऊर्जा विभाग के लिए इस वर्ष 2026-27 में 33 हजार 606 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। वर्ष 2026-27 के लिये अटल गृह ज्योति योजना के लिए 6033 करोड़ रुपए और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13914 करोड़ रुपए की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। आरडीएसएस योजना के लिए 1091 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ट्रांसमिशन एवं वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए 700 करोड़ रुपए एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 5 एचपी पंपों के लिए निःशुल्क बिजली देने के लिए 5276 करोड़ रुपए की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री, मप्र

क्या कहते हैं शिक्षाविद्

स्वास्थ्य, सड़क और शहरी विकास के साथ साथ नौकरी-सृजन प्रावधान भी रखा

मध्य प्रदेश 2026-27 का बजट रोजगार, उद्योग और शिक्षा-कौशल विकास पर संतुलित फोकस करता है। बजट में 48 नए

औद्योगिक पार्कों की घोषणा राज्य में विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करेगी, जिससे स्थानीय रोजगार सृजन और एमएसएमई वृद्धि को बल मिलेगा। पूंजीगत व्यय को 1 लाख करोड़ से अधिक रखने का निर्णय आधारभूत ढांचे तथा औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में वृद्धि पर जोर देते हुए बजट ने शिक्षा क्षेत्र के लिए वृद्धि की घोषणा की है, जिससे स्कूलों, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण संसाधनों का विस्तार संभव होगा। स्वास्थ्य, सड़क और शहरी विकास के साथ-साथ नौकरी-सृजन प्रावधान भी रखा गया है, जिससे युवा रोजगार अवसरों में वृद्धि होगी। मेरा मानना है कि यह बजट उद्योग, नवाचार एवं कुशल कार्यबल के विकास के लिए प्रोत्साहन देता है और राज्य को एक मजबूत आर्थिक तथा औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी

क्या कहते हैं पूर्व डीजीपी

कृषि के साथ ही वन संपदा पर भी और अधिक ध्यान देने की जरूरत

प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने यह कह कर एक चिंता दूर

की है कि जो कर्ज ले रहे हैं वह आरबीआई लिमिट के अंदर है लेकिन इसी तरह कर्ज लेते रहे तो यह लिमिट पार हो सकती है। गेहूं का उत्पादन 14 प्रतिशत बढ़ना भी अच्छी बात है। प्रदेश में औद्योगीकरण की बात की जा रही है लेकिन इसमें ज्यादा सफलता नहीं दिखती। अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि और वन संपदा आधारित है, इसलिए इस ओर और ध्यान देने की जरूरत है। प्रदेश में टैक्स रेवेन्यू बढ़ा है लेकिन कर्ज पर सतर्क रहने की जरूरत है।

एनके त्रिपाठी, सेवानिवृत्त डीजीपी

महिलाओं को क्या मिला

अधिक प्राथमिकता मिलनी चाहिए

मप्र बजट 2026-27 में शिक्षा, कौशल और खेल के

माध्यम से युवाओं के दीर्घकालिक विकास की दिशा में कुछ सकारात्मक प्रावधान दिखाई देते हैं। किंतु युवाओं की तात्कालिक जरूरतें, बेरोजगार युवाओं के लिए सुरक्षा-तंत्र तथा ग्रामीण-अर्धशहरी क्षेत्रों में स्थानीय रोजगार सृजन पर स्पष्टता अभी भी सीमित है। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति, डिजिटल जोखिम और सामाजिक-भावनात्मक समर्थन जैसे उभरते युवा मुद्दों को भी नीति-स्तर पर व बजट में अधिक प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी।

रोली शिवहरे, संस्थापक यंगशाला

नारी शक्ति समाज की शक्ति

महिला सशक्तिकरण के लिए यह बजट 2026-27

बहुत लाभकारी है। इससे हमारे देश और प्रदेश का विकास होगा यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि समावेशी विकास का स्पष्ट रोडमैप है। किसान, युवा, महिला और व्यापारी सहित हर वर्ग के कल्याण के साथ यह प्रदेश को नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने वाला विश्वास और विकास का प्रतीक है।

माही भजनी, अनुनय एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता

शिक्षा, स्वास्थ्य पर ज्यादा जोर

मध्य प्रदेश सरकार ने 2026-27 के लिए अपना बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक कल्याण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 23,747 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसमें पोषण 2.0 जैसी पहल बच्चों के लिए स्वास्थ्य और पोषण को मजबूत कर रही है। लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 के लिए 1,801 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिससे 52 लाख लड़कियों को लाभ हो रहा है, जबकि यह योजना 1.25 करोड़ महिलाओं को 1,500 की बढ़ी हुई मासिक सहायता के साथ कवर करती है, जिसके लिए 23,822 करोड़ आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, 19,000 महिलाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों में नामांकित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें सशक्त बनाया जा सके। सभी प्रावधानों का उद्देश्य सबका साथ सबका विकास है।

रेनू यादव, प्रिंसिपल प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी

आंकड़ों का नहीं, अवसरों का बजट

महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्ग के लिए यदि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है और मोहन सरकार ने वाकई में इन्हीं सबको ध्यान में रखकर अपना बजट प्रस्तुत किया। साथ ही इस बजट के माध्यम से सरकार व सामाजिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय से हम जमीनी स्तर पर और मजबूत काम कर पाएंगे। यह बजट सिर्फ आंकड़ों का नहीं, अवसरों का बजट है। महिला उद्यमियों के लिए स्किल, फंडिंग और मार्केट सपोर्ट की बातें सुनकर भरोसा बढ़ा है। अब जरूरत है कि ये योजनाएं जमीन तक पहुंचें, ताकि हर छोटे शहर की महिला आत्मनिर्भर बन सके।

नीता पासपोल, हेड, साईं सरिता ग्रुप

बजट कवियों की कलम से...

2026 बजट ले आई मोहन की सरकार...

किसानों को लेकर उपहार
संग में बहिनों को भी प्यार
2026 बजट ले आई मोहन
की सरकार
फसल बीमा में मिलेगा लाभ।
जगेगा कृषक का अब
भाग।
बढ़ेगी प्रोत्साहन की राशि।
नहीं होंगी अब फसलें
प्यासी।
नहीं होगा अब कोई शोषित,
किसान कल्याण वर्ष यह घोषित।
खुशियां लेकर कई हजार।
2026 बजट ले आई मोहन की सरकार.....
लाड़ली बहिनों का पूरा ध्यान।
स्व-सहायता समूहों का सम्मान।

योजना संग महिला कल्याण।
5700 छात्रावासों का निर्माण।
सिंहस्थ कुंभ गढ़ेगा कीर्तमान।
3600 करोड़ विशेष प्रावधान।
पंचायत विकास का खोले द्वार,
2026 बजट ले आई मोहन की सरकार....
बेरोजगारी की करने मुक्ति।
15 हजार शिक्षकों की होगी नियुक्ति।
युवाओं को है, बहुत उम्मीद।
उड़ी है रातों की भी नींद।
उद्योगों को भी मिले बढ़ावा।
बंद हो भ्रष्टाचार चढ़ावा।
इतनी 'छोटे मामा' से दरकार।
2026 बजट ले आई मोहन की सरकार।

नीतेश व्यास, कवि, साहित्यकार

यह बजट नहीं, आस्था का दस्तावेज है...

पहले से लेकर
आख़िरी इंसान
तक,
धरती के हल से
लेकर
डिजिटल सपनों
की उड़ान तक
बजट ने रंगे हैं
सपने,
ये बजट रंगरेज है,
यह सिर्फ़ कागज़ नहीं,
आस्था का दस्तावेज है।

करदाता ने जो-जो परोसा,
लौटा है,
किसान की आंखों में
फ़सल का भरोसा
लौटा है।
बजट नारी के श्रम
का सगा है,
लाड़ली बहना से
घर-घर में
आत्मविश्वास जगा
है।
बजट वक़्त के प्रवाह को
मोड़ेगा,
मध्यप्रदेश को निश्चित कल
से जोड़ेगा ।

डॉ . संदीप शर्मा , धार

मप्र को नई दिशा देगा बजट

'दीर्घकालिक' आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन को ध्यान में रखकर बनाया गया

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा पर बुधवार पर पेश बजट को फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सहित अन्य व्यापारिक और उद्योग संगठनों ने स्वागत करते हुए इसे प्रदेश की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया संतुलित एवं दूरदर्शी बजट बताया है।

संगठनों के प्रतिनिधियों के अनुसार बजट में "ज्ञानी" आधारित विकास मॉडल के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी शक्ति के साथ-साथ अधोसंरचना और उद्योग को विकास की केंद्रीय धुरी बनाया गया है, जिससे उत्पादन क्षमता और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। भोपाल ग्रेन मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी और प्रवक्ता संजीव जैन ने कहाकि वित्त मंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ किसानों को उपज के उचित दाम देने का प्रस्ताव प्रस्तावित किया है। बजट 2026 किसानों को समर्पित है। बजट किसानों को एक लाख सोलर पंप उपलब्ध करने का दावा किया है। मंडीदीप इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि स्कूलों को स्मार्ट सुविधाओं से सुसज्जित करने की बात कही है जिससे स्कूलों में ढांचा सुधरेगा। इसके अलावा इंडस्ट्रियल एरिया के नजदीक हॉस्टल का निर्माण करवाने का प्रस्ताव प्रस्तावित बजट में किया गया है। किसानों को 337 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कारोबारी प्रेमनाराण यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश बढ़ाने पर बल दिया और बताया कि दो साल में 33 लाख रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 19300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल एरिया और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। उद्यम क्रांति योजना में 16,451 युवाओं को लोन दिए गए हैं। साथ ही जल जीवन मिशन के लिए बजट में 4454 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जो कि सराहनीय कदम है और बजट समतुल्य है। भोपाल थोक व्यापारी संघ के अध्यक्ष ईश्वर दास संगतानी ने कहा कि मोहन सरकार द्वारा बजट में ना ही कोई नया कर लगाया गया है और ना ही घटाया गया है। यह व्यापारियों और आमजनता के लिए राहत भरा कदम हैं।

फेडरेशन सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बजट पर बोले

मप्र की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में बजट

समृद्ध, संपन्न, सुखी एवं सांस्कृतिक रूप से सशक्त मध्यप्रदेश" की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में बजट 2026-27 एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी पहल है। प्रधानमंत्री के ज्ञान मंत्र से प्रेरित होकर प्रदेश सरकार ने इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं इंडस्ट्री को जोड़ते हुए 'ज्ञानी' की अभिनव अवधारणा प्रस्तुत की है।

सुनील पंजाबी, अध्यक्ष, भोपाल किराना व्यापारी महासंघ

समृद्ध मध्यप्रदेश के लिए बनाया गया बजट

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश किया गया बजट समृद्ध मध्यप्रदेश के लिए बनाया गया बजट है किंतु इस बजट में व्यापारियों के एवं व्यापरियों के मार्केट, बाजार आदि क्षेत्रों के डबलपमेंट की बात नहीं कही गई है। सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के बाजारों को, मार्केटों को सुव्यवस्थित करने, बाजारों में मूलभूत सुविधा जुटाने, अतिक्रमण मुक्त बाजार बनाने एवं टेक्नोलोजीयुक्त बाजार बनाने की दिशा में किसी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया है।

सुनील जैन 501, अध्यक्ष, मप्र एफएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन

उद्योगों को प्रोत्साहन देने की बजट में कोई योजना नहीं

मध्यप्रदेश का बजट व्यापार जगत और व्यापारियों के लिए बहुत निराशाजनक रहा। 2026 कृषि वर्ष मनाने के बावजूद उससे संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहन देने की इस बजट में कोई योजना नहीं है। आज मध्य प्रदेश का दाल उद्योग पूरी तरह तबाह हो गया है। टैक्स की मार से परेशान व्यापारी प्रतिस्पर्धा में अन्य प्रदेशों के बाजार से बाहर हो गया। सरकार को डीजल-पेट्रोल पर वेट घटाना चाहिए था, जिससे मध्यम वर्ग को राहत मिलती।

समीर भार्गव, अध्यक्ष, अनाज तिलहन व्यापार संघ, सिरोंज

वित्त प्रबंधन सरकार की अहम चुनौती

सरकार अधोसंरचना विकास और निवेश कार्यक्रम को गति देकर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के प्रयास में जुटी है, ताकि अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती रहे। जिससे आर्थिक सशक्तिकरण के साथ आर्थिक गतिविधियां बढ़े और रोजगार के नए अवसर सृजित हो सके। जब जनता के हाथ में पैसा होगा तो उसका खर्च किया जाएगा। इस खर्च करने से सरकार को टैक्स के रूप में अप्रत्यक्ष आमदनी होती है।

सुनील अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष, कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स

डीजल-पेट्रोल पर वैट दर की कमी की उम्मीद नहीं हुई पूरी

मध्यप्रदेश के व्यापार और व्यापारियों के उत्थान के लिए शिवराज सरकार में मध्य प्रदेश व्यापार संवर्धन परिषद का जो गठन हुआ था मोहन सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। लेकिन मोहन यादव सरकार ने उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। अतः वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट से व्यापारियों और व्यापार जगत में निराशा है। उम्मीद थी कि डीजल-पेट्रोल पर वैट दर की कमी होगी। लेकिन आमजनता की यह उम्मीद पूरी नहीं हुई।

रमाकांत तिवारी, पूर्व प्रदेश महामंत्री कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)

बजट देता है कृषि, महिला कल्याण और सामाजिक क्षेत्र में सकारात्मक संकेत

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 में अनेक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। राज्यहित, जनकल्याण एवं आर्थिक सुदृढ़ता को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न मदों में बजट प्रस्तावित किया गया है, लेकिन व्यापार और व्यापारियों के हित में और बाजार उत्थान पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

संजीव गर्ग गांधी, अध्यक्ष होलसेल सराफा एसोसिएशन भोपाल

आत्मनिर्भर मप्र के लिए एक निश्चित राशि का आवंटन जरूरी था

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए एक निश्चित राशि इस बजट में आवंटन किया जाना आवश्यक था। प्रक्रियाओं के सरलीकरण, वेयरहाउस, ऋण सुविधा एवं लॉजिस्टिक ढांचे को मजबूत करने जैसी घोषणाएं स्वागत योग्य हैं, जिससे व्यापार को गति मिलने की उम्मीद है।

ईश्वरदास संगतानी, अध्यक्ष, थोक चावल-दाल व्यापारी संघ

दोहरे कर समाप्त करने पर व्यापारियों का विचार अपेक्षित

वित्तमंत्री ने बजट में वित्तीय अनुशासन एवं राजकोषीय सुधार का परिचय दिया है। इसके अलावा कोई नया टैक्स नहीं लगाया जाना सकारात्मक संकेत है। दोहरे कर समाप्त करने पर विचार अपेक्षित। राज्य के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए दीर्घकालिक आर्थिक नीति निर्धारण आवश्यक।

नवनीत अग्रवाल, संगठन महामंत्री एवं प्रवक्ता, सर्राफा महासंघ भोपाल

व्यापारियों की सभी उम्मीदें अधूरी रह गईं

बजट में कई सकारात्मक घोषणाएं हुई हैं, फिर भी व्यापारिक वर्ग की कुछ प्रमुख अपेक्षाएं अधूरी रह गईं। जिसमें एमएसएमई और लघु व्यापारियों के लिए कर राहत व सरल लाइसेंस प्रक्रिया पर स्पष्ट प्रावधान अपेक्षित था, स्थानीय व्यापार संरक्षण और ई-कॉमर्स नीति पर ठोस निर्णय की आवश्यकता है। व्यापारियों की सभी उम्मीदें अधूरी रह गईं।

धर्मेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष भोपाल, कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स

खबर संक्षेप

नर्मदा के राजस्व में 52.86 फीसदी की वृद्धि

गुजरात। नर्मदा एग्रोबेस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही और पहले 9 महीनों के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। तीसरी तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 2,164.31 लाख रुपए, एबिटडा 167.49 लाख और शुद्ध लाभ 101.34 लाख रुपए रहा। जबकि 9 महीने का कुल राजस्व 4,533.82 लाख, एबिटडा 494.98 लाख और शुद्ध लाभ 305.91 लाख रुपए दर्ज हुआ। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, नीरज अग्रवाल ने कहाकि यह वृद्धि हमारे व्यवसाय मॉडल की मजबूती और संचालन की क्षमता को दर्शाता है।

लेहर फुटवियर्स के लाभ में 187.9 फीसदी वृद्धि

जयपुर। लेहर फुटवियर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही और पहले 9 महीनों के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने 9 महीनों में कुल राजस्व 339.8 करोड़ रुपए अर्जित किया। जबकि एबिटडा31.0 करोड़ रुपए और शुद्ध लाभ 16.7 करोड़ रुपए प्राप्त किया। जबकि तीसरी तीमाही में कंपनी का कुल राजस्व 57.1 करोड़ रुपए, एबिटडा 5.7 करोड़ और शुद्ध लाभ 2.1 करोड़ रुपए रहा। इस प्रकार तीसरी तिमाही में कंपनी के राजस्व में 13 फीसदी की वार्षिक गिरावट दर्ज हुई, जिसका मुख्य कारण तिमाही के दौरान टूलकिट सेगमेंट में कम निष्पादन रहा।

अमेजन ने शॉपिंग को बनाया यादगार

बेंगलोर। अमेजन इंडिया ने बताया है कि इस वेलेंटाइन डे से पहले ग्राहकों ने क्यूरेटेड सेलेक्शन, एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स और अल्ट्रा-फास्ट डिलिवरी का उपयोग करके प्रीमियम और पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स खरीदे। अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष, सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि इस वेलेंटाइन डे पर, हमने चॉकलेट्स, ताजे फूल, फ्रैगेंस, ज्वेलरी, ब्यूटी, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और गिफ्ट कार्ड्स जैसी श्रेणियों में प्रीमियम और क्यूरेटेड गिफ्टिंग विकल्पों में शानदार वृद्धि देखी। इसके अलावा, ट्रेंड्स से पता चलता है कि जेन जेड और मिलेनियल्स ग्राहक विशेष अवसरों को मनाने को लेकर खासे उत्साहित हैं।

ग्लोबल साउथ में एआई के क्षेत्र में महिला उद्यमशीलता की ओर दृष्टिकोण बदलने का आह्वान किया

ब्रिक्स सीसीआई डब्ल्यूई ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में एआई को लोकतांत्रिक बनाने का समर्थन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई डब्ल्यूई द्वारा आयोजित एक वैश्विक पैनल में यह महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकला कि नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता के माध्यम से लैंगिक समानता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक है। क्रियान्वयन करने वालों से नवप्रवर्तकों तक एआई में महिला उद्यमशीलता की दिशा में

दृष्टिकोण बदलने का आह्वान विषय पर चर्चा के दौरान उपक्रम लगाने और पारिस्थितिकी नेतृत्व में महिलाओं को केंद्र में रखा गया। इस सत्र में वैश्विक नेता, उद्यमी, निवेशक और पारितंत्र निर्माताओं ने इस बात पर चर्चा की कि कैसे एआई को समावेशी प्रतिभाग और महिलाओं के नेतृत्व में नवप्रवर्तन के जरिए लोकतांत्रिक बनाया जा सकता है। ब्रिक्स सीसीआई के वाइस चेयरमैन समीप शास्त्री ने एआई में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और समावेशी नवप्रवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक एआई पारितंत्र में एक मजबूत आवाज के तौर पर उभर रहा है। एआई को महज शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि समावेशी भी होना आवश्यक है। जैसा कि भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करने जा रहा है, हमारा लक्ष्य टेक्नोलॉजी, डिजिटल नवप्रवर्तन, उद्यमशीलता और जिम्मेदार एआई विकास में सहयोग मजबूत करना है।

अंबुजा सीमेंट ने आधुनिक पद्धतियों के माध्यम से साइट सपोर्ट को किया मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर भवन निर्माण सामग्री समाधान प्रदान करने वाली 9वीं सबसे बड़ी कंपनी और विविधीकृत अडाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स मध्य प्रदेश में स्थानीय निर्माण पेशेवरों को ऑन-साइट सेवाओं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान कर निर्माण गुणवत्ता को लगातार बेहतर बना रही है। बैतूल जिले के चिचोली क्षेत्र में महेश यादव एक छोटे स्तर के मिस्त्री से आगे बढ़कर आज 14 सक्रिय निर्माण साइटों का संचालन करने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदार बन चुके हैं। यह सफलता उनकी मेहनत और आधुनिक निर्माण पद्धतियों से मिले अनुभव का परिणाम है। महेश यादव के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात अंबुजा सीमेंट्स के एक इंजीनियर से हुई, जिन्होंने उन्हें बांध निर्माण तकनीकों के बारे में बताया और प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ईडीआईआई ने 'एंटरप्रेन्योरशिप फॉर टेक स्टार्टअप्स' में पीजीडीएम की घोषणा की

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने बेंगलुरु में "एंटरप्रेन्योरशिप फॉर टेक स्टार्टअप्स" में पीजीडीएम की घोषणा की। यह ए आई सी टी ई अनुमोदित प्रबंधन कार्यक्रम तकनीकी पेशेवरों को उद्यमिता संबंधी शिक्षा, मेंटरशिप और वेंचर-बिल्डिंग सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि वे अपने उच्च संभावनाशील विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल सकें। नया टेक स्टार्टअप्स विशेषज्ञता पाठ्यक्रम एडटेक, हेल्थटेक, फिनटेक, एआई आधारित व्यवसायों और तेजी से विस्तार करने वाले डिजिटल उद्यमों जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है, जिसमें नए अवसरों की पहचान, योजना की सफलता की जांच, बिजनेस मॉडल तैयार करना, प्रोडक्ट विकसित करना, निवेश की तैयारी और बाजार में प्रभावी लॉन्च रणनीति पर विशेष ध्यान दिया गया है।

■ उच्च संभावित विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलें

डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा कि बेंगलुरु देश की तकनीकी गतिविधियों का केंद्र है और कर्नाटक स्टार्टअप उछाल के केंद्र में है। ऐसे में टेक स्टार्टअप्स विशेषज्ञता की शुरुआत के लिए यह उपयुक्त स्थान है। आज के युवा उद्देश्यपूर्ण तरीके से उद्यमिता को करियर के रूप में चुन रहे हैं। ईडीआईआई उद्यमिता विकास का एक स्पष्ट मार्ग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो आने वाले दशक में राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे और 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सहायक बने।

बिजनेस न्यूज

एलएन आयुर्वेद कॉलेज द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी स्थित एलएन आयुर्वेद कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। संस्थान के दो प्रमुख शोध प्रोजेक्ट्स का चयन भारत सरकार के केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित प्रतिष्ठित स्पार्क 4.0 (2025-26) कार्यक्रम के लिए किया गया है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद शोध के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को रेखांकित करती है। संस्थान की छात्रा विदुषी जैन (तृतीय वर्ष) और छात्र वत्सल टांक (द्वितीय वर्ष) ने अपने नवाचार और अथक प्रयास से इस गौरवपूर्ण मुकाम को हासिल किया है। इन शोध कार्यों को डॉ. निर्मला सावरकर (प्रोफेसर, शल्य तंत्र विभाग) और डॉ. शांति मन्याला के कुशल एवं तकनीकी मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है। विद्यार्थियों की इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सही दिशा और निरंतर शोध से आयुर्वेद के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सपन जैन, डायरेक्टर डॉ. विशाल शिवहरे और वाइस प्रिंसिपल डॉ. वर्षा वंजारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं एवं उनके मेंटर्स को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान के प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा कि महाविद्यालय सदैव अपने विद्यार्थियों को शोध और अन्वेषण के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए तत्पर रहता है।

आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रों का जेईई मैन में शानदार प्रदर्शन

भोपाल। आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रों का जेईई मैन में शानदार प्रदर्शन कर परचम लहराया एवं संस्था को गौरवान्वित किया। हर साल की तरह इस वर्ष भी आईईएस पब्लिक स्कूल के छात्रों का जेईई मे अविश्वसनीय प्रदर्शन रहा, जिसमे स्कूल के अंश गोयल - 99.84 फीसदी प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया वही, मीत तेजवानी 99.58 फीसदी, भविष्य आचार्य 99.57 फीसदी, क्रतार्थ श्रीवास्तव 99.47 फीसदी, आदर्श यादव 99.14 फीसदी, आदित्य सराठे 98.68 फीसदी, पार्थ झा 98.61 फीसदी, रिधिमा कौर 98.3 फीसदी, प्रियाल कपूर 98 फीसदी, अविरल जैन 97.88 फीसदी, अंश श्रीवास्तव - 96.9 फीसदी, अनिरुद्ध यादव 96.58 फीसदी, अभिषेक सिंह 96.53 फीसदी। अर्पिता परिहार 96.18 फीसदी पर्सेंटाइल के साथ शानदार प्रदर्शन किया साथ ही कई छात्रों ने 95-90फीसदी भी प्राप्त किए। इस विशेष उपलब्धि पर प्रोफेसर मनीषा कव्थेकर, ग्रुप डायरेक्टर आईईएस पब्लिक स्कूलने सभी छात्रों को हार्दिक बधाई दी। और उन्हें आगामी जेईई एडवांस के लिए शुभकामनाएं दी साथ ही बताया के स्कूल द्वारा छात्रों को बोर्ड परीक्षा के साथ कम्पेटिटिव एक्सम के लिए भी स्पेशल क्लास का आयोजन किया जाता है।

मानसरोवर के चार विद्यार्थियों का 'स्पार्क 4.0' राष्ट्रीय अनुसंधान फेलोशिप के लिए चयन

भोपाल। मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत आने वाले दो प्रतिष्ठित आयुर्वेद कॉलेजों के चार छात्रों ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्पार्क 4.0 अनुसंधान परियोजना में जगह बनाई है। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर और श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन से दो-दो विद्यार्थियों का चयन किया गया है। ये विद्यार्थी आयुर्वेद ऐप तैयार करने और नेटवर्क फार्मोकोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य करेंगे। इस के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को 50,000 रुपए की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।चयनित होनहार छात्रों में श्री साई इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन के मयूरेश भुयार (मार्गदर्शकः डॉ. प्रीति तिवारी) और प्रतीक खंडाग्रे (मार्गदर्शकः डॉ. ध्रुव तिवारी) ने अपने शोध प्रस्तावों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।वहीं मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर से चयनित ऋचा सक्सेना (मार्गदर्शकः डॉ. अनुषा पी.) और संगम जाजू (मार्गदर्शकः डॉ. अनिल कुमार शुक्ला) के शोध प्रस्ताव राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए।स्पार्क कोर्डिनेटर डॉ. श्रुति सिंह और डॉ. हरेंद्र मोदी ने बताया कि स्पार्क का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। चयनित छात्र आगामी दो महीनों तक अपने-अपने मार्गदर्शकों की देखरेख में आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं पर साक्ष्य-आधारित शोध करेंगे।

गोदरेज ग्रुप ने किया स्केल्ड-अप और ग्रीन-रेडी समाधान पेश

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप भारत के तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है। पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, बसडक्ट सॉल्यूशंस और ग्रीन कंसल्टेंसी सर्विसेज के क्षेत्र में एकीकृत समाधान पेश करते हुए समूह इस ऊर्जा-गहन सेक्टर की जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन विशेष समाधानों के साथ, समूह का एनर्जी सॉल्यूशंस व्यवसाय अगले तीन वर्षों में कुल राजस्व का 10 से 15 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर से हासिल करने का लक्ष्य रख रहा है। यह लक्ष्य भारत सरकार की उस नीति दिशा के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने पर जोर दिया गया है, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में भी रेखांकित किया गया। गोदरेज एनर्जी सॉल्यूशंस के बिजनेस हेड राघवेंद्र मिर्जी ने कहाकि भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र तेज विकास के चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसे मजबूत नीतिगत समर्थन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग का सहारा मिला है। हालांकि, ये सुविधाएं आज बनाए जा रहे सबसे अधिक ऊर्जा खपत करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में शामिल हैं। इससे हमारे पावर इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय के लिए अत्याधुनिक और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजनाएं विकसित करने का बड़ा अवसर पैदा होता है। गोदरेज ने ग्रीनफील्ड और कोलोकेशन डेटा सेंटर परियोजनाओं में अपनी विशेषज्ञता दिखाई है।

एक्सिस बैंक और इंडिगो की साझेदारी में को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लांच

मुंबई। एक्सिस बैंक और भारत की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो ने भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए 'को-ब्रांडेड' क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए साझेदारी की है। ये कार्ड दो वेरिएंट्स - 'इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड' और 'इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड' में उपलब्ध हैं। दोनों कार्ड को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्राहक इंडिगो के लॉयल्टी प्रोग्राम 'इंडिगोब्लूचिप' के माध्यम से अपने खर्च पर रिवॉर्ड कमा सकें। इस साझेदारी का उद्देश्य रोजमर्रा की खरीदारी और यात्रा संबंधी खर्चों पर आसानी और बिना किसी परेशानी के रिवॉर्ड कमाने की सुविधा देना है। ग्राहकों को वेलकम और रिन्यूअल बेनिफिट्स, माइलस्टोन रिवॉर्ड्स और कई लाइफस्टाइल सुविधाएं मिलेंगी। इनमें लाउंज एक्सेस, एंटरटेनमेंट ऑफर, डाइनिंग डिस्काउंट और चुने गए कार्ड वैरिएंट के अनुसार कम फॉरेक्स मार्कअप शामिल हैं। 'इंडिगो एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड' की कीमत 799 रुपए प्लस जीएसटी है और यह रिटेल ग्राहकों के लिए है। 'इंडिगो एक्सिस बैंक प्रीमियम क्रेडिट कार्ड' की कीमत 5,000 रुपए प्लस जीएसटी है ।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 8989014648

ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **13/03/2026** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु "जैसा है जहां है, जो है जैसा है" एवं "जो कुछ भी है" के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणी- **मेसर्स कृष्णा एंटरप्राइजेज प्रोपराइटर- कनक रमानी** प्रथम तल एसएस प्लाजा पावर हाउस रोड कोरबा छत्तीसगढ़-495677 जमानतदार (1) श्री सुनील रमानी पुत्र सी एल रमानी (2) श्री संजय रमानी पुत्र चंदर लाल रमानी **मेसर्स कृष्णा शू मॉल द्वारा प्रोपराइटर- श्री सुनील रमानी पुत्र सी एल रमानी** वार्ड क्रमांक 01, दलिया गोदाम के पास रामसागरपारा कोरबा, छ.ग.-495678 **जमानतदार- श्री संजय रमानी पुत्र चंदर लाल रमानी**	दुकान संख्या जीएफ-13 (भूतल), सिटी सेंटर - कोरबा, साकेत नगर पावर हाउस रोड, वार्ड नंबर 2, कोरबा सिटी, पीसी नंबर 09, आर.आई.सी. कोरबा, तहसील और जिला - कोरबा, (छत्तीसगढ़) बिल्टअप क्षेत्रफलः 733.31 वर्गफीट (सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल- 953.30 वर्गफिट) संपत्ति मालिक- श्री सुनील रमानी पुत्र सी एल रमानी चर्तुसीमाएंः उत्तरः दुकान नंबर जीएफ-14, 16 एवं 17, दक्षिणः दुकान नंबर जीएफ-12, पूर्वः गलियारा, पश्चिमः खुला क्षेत्र **सांकेतिक कब्जा** दुकान संख्या जीएफ-14 (भूतल), सिटी सेंटर - कोरबा, साकेत नगर पावर हाउस रोड, वार्ड नंबर 2, कोरबा, पीसी नंबर 09, आर.एन.एम, कोरबा सिटी, तहसील और जिला - कोरबा, (छत्तीसगढ़) बिल्टअप क्षेत्रफलः 445.08 वर्गफीट (सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल- 578.60 वर्गफिट) संपत्ति मालिक- श्री सुनील रमानी पुत्र चंदर लाल रमानी और श्री संजय रमानी पुत्र चंदर लालरमानी चर्तुसीमाएँः उत्तरः दुकान संख्या जीएफ-15, दक्षिणः दुकान संख्या जीएफ-13, पूर्वः गलियारा, पश्चिमः दुकान संख्या जीएफ-16 और 17 **सांकेतिक कब्जा**	28.10.2024 / 04.01.2025 / दि. 18/02/2026 को ₹ 93,53,334.89 +ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 1,27,00,000/- / ₹ 12,70,000/- / ₹ 10000/-

धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 12/03/2026, या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 13/03/2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आरक्षित मूल्य की 10% अग्रिम राशि (ईएमडी) सीधे मेसर्स पीएसबी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.com) पोर्टल के ई-वॉलेट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
(2) सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) उसके पक्ष में बिक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार बिक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
(3) सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
(4) यहां संपत्ति का विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।

विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबपोर्टल http://BAANKNET.com देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल 8989014648, 8057766078, 9691096410, 9123403299 (भोपाल), 7905027805 (जबलपुर एवं बिलासपुर), 7683068902 (रायपुर), 9140476074 (ग्वालियर), 9830130770 (इंदौर), 8073562754 (BHOPAL)

दिनांक : 18.02.2026, स्थान : भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

चिंतन

छद्म दिखावे में फंसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी इन दिनों ऐसे विवाद के केंद्र में है, जिसने केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की उभरती तकनीकी छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुए एआई एक्सपो में प्रदर्शित रोबोटिक डॉग और सॉकर ड्रोन को लेकर उठे सवालों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या हम नवाचार के नाम पर 'छद्म दिखावे' की राह पर तो नहीं बढ़ रहे? मामला तब गरमा गया, जब एक वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह ने रोबोटिक डॉग 'ओरियन' को विश्वविद्यालय के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में विकसित बताया। साथ ही यह भी दावा किया कि एआई क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, लेकिन टेक विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह रोबोट असल में चीनी कंपनी का है, जो बाजार में 2 से 3 लाख रुपये में उपलब्ध है। विवाद यहीं नहीं थमा। सॉकर ड्रोन को भी विश्वविद्यालय द्वारा 'इन-हाउस' विकसित बताने का दावा किया गया, जबकि जानकारों का कहना है कि वह दक्षिण कोरिया की किसी कंपनी का उत्पाद है। भारत आज एआई, रोबोटिक्स और डीप टेक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की किरकिरी हुई है। चीनी मीडिया ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया है। हालांकि सरकार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए एक्सपो वेन्यू खाली कराने के आदेश देकर त्वरित कार्रवाई की। यह कदम इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की साख को लेकर संवेदनशीलता बरती जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त है? या हमें उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक सख्त संस्कृति विकसित करनी होगी? यदि किसी विदेशी उत्पाद को 'अपना विकसित' बताकर प्रस्तुत किया गया है तो यह केवल नैतिक चूक नहीं, बल्कि अकादमिक ईमानदारी पर भी सवाल है। नवाचार की दुनिया में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है। एक बार भरोसा टूटे तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता। सबसे बड़ी चिंता उन छात्रों की है जो इस संस्थान में पढ़ रहे हैं। वे इस विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन असर उनके भविष्य पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और रिसर्च संस्थान जब किसी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करते हैं, तो उसकी विश्वसनीयता को भी परखते हैं। यदि किसी संस्थान की छवि संदिग्ध बनती है, तो प्लेसमेंट और सहयोग के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यदि गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना ही संस्थान की विश्वसनीयता बहाल करने का पहला रास्ता होगा। दूसरा, विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे 'डेवलपमेंट', 'इंटीग्रेशन' और 'डेमो' जैसे शब्दों का उपयोग किस संदर्भ में कर रहे हैं। किसी उत्पाद का कस्टमाइजेशन या रिसर्च-आधारित उपयोग और उसे पूरी तरह विकसित करने में जमीन-आसमान का अंतर है। नियामक संस्थाओं को भी तकनीकी प्रदर्शनों और दावों की सत्यता की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। इससे भविष्य में ऐसे विवादों की संभावना कम होगी। गलगोटिया विवाद केवल एक विश्वविद्यालय की कहानी नहीं है। यह उस दबाव की भी कहानी है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करने की जल्दबाजी में कभी-कभी सीमाएं लांघ जाते हैं। छद्म दिखावे से क्षणिक सुर्खियां मिल सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदार नवाचार से ही मिलता है।

भारत-बांग्लादेश

राज कुमार सिंह

सत्ता परिवर्तन से सुधरेंगे संबंध?

अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं।

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बांग्लादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को भारत यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई।

बेशक जेन जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आकर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बांग्लादेश संबंध सुधरेंगे ? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजेंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन जी की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बांग्लादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं।

तारिक मंत्रिमंडल में एक-एक हिंदू और बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बांग्लादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देते रहे। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिये तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की आवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन

चुनावों को मानने को भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी।

लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाये रखना अनुकूल साबित होगा। कभी बीएनपी की राजनीतिक दोस्त रही कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त जमात-ए-इस्लामी इस बार मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट की अगुआ बनी एनसीपी को मतदाताओं ने तो चुनाव में नकार दिया, पर नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही उसने 'जुलाई चार्टर' के मुद्दे पर संघर्ष का ऐलान कर दिया है। दरअसल 12 फरवरी को संसद के चुनाव के साथ ही जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी हुआ था। आंकड़े बताते हैं कि 62 प्रतिशत लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नवनिर्वाचित संसद को 180 दिन तक संविधान सभा के रूप में काम करना चाहिए, जिस दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में संशोधन किए जाने हैं, लेकिन बीएनपी के सांसदों ने यह कह कर संविधान सभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है।

वे सिर्फ संसद के लिए चुने गए हैं, न कि किसी संविधान परिषद के लिए। जुलाई चार्टर के मुताबिक, कोई भी नेता अधिकतम दस साल या दो कार्यकाल के लिए ही प्रधानमंत्री रह पाएगा। प्रधानमंत्री अपने दल का अध्यक्ष नहीं रह सकेगा। साथ ही कई स्वतंत्र संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगी। इतना ही नहीं, आपातकाल लगाने का फैसला भी केबिनेट और विपक्ष के नेता की लिखित सहमति से ही हो पाएगा। संसद का उच्च सदन भी बनेगा, जो प्रधानमंत्री चुनने वाले निचले सदन के फैसलों को नियंत्रित कर सकेगा। दरअसल सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के मकसद से जुलाई चार्टर में 80 से भी अधिक सुधार-प्रस्ताव हैं, जिनमें से लगभग आधे संविधान संबंधी हैं।

बीएनपी ने भी जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उसके कई नेताओं का तर्क है कि न तो चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह ली गई थी और न ही संविधान में ऐसी किसी परिषद का प्रावधान है, जो उस पर अमल कर सकें। जाहिर है, आने वाले दिनों में जुलाई चार्टर पर बांग्लादेश में राजनीतिक टकराव बढ़ेगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे।

ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी 'भारत विरोध' तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने का सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक है, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार

नृसिंहवाड़ी कोल्हापुर जिले का एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। यह दत्ता भक्तों की राजधानी होने के लिए जाना जाता है। कृष्णा और पंचगंगा नदियों के पवित्र संगम पर स्थित, महाराष्ट्रीयन इतिहास के प्रसंगों में इसका व्यापक महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण बीजापुर जिले के एक मुस्लिम राजा आदिल शाह ने करवाया था। मंदिर की अपनी स्थापत्य विशेषता है।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल!

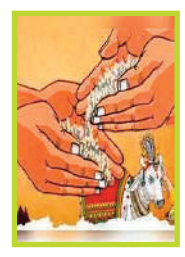

संकलित

दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

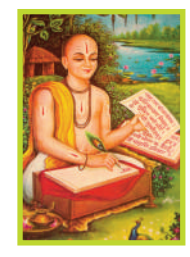

संकलित

प्रेरणा

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

मराठा अस्मिता के रक्षक थे महायोद्धा छत्रपति शिवाजी

छत्रपति शिवाजी महाराज मराठा संस्कृति के प्रखर संरक्षक थे। शिवाजी महाराज भारतीय संस्कृति और धर्म के शाश्वत मूल्यों के ध्वजवाहक रहे। इनका जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके पिता शाह जी भोंसले तथा माता जीजाबाई थी। इनका मूल नाम शिवाजी भोसले था, लेकिन उनके सुशासन और नेतृत्व कुशलता के कारण इनको छत्रपति अर्थात क्षत्रियों का प्रमुख की उपाधि दी गई। शिवाजी के फौलादी चरित्र के निर्माण में माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान था। जीजाबाई ने बालक शिवाजी के मानस पटल पर भारत देश की महान धार्मिक संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत संस्कारों को पल्लवित किया था ,जिसके परिणाम स्वरूप युवावस्था में ही शिवाजी महाराज ने मुगलों के आततायी शासन से टकराने का संकल्प लिया। मराठा संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के अपने विराट संकल्प का प्रारंभ इन्होंने 1645 ईस्वी में तोरण किले पर अधिकार करके किया। शिवाजी का संपूर्ण जीवन महान आदर्शों की गाथा है। मराठा संस्कृति से परिपूर्ण स्वराज की स्थापना के दृढ़ संकल्प के बल पर शिवाजी ने सीमित साधनों के होते हुए विशाल मुगल सेना से टक्कर ली। पराक्रमी वीर योद्धा शिवाजी ने विकट से विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए स्वराज्य की ज्योति जलाई। छत्रपति की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने मराठा साम्राज्य को एक नए युग में पहुंचाया। छत्रपति शिवाजी का संघर्ष एक शासक के रूप में सत्ता पाना नहीं था, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता की अवधारणा को स्थापित करना था। गोरिल्ला युद्ध और छापा मार अभियानों के शिवाजी पूर्ण रूप से पारंगत थे। युद्ध नीतियों के मर्मज्ञ शिवाजी ने गोरिल्ला युद्ध के माध्यम से मुगलों को पराजित किया। छत्रपति की यह विशेषता थी कि वह शत्रु पर अचानक आक्रमण करके उनको चौंका देते थे। शिवाजी और उनके मराठा रणबांकुरे जब युद्ध के मैदान में 'जय भवानी जय शिवाजी' एवं 'हर हर महादेव' के युद्ध जय घोषों से उतरते थे तो उनके पराक्रम और साहस के समक्ष मुगल सेना के हौसले परास्त हो जाते थे। शिवाजी ने 1659 प्रतापगढ़ के युद्ध में औरंगजेब की ओर से बीजापुर के अफजल खान के विरुद्ध ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में शिवाजी ने अपनी बुद्धिमत्ता से अफजल खान को बुरी तरह प्राप्त किया था। 1660 में शिवाजी ने बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत को कोल्हापुर के युद्ध में पराजित किया। 1661 में उबरखिंड के युद्ध में भी शिवाजी ने विजय प्राप्त की। 17वीं सदी के मध्य में शिवाजी ने मुगलों के आक्रमणों के विरुद्ध शारीरिक युद्ध ही नहीं लड़ा, बल्कि उन्होंने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। महान योद्धा होने के साथ-साथ शिवाजी धर्म, राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक थे। शिवाजी ने 1674 में रायगढ़ को अपने राज्य की राजधानी बनाकर स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह दिन केवल जन्मदिन ही नहीं बल्कि छत्रपति के स्वाभिमान, साहस और राष्ट्र प्रेम का भी प्रतीक है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, , ये उनके अपने विचार हैं।)

सटाका

आज की पाती

लोकलुभावन घोषणाओं पर बढ़ता खर्च

सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने देश पर बढ़ते कर्ज और चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बीच के खतरनाक संबंध को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई के लिए तत्परता दिखाई है, क्योंकि यह मुद्दा केवल चुनावी नैतिकता तक सीमित नहीं, बल्कि देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जुड़ा है। पिछले एक दशक में राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है और रिज़र्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि कई राज्य अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और सुरक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए संसाधन सीमित हो रहे हैं।

– अंकित श्रीवास्तव, भाटापारा

ट्रेंड

द्विपक्षीय साझेदारी

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी, नवाचार, जहाज निर्माण, नीली अर्थव्यवस्था और आईएमईसी कॉरिडोर के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को गति देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर नमन

अध्यात्म और सत्यनिष्ठ जीवन के माध्यम से विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाले रामकृष्ण परमहंस ने संपूर्ण मानव जाति को एक नई दिशा दी। महान संत रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

बिजनेस-फ्रेंडली सिटी

दिल्ली में व्यापार करना पहले से अधिक आसान हुआ है। सिंगल विंडो सिस्टम से तेजी से अनुमतियां मिल रही हैं, लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल हुई है और बिना गारंटी के लोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दिल्ली को बिजनेस-फ्रेंडली सिटी बनाने के लिए सरकार नीतियों में सुधार कर रही है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

दिव्यांग विश्वविद्यालय ठप

भाजपा सरकार के बजट ने प्रदेश के विशेष योग्यजनों को पूरी तरह निराश किया है। हमारी सरकार ने 2 दिव्यांग विश्वविद्यालय दिए, जिन्हें आज ठप कर दिया गया है। इनका काम आगे बढ़ता तो ये प्रदेश के दिव्यांगों के काम आते।

अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते उपग्रहों से बढ़ा संकट

पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या को लेकर वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत कदम उठाकर स्थिति को संभाला जा सकता है। अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को स्पेस एक्स ने समक्ष अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस प्रस्ताव पर फिलहाल सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं। फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12.3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यत: तकनीकी पहलुओं, जैसे रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा, तक सीमित है।

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग दिन में 12 घंटे से अधिक समय तक गतिहीन रहते थे, उनमें मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक था (आठ घंटे तक गतिहीन रहने वाले लोगों की तुलना में 38% अधिक जोखिम)। हालाँकि, यह केवल उन लोगों में देखा गया जो प्रतिदिन 22 मिनट से कम मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करते थे। इसलिए जिन लोगों ने 22 मिनट से अधिक व्यायाम किया, उनके लिए अब कोई महत्वपूर्ण जोखिम नहीं था – यानी, जोखिम आम तौर पर उन लोगों के समान हो गया जो आठ घंटे तक गतिहीन थे।

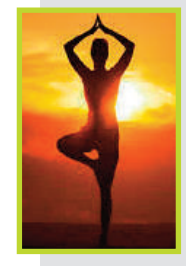

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

इटारसी स्टेशन पर हाल्ट मिलने से मंडल के यात्रियों को मिलेगा लाभ

पनवेल-अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा 23 से होगी शुरू

8 एसी, 11 सामान्य एवं 2 एसएलआरडी, 1 पेंट्रीकार के कोच सहित कुल 22 कोच रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 11031/11032 पनवेल जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन-पनवेल जंक्शन के मध्य सप्ताहिक अमृत भारत ट्रेन एक्सप्रेस एक नई ट्रेन का नियमित संचालन प्रत्येक सोमवार को 23 फरवरी से, तो वहीं पनवेल जंक्शन से प्रत्येक गुरुवार को 26 फरवरी से अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशन से शुरू की जाएगी। भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि रेल मंत्रालय पनवेल जंक्शन और अलीपुरद्वार जंक्शन के बीच साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू कर रहा है।

यह ट्रेन का भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन हाल्ट दिया गया है, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस ट्रेन में 8 शयनयान श्रेणी, 11 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी, 1 पेंट्रीकार के कोच सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

रात 11:45 पर इटारसी पहुंचेगी ट्रेन

जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 11031 पनवेल जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक सोमवार अपने प्रारम्भिक स्टेशन पनवेल जंक्शन से सुबह 11:50 बजे रवाना होकर, इटारसी 23:45 बजे पहुँचकर अगले दिन मंगलवार पिपरिया मध्यरात्रि 00:44 बजे, जबलपुर 03:10 बजे, कटनी 04:38 बजे, सतना 05:50 बजे और बुधवार को दोपहर 13:50 बजे अलीपुरद्वार जंक्शन पहुंचेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 11032 अलीपुरद्वार जंक्शन-पनवेल जंक्शन साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक गुरुवार अपने प्रारम्भिक स्टेशन अलीपुरद्वार जंक्शन से भोर 04:45 बजे रवाना होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए अगले दिन शुक्रवार सतना सुबह 06:55 बजे, कटनी 08:18 बजे, जबलपुर सुबह 10:05 बजे, पिपरिया 11:58 बजे, इटारसी दोपहर 13:25 बजे पहुँचकर और अगले दिन शनिवार को प्रातः 05:30 बजे पनवेल जंक्शन पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी

कल्याण, नासिक रोड, जलगांव जंक्शन, भुसावल जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, जबलपुर, कटनी जंक्शन, सतना जंक्शन, मानिकपुर, बरगढ़, प्रयागराज छिवकी, मेजा रोड, मिजार्पुर, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जंक्शन, सोनपुर, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ़्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, हसनपुर रोड, खगड़िया जंक्शन, मानसी जंक्शन, नौगछिया, कटिहार, बारसोई जंक्शन, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, सिलीगुड़ी जंक्शन, बिन्नागुड़ी एवं हासीमारा।

खबर संक्षेप

सौतेला पिता कर रहा था 17 साल की बेटी से दुष्कर्म

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग बेटी से सौतेले पिता द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का खुलासा उस समय हुआ, जब नाबालिग पेट दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची। अस्पताल में डॉक्टर ने बताया कि गर्भवती है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने गर्भवती के बयान दर्ज किए और आरोपी पर दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 17 साल की किशोरी इलाके में रहती है। उसकी मां पहले पति को छोड़कर दूसरे पति के साथ गत पांच साल से रह रही है। वह भी मां और सौतेले पिता के साथ रह रही है। मां मजदूरी करती है, जबकि सौतेला पिता भी मजदूरी करता है। करीब छह महीने पहले मां की गैरमौजूदगी में आरोपी पिता ने नाबालिग से शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद लगातार शारीरिक संबंध बना रहा था। गत दिनों नाबालिग के पेट में दर्द हुआ और वह अस्पताल पहुंची, वहां पता चला कि उसे गर्भ है।

- पेट में दर्द होने पर गई अस्पताल तो पता चला गर्भवती है

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित कोलुआ कला में बुधवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह घर में मां के साथ अकेला था, जबकि पिता और भाई बलिया, उत्तर प्रदेश गए हुए हैं। भाई और पिता के लौटने के बाद गुरुवार को शव का पीएम कराया जाएगा। सुसाइड नोट नहीं मिलने और मां के बयान नहीं होने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके है। पुलिस के अनुसार राजा गिरी पिता गंगेश्वर गिरी (22) मूलतः बलिया उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और बेरोजगार था। परिवार में पिता के अलावा मां और भाई है। तीन दिन पहले पिता और भाई बलिया रिश्तेदारी में गए हुए है। घर पर राजा और उसकी मां थी। मां ने बताया कि मंगलवार रात राजा खाना खाने के बाद बीच वाले कमरे में सो गया था। बुधवार सुबह राजा को फांसी के फंदे पर लटका देखा।

शुभांक

कल्याणः	1638		
दिनः	230	55	690
रातः	117	93	139
ताराः			
दिनः	379	92	390
रातः	466	69	289

ओपीडी ब्लॉक के पहले फ्लोर पर स्थित स्टोर रूम में भड़की थी आग

जेपी अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से आग, सर्जिकल सामान खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में स्टोर रूम में शार्ट सर्किट से आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ओपीडी ब्लॉक के पहले फ्लोर पर स्थित स्टोर रूम में लगी थी। जहां सिरिंज, सैंपल कलेक्टिंग उपकरण और अन्य सर्जिकल सामान रखा हुआ था, जो आग लगने से जलकर खाक हो गया। कर्मचारियों ने बताया कि पहले कमरे से धुआं उठता दिखाई दिया, फिर थोड़ी देर में आग की लपटे उठने लगी। देखते ही देखते पूरा ओपीडी ब्लॉक धुएं से भर गया और मरीजों व परिजनों में अफरा-तफरी फैल गई।

ऑटोमैटिक स्प्रिंकलर हुए फेल

जेपी अस्पताल में बीते साल फायर सेफ्टी को लेकर जगह-जगह वॉटर स्प्रिंकलर लगाए गए थे। दावा किया गया था कि छोटी सी आग भी अस्पताल में डिटेक्ट हो जाएगी और ऑटोमैटिक यह स्प्रिंकलर उसे बुझा देंगे, जबकि बुधवार को लगी आग में यह सभी दावे गलत साबित हुए। वहीं अस्पताल में फायर सेफ्टी के लिए लगाया गया सिस्टम भी बंद पड़ा था।

मरीज-डॉक्टर में मची अफरा-तफरी

ओपीडी ब्लॉक में आग लगते ही धुआं फैलने लगा। मरीज, डॉक्टर ब्लॉक से बाहर निकलने लगे। सभी लोग ब्लॉक के बाहर खड़े होकर आग बुझाने का इंतजार करते रहे। करीब 40-45 मिनट तक इस दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

ताला तोड़कर गार्ड ने बुझाई आग

गार्ड हरिदेव यादव ने बताया कि दोपहर 12:15 बजे आग की सूचना मिली। जिस कमरे में आग लगी वो फिलहाल स्टोर की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कमरे के अंदर से धुआं निकल रहा था, लेकिन गेट पर ताला लगा हुआ था और चाबी ढूंढने में समय लग रहा था। ऐसे में गेट तोड़कर अंदर गया और फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। गार्ड ने बताया कि आग बुझाने के बाद उसे बेहोशी सी महसूस हो रही थी। धुआं अंदर पहुंचने से सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ऐसे में उसे तुरंत ऑक्सीजन सपोर्ट दी गई। अब उसकी स्थिति पहले से बेहतर है।

एजेंसी को भेजा है पत्र

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस संबंध में एजेंसी को पत्र भेज दिया गया है। फिलहाल एजेंसी को कहकर फायर सिस्टम दोबारा चालू करवा दिया गया है। आग से किसी प्रकार की कोई जनहानी नहीं हुई है।

-डॉ. संजय जैन, अधीक्षक, जेपी अस्पताल

रमज़ान पाक महीने की शुरुआत हुई, नज़र आया चांद

औबेदुल्लागंज। रमज़ान के पाक महीने की शुरुवात हुई चांद नज़र आया रमज़ान के पवित्र माह की शुरुवात बुधवार शाम को चांद रात से शुरुवात हुई औबेदुल्लागंज जमा मस्जिद के ईमाम हाफिज़ नदीम ने रमज़ान के महीने के आगाज़ का भोपाल शहर क़ाज़ी के सत्यापन के बाद का ऐलान किया।

- सभी ने एक-दूसरे को दी मुबारकबाद

इसी के साथ सभी ने एक दूसरे को मुबारक बाद दी ओर खुशियों की दुआ की कल जुमेरात (गुरुवार) को पहला रोजा होगा इसी के साथ रमज़ान के पाक महीने की शुरुवात होगी । इस अवसर पर वरिष्ठ अफजल हुसैन अफसर भाई सदर गुड्डू भाई अकील भाई सगीर भाई उप सदर सलीम भाई राजा सिद्दीकी नफीस खान आमिर ममनून मेहमूद नईम खान आसिफ पठान आमीन भाई रईस खान नवाब हुसैन रिहान भाई सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर रमजान माह की बधाई दी।

कांग्रेस ने लगाए नपा अध्यक्ष पर आरोप

कांग्रेस ने नपा कार्यालय में ढोल बजा कर किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

नगर पालिका में कांग्रेस ने दोपहर 2 बजे नपा अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार का संगीन आरोप लगाते हुए ढोल बजा कर विरोध प्रदर्शन किया। नपा अध्यक्ष के खिलाफ लगातार विमुख होते आम जन और विपक्षी ये संकेत दे रहे हैं कि नपा अध्यक्ष नगर की जनता को सुविधा मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रहे हैं और तो और नपा में 1.5 करोड़ की लागत से निर्माण हो रहे सुलभ शौचालय में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस नेताओं ने अपना कड़ा विरोध जताया और तो और अलग-अलग वार्ड के करीब 100 लोगों द्वारा नपा को कई मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा, परंतु नपा के द्वारा कोई उचित समाधान नहीं हो सका।

एक करोड़ की परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोप, ब्लॉक कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। वहीं नपा के द्वारा एक करोड़ रुपये की लागत से बन रहे चार सुलभ शौचालयों के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ब्लॉक कांग्रेस ने घटिया सामग्री के उपयोग और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनूप सिंह पाल ने किया और प्रभारी इंजीनियर सतीश उजालिया को तत्काल निलंबित करने की मांग की।

कांग्रेस ने वार्ड 08 और 12 में निर्माणाधीन शौचालयों का निरीक्षण कर तकनीकी खामियां उजागर की। आरोप है कि वार्ड 12 में छत और बीम की मोटाई मानक से लगभग 5 इंच कम है, जबकि वार्ड 08 में कॉलम में पतली सरियों का इस्तेमाल हुआ। कांग्रेस का कहना है कि यह गुणवत्ता से समझौता है और भविष्य में दुर्घटना का कारण बन सकता है।

विंध्य एकता परिषद की प्रदेश कार्यकारिणी को मिली मान्यता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विंध्य एकता परिषद प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर चल रहे विवाद पर अब आधिकारिक मुहर लग गई है, रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटीज ने जारी पत्र के माध्यम से वंदना द्विवेदी के नेतृत्व में गठित प्रदेश कार्यकारिणी को मान्यता प्रदान कर दी है। विगत दिनों परिषद् के कुछ असंतुष्ट सदस्यों द्वारा एक समानांतर कार्यकारिणी का गठन कर रजिस्ट्रार, फर्म्स सोसायटीज कार्यालय में धारा 27 के अंतर्गत जानकारी प्रस्तुत की गई थी। इसके प्रत्युत्तर में मूल कार्यकारिणी ने भी प्रदेशाध्यक्ष वंदना द्विवेदी के नेतृत्व में धारा 27 की जानकारी जमा की थी। राजनीतिक दबाव के चलते सहायक रजिस्ट्रार, फर्म एवं सोसायटी द्वारा असंतुष्ट समूह को भी धारा 27 की प्रमाणित प्रति प्रदान किए जाने के बाद विवाद गहरा गया था।

अपील के बाद आया फैसला

सहायक रजिस्ट्रार के निर्णय के विरुद्ध वंदना द्विवेदी के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी ने नियमानुसार अपील प्रस्तुत की थी, जिसमें असंतुष्टों द्वारा प्रस्तुत धारा 27 की जानकारी को निरस्त करने की मांग की गई थी। इसके बाद रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटी ने आदेश में वंदना द्विवेदी के नेतृत्व वाली प्रदेश कार्यकारिणी को आधिकारिक मान्यता प्रदान कर दी। साथ ही शैलेन्द्र पाठक द्वारा प्रस्तुत धारा 27 की जानकारी को अमान्य घोषित कर दिया गया है।

अधिकारी बोले, सैंपल और पाइप लाइनों का निरीक्षण जारी

अशोका गार्डन क्षेत्र में मटमैला पानी सप्लाई की शिकायतें, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के अशोका गार्डन में नलों से मटमैला पानी सप्लाई होने का मामला प्रकाश में आया है। सोशल मीडिया पर बुधवार को बाल्टी में भरे मटमैले पानी का वीडियो सोशल मीडिया पर रहवासियों ने वायरल कर दिया। जिसमें पानी साफतौर पर मटमैला दिख रहा है। लोगों का कहना है कि शुरुआती दस मिनट इसी तरह गंदा पानी सप्लाई होता है जबकि उसके बाद पानी साफ होता है। यह सेहत के लिए खतरनाक है। क्षेत्र में गंदे पानी की सप्लाई होने पर लोगों ने बाल्टियों और बर्तनों में भरे मटमैले गंदे पानी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं। शिकाय करने के बाद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस संबंध में नगर निगम में जल कार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग का कहना है कि शहरभर में सैंपल लेने और पाइप लाइनों का निरीक्षण लगातार किया जा रहा है। लीकेज सुधारे जा रहे हैं। जहां से भी गंदे पानी की शिकायत मिल रही है मौके पर टीमें पहुंचकर समसया का निराकरण कर रही हैं।

ट्रैक्टर ट्राली में भरकर सीएंडडी वेस्ट फेंकते मिलने पर 5 हजार का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम के अमले ने बुधवार को कोकता क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्राली में सीएंडडी वेस्ट फैंकते मिलने पर पांच हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया। इसी तरह निजामुद्दीन कालोनी में सीएंडडी वेस्ट डालकर रास्ता अवरूद्ध करने वाले के विरूद्ध भी कार्रवाई की और चार हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया। कोकता में राजकुमार लोधी ट्रैक्टर-ट्राली में भरकर सीएंडडी वेस्ट खुले मैदान में फेंक रहे थे। उसी दौरान अमले की नजर पड गई। मौके पर स्पॉट फाइन किया गया और दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत भी दी।

सीएंडी वेस्ट डालकर रास्ता अवरुद्ध करने वालों पर भी कार्रवाई

वार्ड 13 में खुदी सड़क व नाली से वार्डवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

वार्ड 13 में खुदी सड़क व नाली से वार्डवासी परेशान औबेदुल्लागंज नगर के वार्ड क्रमांक 13 में लंबे समय से सड़क खुदी होने और नाली निर्माण अधूरा पड़े रहने से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह खुदी सड़क के कारण आवागमन बाधित हो रहा है, वहीं नाली का काम अधूरा होने से गंदा पानी जमा हो रहा है।

पोस्ट ऑफिस वाली गली चूड़ी बाजार की सड़क एवं चौराहे से लेकर रेलवे स्टेशन वाली सड़क पर पाइपलाइन डालने के लिए नई सड़क खोद दी मगर कई माह बीत जाने के बाद भी कोई सूध लेने वाला नहीं एडवोकेट राजेश दीक्षित पूर्व पार्षद आशीष दीक्षित टिंकू ठाकुर सरदार मंजीत सिंह जैन समाज अध्यक्ष सुनील तामोट का कहना है कि जब सुबह नल चलते हैं तो नलों के पानी से रास्तों पर कीचड़ फैल जाता है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को खासा दिक्कत होती है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। स्टेशन रोड के सुदामा तिवारी शंकर सेठी मनोज खत्री रमेश सेठी सुनील वर्धमान रामकिशोर नंदवंशी राकेश तिवारी डॉ माखन नागर दीपेंद्र नागर प्रियंका गुप्ता जितेंद्र दुबे संभव जैन नफीस खान स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य शुरू तो कर दिया गया, लेकिन उसे समय पर पूरा नहीं किया गया। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। नागरिकों ने मांग की है कि नगर परिषद औबेदुल्लागंज जल्द से जल्द सड़क व नाली निर्माण पूरा कराए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके पार्षद हेमलता मनोज चौरसिया से जब पूछा आपके पूरे वार्ड 13 में सड़क खुदी पड़ी है तो पार्षद कहते हैं इसको सदा खुद होने से मैं भी परेशान हूं नगर परिषद सीएमओ किरण रहंगडाले को जब उन्हें परेशानी के बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि मैं स्वयं आकर देखती हूं।

फुलेरा दूज आजः पूजा से मिलता है आशीष

कृष्ण और राधा ने इसी दिन खेली थी फूलों से होली, यह दिन होता है खास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर गुरुवार को फुलेरा दूज मनाई जाएगी। इस दिन फूलों से होली खेलने की परंपरा है। नए कार्यों के शुभारंभ के लिए भी यह दिन खास होता है। फाल्गुन शुक्ल द्वितीया तिथि की शुरुआत 18 फरवरी को शाम 4:57 बजे से हुआ। इसका समापन 19 फरवरी को दोपहर 3:58 बजे होगा। उदया तिथि के चलते फुलेरा दूज का मुख्य पर्व 19 फरवरी, गुरुवार को मनाया जाएगा। इसके चलते राजधानी के श्रीकृष्ण मंदिरों में फूलों की होली खेली गई। पंडितों व ज्योतिषाचार्य के अनुसार सनातन धर्म परंपरा में फुलेरा दूज का विशेष महत्व है। मान्यता है इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने राधा व गोपियों के साथ फूलों की होली खेली थी। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण और राधा ने इसी दिन फूलों से होली खेली थी। ब्रज सहित कई जगह इस दिन को उत्सव की तरह मनाया जाता है, साथ ही इस दिन को होली के आगमन का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इसी दिन से होली पर्व की तैयारियां भी आरंभ होंगी। शास्त्र में फुलेरा दूज को विवाह के लिए सर्वोत्तम अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस दिन बिना मुहूर्त देखे सभी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा रानी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम की बहार आती है और नवदंपति को श्रीकृष्ण का आशीर्वाद मिलता है।

मध्यप्रदेश के कुबेरेश्वर धाम सीहोर से वापस लौट रहा था झारखंड का परिवार

कोहेफिजा में तेज रफ्तार ऑटो पलटा, बुजुर्ग की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के कोहेफिजा इलाके में मंगलवार रात एक तेज रफ्तार आटो पलट गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब आठ लोगों को गंभीर चोट आई है। हादसे का शिकार हुआ परिवार झारखंड का रहने वाला है, कुबेरेश्वर धाम सीहोर से दर्शन करने के बाद वापस लौटने के लिए भोपाल स्टेशन जा रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। आरोपी आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अंकित सिंह पुत्र दिलीप सिंह (21) मूलतः ग्राम पसयाड़ी, थाना नवलसाही जिला कोडरमा झारखंड का रहने वाला है

और पढ़ाई करता है। वह अपने परिवार के साथ सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम दर्शन करने पहुंचा था। दर्शन करने के बाद मंगलवार को पूरा परिवार वापस अपने गांव के लिए लौट रहा था। सीहोर से भोपाल स्टेशन जाने के लिए अंकित और उसके परिवार वालों ने एक आटो किराए से लिया था। आटो में अंकित के साथ ही मौसी का लड़का शुभम सिंह, नाना जगदीश सिंह (60) बड़े नाना बनवारी सिंह, मां संगीता देवी, मौसी सुषमा देवी, नानी सरजू देवी, बड़ी नानी, चंद्रीदेवी और छोटी नानी शांति देवी भी बैठी हुई थी। रास्ते में आटो वाला काफी तेज रफ्तार से अपना आटो चला रहा था, जिसे कई बार धीमी रफ्तार में चलाने का बोला गया था, लेकिन वह रफ्तार कम नहीं कर रहा था। रात करीब नौ बजे आटे तहसील गेट के पास संजय बेकरी के सामने पहुंचा, तभी अनियंत्रित होकर पलट गया। आटो पलटने से उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए तत्काल ही हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जगदीश सिंह को चैक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई दो अन्य महिलाओं का इलाज चल रहा है, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। हादसे के बाद चालक आटो लेकर मौके से भाग निकला, जिसका नंबर नहीं देखा जा सका। पुलिस ने अज्ञात आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी आटो के नंबर की पहचान की जा रही है।

जहरीला पदार्थ पीने वाले रेलकर्मी की उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित विनायक कैंपस में रहने वाले रेलकर्मी ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली। गत 10 फरवरी को उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ पीया था। परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उनका इलाज चल रहा था। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनके बयान दर्ज करने चाहे, लेकिन वह बयान देने की स्थिति में नहीं थे। करीब छह दिन चले इलाज के बाद सातवें दिन उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार 58 साल के श्याम किशोर, वी-श्री, विनायक कैंपस स्टेशन बजरिया में रहते थे और रेलवे में पदस्थ थे। उनका बेटा सेना में मेजर है। गत दिनों श्याम किशोर को हार्ट अटैक आया था। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां बाइपास सर्जरी की गई। बाइपास सर्जरी कराने के बाद परिजन 9 फरवरी को उन्हें घर ले आए थे।

दस फरवरी को उनकी तबीयत बिगड़ी और परिजन मिसरोद स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने बताया कि श्याम किशोर ने कोई जहरीला पदार्थ पीया है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस श्याम किशोर के बयान दर्ज करने पहुंची। डॉक्टर ने बताया कि श्याम किशोर अभी होश में नहीं है। 17 फरवरी की दोपहर श्याम किशोर की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में पता चला कि श्याम किशोर तनाव में रहते थे। अनुमान है कि अटैक आने से वे दुखी हो गए थे।

फेमिना मिस इंडिया मप्र का ग्रेंड फिनाले आज शाम कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर में

प्रदेश की 150 लड़कियों में से 16 फाइनलिस्ट आज लेंगी भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पिछले 60 से अधिक वर्षों से फेमिना मिस इंडिया भारत की बेटियों को खोजने, संवारने और उन्हें राष्ट्रीय से वैश्विक मंच तक पहुंचाने का कार्य करता आ रहा है। इसी मंच से ऐश्वर्या राय, सुष्मिता सेन, प्रियंका चोपड़ा ने मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स का ताज पहना। फेमिना मिस इंडिया का यही मंच इस साल 2026 में मप्र की बेटियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है, जब फेमिना मिस इंडिया मप्र का ग्रैंड फिनाले पहली बार भोपाल में 20 फरवरी शाम 7 बजे से कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर में होने जा रहा है। सस्टेनेबिलिटी फर्स्ट, जीरो वेस्ट थीम पर आधारित इस मंच से चंदेरी महेश्वरी के रूप में मप्र के टेक्सटाइल को प्रमोट किया जाएगा। इस आयोजन में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के साथ स्थानीय कारीगरों को भी इको पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा। यह जानकारी फेमिना मिस इंडिया मप्र के ओर्गेनाइजर गुरप द्वारा बुधवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में दी गई।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते आयोजक।

इनकी रही उपस्थिति

इस पत्रकार वार्ता में अंशु गुप्ता- इमेज कंसल्टेंट, निखला गुप्ता- संस्थापक निदेशक, ब्राइट स्टेज, सुबोध श्रीवास्तव- निदेशक, ब्राइट स्टेज, संदीप धर्मा- शो डायरेक्टर, फेमिना मिस इंडिया, अपेक्षा श्रीवास्तव- सिटी डायरेक्टर, फेमिना मिस इंडिया एमपी उपस्थित थे। जिन्होंने फेमिना मिस इंडिया की फायनल जर्नी के बारे में जानकारी साझा की।

दो राउंड के जरिए प्रदेश की लड़कियां दिखाएंगी अपनी प्रतिभा

पत्रकार वार्ता में निखला गुप्ता ने बताया कि फेमिना मिस इंडिया-मप्र का फायनल चयन आज 19 फरवरी को मिंटो हॉल में होगा। जिसमें दो राउंड के जरिए पूरे प्रदेश से चुनी हुई 16 फायनालिस्ट गर्ल्स में से कोई एक फेमिना मिस इंडिया मप्र का ताज पहनेगी। निखला ने बताया कि मिस इंडिया के लिए हमारे द्वारा पूरे प्रदेश भर में कई ऑडिशन रखे गए, जिसमें करीब 150 लड़कियों ने रजिस्ट्रेशन कराया और इस 150 में से 16 फायनालिस्ट को चुना गया है।

मंडला, शामपुर, छिंदवाड़ा के छोटे से गांवों से आईं लड़कियां

वहीं सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि फेमिना मिस इंडिया के लिए केवल भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों से ही नहीं बल्कि छोटे छोटे ग्रामीण इलाकों से भी लड़कियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें आज होने वाले फिनाले में एक लड़की मंडला से है तो एक शामपुर से वहीं एक लड़की छिंदवाड़ा के किसी छोटे से गांव से है, जो आज फेमिना मिस इंडिया फिनाले में भाग लेगी।

खबर संक्षेप

एनआईडी में सांस्कृतिक महोत्सव आज से

भोपाल। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा आज 20 फरवरी से तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक एवं खेल महोत्सव 'ओपेसिटी 26 रास्ते' का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय महोत्सव सृजनात्मकता, डिजाइन, खेल भावना और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का उत्सव है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों तथा समुदाय के मध्य संवाद और सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। महोत्सव का शुभारंभ उद्घाटन समारोह से होगा, जिसमें एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर ऑफ इंडिया द्वारा डिजाइन टॉक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत एलुमनी मीट, विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां, ओपन माइक प्रतियोगिता, जुम्बा सत्र, स्केटबोर्डिंग शोकेस, फैशन शो, लाइव म्यूजिक प्रस्तुतियां तथा डीजे नाइट जैसे विविध आकर्षक आयोजन शामिल हैं।

गीत गाता चल सीजन-2 का आयोजन आज

भोपाल। शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य में 19 फरवरी, गुरुवार की शाम सुरों की मधुर आभा से आलोकित होने जा रही है। रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में आयोजित "गीत गाता चल" संगीत संध्या शहर के शौकिया फनकारों को मंच की गरिमा के साथ अपनी कला अभिव्यक्त करने का अवसर देगी। एक दिवसीय इस आयोजन में संगीत केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि साझा अनुभूति का उत्सव बनेगा। कार्यक्रम के संस्थापक लक्ष्मण सिंह और आयोजक एकता सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस संध्या का विशेष आकर्षण फिल्म गायक अलम हमदुले की प्रस्तुति होगी, जो अपने लोकप्रिय गीतों से श्रोताओं को सुरों की यात्रा पर ले जाएंगे। सीजन-2 में सुनीता गौतम, राजेश सरीन, डॉली सरीन और मनोज पंजाबी अपनी-अपनी शैली में गीतों का रंग बिखेरेंगे। इसके साथ ही आनंद चंदेश्री एवं समूह की बैंड प्रस्तुति संध्या को आधुनिक ताल-लयों से सजाएगी। संगीत संध्या शाम 6 बजे शुरू होगी।

रुद्राक्ष महोत्सव में पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह बुधवार को सीहोर के श्री कुबेरेश्वर धाम में प्रसिद्ध कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित भव्य रुद्राक्ष महोत्सव एवं श्री शिवपुराण कथा में सम्मिलित हुए। गौरतलब है कि शिवरात्रि से एक दिन पहले से यहां भव्य शिवपुराण कथा पं. प्रदीप मिश्रा सुना रहे हैं, जिसका श्रवण करने के लिए लाखों श्रद्धालु यहां प्रतिदिन उपस्थित हो रहे हैं।

भारत भवन में 44वें वर्षगांठ समारोह में नाटक डैडी का मंचन

रिश्तों का मनोवैज्ञानिक रंगमंचीय अनुभव है 'डैडी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत भवन में आयोजित 44वें वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत बुधवार को मंचित नाटक 'डैडी' समकालीन हिन्दी रंगमंच की उन विरल कृतियों में से है, जो कथा से अधिक अनुभव बनकर दर्शक के भीतर उतरती हैं। सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ द्वारा लिखित एवं निर्देशित यह प्रस्तुति फ्रांसीसी नाटककार फ्लोरियन ज़ेलर के चर्चित नाटक ले पेरे से प्रेरित है।

मंच पर अभिनय करते कलाकार।

कथासार

यह नाटक पूरी तरह भारतीय पारिवारिक संवेदना में रचा-बसा है। नाटक में दिखाया गया कि मनोभ्रंश (डिमेंशिया) को केवल एक चिकित्सकीय स्थिति के रूप में नहीं, बल्कि स्मृति, पहचान और संबंधों के विघटन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत करता है। प्रस्तुति के केंद्र में अनंत नामक वृद्ध पिता और उनकी बेटी अन्नू का संबंध है। अन्नू अपने निजी जीवन, सपनों, प्रेम और स्वतंत्र अस्तित्व के द्वंद्व में है। वहीं पिता की कमजोर होती स्मृतियों के साथ जूझती, देखभाल की जिम्मेदारी भी निभा रही है। यह द्वंद्व ही नाटक का भाव है, जो पूरे प्रस्तुति क्रम में करुण-रस की गहनता रचता है।

अनंत का चरित्र है प्रस्तुति की आत्मा

फिल्म अभिनेता और रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी द्वारा अभिनीत अनंत का चरित्र प्रस्तुति की आत्मा है तो वहींअन्नू के रूप में शालिनी विजय ने संतुलित और संवेदनात्मक अभिनय प्रस्तुत किया। नाटक में मंच-सज्जा यथार्थवादी होते हुए भी प्रतीकात्मक आयाम ग्रहण करती है।

संघ समर्पण का माध्यम है, पद-प्रचार का साधन नहीं...

अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा व्याख्यान एवं रचनापाठ का आयोजन

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता और मंच पर बैठे अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर व्याख्यान एवं रचनापाठ कार्यक्रम का आयोजन विश्व संवाद केंद्र में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राधेश्याम मालवीय ने कहा कि डॉ. हेडगेवार बचपन से ही राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत थे। संघ की स्थापना एवं उसकी संघर्षपूर्ण यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने संगठन पर लगाए गए आरोपों का तथ्यपूर्ण खंडन किया तथा आपातकाल के समय कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग को अविस्मरणीय बताया। वहीं, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ ओज कवि मदन मोहन समर ने कहा कि संघ समर्पण का माध्यम है, पद-प्रचार का साधन नहीं। उन्होंने अपनी ओजपूर्ण रचना रोम-रोम हो ऋणी.... प्रस्तुत की, जिसमें समस्त को कुटुंब मानकर दुलारती रही ये धरा... जैसी पंक्तियों ने श्रोताओं को प्रभावित किया।

कैसे जश्न मना लें, मृगछौने जहां बेच रहे ध्वज, बापू तेरे देश में...

अध्यक्षता डॉ. नुसरत मेहदी अध्यक्ष, अभासाप ने करते हुए चंद पंक्तियां प्रस्तुत कीं। शब्दों के बस संकलन को मत सृजन समझा करो, मांगता है ये गहन चिंतन-मनन, समझा करो। राष्ट्रहित और लोकमंगल हो हमारी सोच में, बस यही तो चाहता है संगठन, समझा करो। वहीं प्रेमचंद गुप्ता ने लोकमंगल के पथिक हम, एकता का ध्वज उठाए, राष्ट्रबोध हृदय लगाए। गोपेश बाजपेई ने कान्हा की बंशी, शिव डमरू जहां बज रहा डम-डम-डम, भगवन इस पावन धरती पर करें पंच परिवर्तन हम। ममता वाजपेई ने जाने ऐसी बात हुई क्या। पंकज पराग ने कैसे जश्न मना लें, मृगछौने जहां बेच रहे ध्वज, बापू तेरे देश में... सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

3 मेंबर्स से शुरू हुए बैंड में अब हैं 9 कलाकार

दुबई के आसमान तले चला शहर के अधिरोह द बैंड के सुरों का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संगीत जब सीमाओं की परिधि लांघता है तो वह केवल ध्वनि नहीं, बल्कि संस्कृति का सेतु बन जाता है। कुछ ऐसा ही अनुभव दुबई के आसमान तले उस शाम देखने को मिला, जब भोपाल का लोकप्रिय म्यूजिकल ग्रुप अधिरोहः द बैंड अपनी सुरमयी प्रस्तुति के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरा। पिछले सप्ताह दुबई में हुए संगीतमय आयोजन में बैंड ने अपनी गायकी और ऊर्जा से दर्शकों का दिल जीत लिया। इंटैक्ट इवेंट्स एंड एंटरटेनमेंट के प्रमुख अभिनय धुरिया और उनकी टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संगीत का रंग बहुआयामी रहा। सूफी सुरों की गहराई, फ्यूजन की नवीनता और पंजाबी गीतों की जीवंतता तीनों का अनूठा संगम मंच पर साकार हुआ। जैसे ही रूहानी आलाप वातावरण में गूंजे, दर्शक स्वयं को सुरों की उस लय में बहता हुआ महसूस करने लगे।

सूफी और पंजाबी बीट्स ने बांधा समां

बैंड के मुख्य गायक देवेश भूआर्या ने अपनी भावपूर्ण और सशक्त आवाज से शाम को यादगार बना दिया। कभी सूफियाना कलाम की तासीर दिलों को छूती रही, तो कभी पंजाबी बीट्स ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच पर उनकी उपस्थिति, सुरों पर पकड़ और दर्शकों से संवाद की सहजता ने कार्यक्रम को ऊजार्वान आयाम दिया। इसके साथ ही रूहानी गीतों की आत्मीयता और आधुनिक संगीत संयोजन ने इस प्रस्तुति को यादगार बना दिया। उन्होंने बताया कि अधिरोहा बैंड की स्थापना वर्ष 2019 में हुई थी। शुरूआत में इस बैंड में सिर्फ तीन सदस्य थे। लेकिन आज बैंड में कुल 9 मेंबर्स हैं।

ट्रिपल आईटी में 'नायमैक 3.0 वार्षिक टेक्नो-कल्चरल उत्सव' शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ट्रिपल आई टी द्वारा 'नायमैक 3.0 वार्षिक टेक्नो-कल्चरल उत्सव' का शुभारंभ बुधवार से किया गया। उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाट्य मंचन और सामाजिक जागरूकता आधारित कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। अपने प्रेरक संबोधन में संस्थान के निदेशक ने विद्यार्थियों को तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स के एलिमेंट कम्युनिकेशन, प्रेजेंटेशन, लीडरशिप, डिसीजन मेकिंग, अनुशासन, नेतृत्व और चरित्र निर्माण के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर नागरिक चेतना पर नुक्कड़ नाटक का मंचन खास रहा। इसमें नागरिक शिष्टाचार और सामाजिक जागरूकता पर प्रभाव डाला। वहीं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे समा को जीवंत बना दिया और इसके माध्यम से उन्होंने जीवन की यात्राओं, मित्रता, आकांक्षाओं और चुनौतियों का सामना करने की सीख ली।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नाट्य मंचन और सामाजिक जागरूकता आधारित कार्यक्रमों ने मोहा दर्शकों का मन

सात पद्मश्री एवं छह संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी नृत्य कलाकार करेंगे शिरकत

'नटराज थीम' पर 52वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 फरवरी से

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नृत्य, लय और सृजन का प्रतीक 'नटराज थीम' पर इस बार 52वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 से 26 फरवरी तक कंदरिया महादेव एवं जगदंबा मंदिर परिसर, खजुराहो में आयोजित किया जा रहा है। जीवंत एवं समावेशी सांस्कृतिक उत्सव के रूप में खजुराहो नृत्य समारोह में पहली बार 'खजुराहो कार्निवाल' भी आयोजित होगा। सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आयोजन में देश के सुप्रतिष्ठित तथा उदीयमान नर्तक, नृत्यांगनाएं अपनी साधनारत प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध परम्पराओं को मंच पर साकार करेंगी। समारोह में सात पद्मश्री एवं छह संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी नृत्य कलाकारों के साथ ही उदीयमान कलाकारों की प्रस्तुतियां भी खास रहेंगी।

20 से 26 फरवरी तक ये प्रस्तुतियां

20 फरवरी सायं 6:30 बजे से
पद्मश्री ममता शंकर, कोलकता - कथक
अनुराधा वेंकटरमन, चेन्नई - भरतनाट्यम
शुभदा वराडकर, मुम्बई - ओडिसी
21 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
विश्वदीप, दिल्ली - कथक
अक्माद्दल काईनारोवा, कजाकिस्तान - भरतनाट्यम
प्रभात मेहतो, झारखंड - छाऊ
22 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
एसएनए अवार्डी थोकचोम इवेमुबि देवी, मणिपुर - मणिपुरी
पद्मश्री दुर्गाचरण रनवीर, ओडिसा - ओडिसी
सत्रिया केन्द्र समूह, असम - सत्रिया
23 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
नव्या नायर, चेन्नई - भरतनाट्यम
एसएनए अवार्डी कोट्टक्कल नंदकुमार नायर, केरल - कथकली
पद्मश्री पद्मजा रेड्डी, हैदराबाद कुचिपुड़ी
24 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
शिंजनी कुलकर्णी, दिल्ली - कथक
पद्मश्री इलियाना सिटर, भुवनेश्वर- ओडिसी
पद्मश्री कलामंडलम क्षमावेती, केरल - मोहिनीअट्टम
25 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
एसएनए अवार्डी शाश्वती सेन, दिल्ली - कथक
मोहंती, भुवनेश्वर - ओडिसी
एसएनए अवार्डी नयनसखी देवी, मणिपुर
झ मणिपुरी
खुशबू पांचाल, उज्जैन कथक समूह
26 फरवरी, सायं 6:30 बजे से
सुनयना हजारीलाल, मुम्बई - कथक
पद्मश्री प्रतिभा प्रहलाद, बैंगलुरु - भरतनाट्यम
एसएनए अवार्डी भावना रेड्डी, दिल्ली - कुचीपुड़ी
प्रभुतोष पाण्डा, भुवनेश्वर - ओडिसी

राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मुख्यमंत्री ने एक दिवसीय कर्मयोगी बने कार्यशाला को किया संबोधित

आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में सक्षम शिक्षा व्यवस्था ही देश को समृद्ध और सशक्त बनाएगी : डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

व्यक्ति को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में सक्षम शिक्षा व्यवस्था ही देश को समृद्ध और सशक्त बनाएगी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन्हीं उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रयास है। शिक्षा व्यवस्था की जटिलता को कम करना भी नीति का उद्देश्य है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित एक दिवसीय कर्मयोगी बने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।

हमारे विश्वविद्यालय राष्ट्र के भविष्य की कार्यशालाएं

डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र नहीं है, राष्ट्र के भविष्य की कार्यशालाएं हैं। आज जब हम कर्म योगी शिक्षाविद् की बात करते हैं, तो हम केवल एक आदर्श नहीं गढ़ रहे, बल्कि एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना चाहते हैं, जहाँ शिक्षक केवल पाठ न पढ़ाएं, बल्कि प्रेरणा दें।

सहकर्मी संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमें सहकर्मी संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि अपने कर्तव्य का पालन ही श्रेष्ठ है। हमने अभ्युदय मध्यप्रदेश का जो संकल्प लिया है, उसमें शिक्षा केंद्रीय भूमिका निभाती है।

संगठित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है : भैया जी जोशी

शक्तिधाम न्यास की ट्रस्टी, प्रबंध कार्यकारिणी एवं उपसमितियों की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान 'प्रज्ञा दीप', हर्षवर्धन नगर, में बुधवार को आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि भैया जी जोशी (अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज, एवं विशिष्ट अतिथि रीतेशदास वैरागी, विभाष उपाध्याय रहे बैठक में 'शक्तिधाम – शक्ति, श्रद्धा, शास्त्र एवं साधना अनुसंधान केंद्र' परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।
यह परियोजना बड़वाह में नर्मदा तट पर, श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग से 20 किमी दूरी पर स्थापित की जाएगी। यह केंद्र 51 शक्तिपीठों का समेकित स्वरूप एक ही परिसर में स्थापित करेगा। भैयाजी जोशी ने कहा कि इस परियोजना में स्वास्तिक आधारित संरचना पर मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इसके केंद्र में भारत माता की भव्य प्रतिमा स्थापित होगी। ध्यान-साधना केंद्र, शोध एवं अनुसंधान संस्थान, डिजिटल अभिलेखागार, गोशाला, जैविक कृषि क्षेत्र, अतिथि गृह, धर्मशाला, भोजनशाला तथा उद्यान एवं सेवा इकाइयाँ विकसित की जाएंगी।

नर्मदा जल एवं वनस्पति पर अनुसंधान कार्य किए

उन्होंने कहा, शक्तिधाम केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं होगा, बल्कि यह आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक अनुसंधान का समेकित केंद्र भी बनेगा। परियोजना के माध्यम से स्थानीय जनजातीय परंपराओं के संरक्षण, रोजगार सृजन, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा तथा क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत के शक्ति एवं आध्यात्मिक केंद्र केवल पर्यटन केंद्र ना बनें और ना ही बनने चाहिए। यह शक्ति केंद्र श्रद्धा का केंद्र बनें।

खबर संक्षेप

अफसर ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। बेंगलुरु से एक खौफनाक वारदात की खबर सामने आई है। यहां बुधवार को

अवलाहल्ली के 65 साल के रिटायर्ड इसरो कर्मचारी ने कथित तौर अपनी पत्नी की गला घोंट कर हत्या कर दी। अवलाहल्ली पुलिस अधिकारीयों ने सुबह करीब 11 बजे इस बात की जानकारी दी। आरोपी नागेश्वर राव को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। शुरुआती जांच का हवाला देते हुए, एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि राव कथित तौर पर डिप्रेशन का इलाज करा रहा था।

सीएम रेखा 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह

सम्मान उन्हें समाज और जनता के प्रति उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। अवॉर्ड समिति के संयोजक चेतन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विवेक शर्मा, महामायी सेवा न्यास के दीपक बजाज तथा समिति सदस्य बिट्टी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री को भारत माता की प्रतिमा और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

होली पर आ सकती है ईपीएफओ पर खुशखबरी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ से जुड़ी एक अहम खबर सामने आ रही है। ईपीएफओ पर होली पर खुशखबरी आ सकती है। वही वित्त वर्ष 2026 के लिए पीएफ खातों पर मिलने

वाली ब्याज दर बढ़ेगी या फिर जितनी है उतनी ही रहेगी इसका ऐलान सिर्फ 11 दिनों में होने जा रहा है। बाजार में उतार चढ़ाव के बावजूद ईपीएफओ ने स्थिर रिटर्न देने की कोशिश की है। यही वजह है कि ब्याज दर को स्थिर रखना एक सुरक्षित विकल्प माना जा रहा है।

भारतीय नौसेना की मेजबानी में विशाखापट्टनम में आयोजित किए जा रहे आईएफआर-26 के उद्घाटन संबोधन में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

दुनिया की नौसेनाएं महासागरों को वैश्विक विकास और समृद्धि के द्वार के रूप में विकसित करेंगी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुनिया के कई भागों में काफी वक्त से जारी युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों के मध्य भारत के दक्षिणी राज्य आंध्र-प्रदेश के विशाखापट्टनम में बुधवार से भारतीय नौसेना की मेजबानी में 'अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू-2026' (आईएफआर) की शुरुआत हो चुकी है। इस बार विश्व के कुल 74 देशों की नौसेनाएं इस महत्वपूर्ण आयोजन में हिस्सा ले रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18 फरवरी को आईएफआर का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने दो बिंदुओं पर खासा जोर दिया है। जिसमें पहले में समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में कार्य करने को लेकर भारत के वसुधैव कुटुंबकम के दृष्टिकोण के बारे में बताया। साथ ही दूसरे में इस फ्लीट रिव्यू में शामिल सभी नौसेनाओं के प्रति यह विश्वास व्यक्त किया कि वे सभी एकजुटता से महासागरों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विकास, समृद्धि और समग्र कल्याण के द्वार के रूप में विकसित करने में अपना योगदान देंगी। नौसेना ने एक बयान जारी यह जानकारी दी है।

25 फरवरी तक चलेगा आईएफआर

वहीं, महामहिम राष्ट्रपति ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं अपने देश के सभी नागरिकों की तरफ से विदेशी मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नौसैनिकों के प्रति हार्दिक मित्रता और प्रशंसा व्यक्त करती हूं। आप सभी अपने-अपने देशों की सेवाओं की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं'। बताते चलें कि नौसेना की अगुवाई में आयोजित किया जा रहा ये तीसरा आईएफआर है। इससे पहले वह 2001 में मुंबई में हुए आईएफआर और 2016 में विशाखापट्टनम में हुए आईएफआर का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर चुकी है।

सामूहिक शक्ति से हल होंगी चुनौतियां

उन्होंने बताया ये फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के मद्देनजर देशों की एकता, विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। जिसमें अलग-अलग राष्ट्रीय ध्वजों वाले जहाज और उनमें शामिल नाविक एकजुटता की भावना का प्रदर्शन करते हैं। यूनाइटेड थ्रू ओशंस की रिव्यू की थीम में भी यह भावना साफतौर पर समाहित है। जिससे वैश्विक समुदाय को भी एक सकारात्मक संदेश मिलता है कि इस सामूहिक नौसैनिक शक्ति की प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकता है।

समुद्री हितों की सुरक्षा में तत्पर नौसेना

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की नौसेना भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और व्यापक समुद्री क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने में तत्पर है। इलाके में तैनात बल की इकाइयां समुद्र में उत्पन्न होने वाले खतरों और चुनौतियों के खिलाफ प्रतिरोध और रक्षा के भरोसेमंद साधन के रूप में कार्य करती हैं। हमारी समुद्री सेना मानवीय संकटों और प्राकृतिक आपदाओं के समय पर सबसे पहले सहायता प्रदान करती है।

महासागर विजन को बल मिलेगा

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम का भारत का दृष्टिकोण वैश्विक सुरक्षा, विकास, स्थिरता और स्थायित्व साझेदारी के माध्यम से संभव होने के ज्ञान को प्रदर्शित करता है। साझेदारी की ये भावना एक स्थायी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है। इसी के तहत भारत का ये मानना है कि एक सुदृढ़ समुद्री व्यवस्था समान विचारधारा वाले साझेदारों के बीच सामूहिक जिम्मेदारी और सहयोगात्मक कार्रवाई पर आधारित है। ये रिव्यू देश के महासागर विजन को भी आगे बढ़ाता है, जिसका अर्थ है क्षेत्रीय स्तर पर सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति।

सुमेधा पर सवार होकर किया फ्लीट रिव्यू

राष्ट्रपति मुर्मू ने फ्लीट रिव्यू नौसेना के स्वदेशी अपतटीय गश्ती जहाज आईएनएस सुमेधा पर सवार होकर किया। इसके पूर्व में उन्हें बल द्वारा 150 सदस्यीय गार्ड ऑफ आर्नर और 21 तोपों की सलामी के साथ परंपरागत सम्मान दिया गया। रिव्यू में विशाखापट्टनम तट पर 52 जहाज मौजूद रहे। लेकिन वास्तविक रूप में इसमें कुल 85 जहाज भाग ले रहे हैं, जिसमें 19 विदेशी युद्धपोत हैं। आयोजन में भारतीय नौसेना के 60 जहाज, तटरक्षकबल के 4 और एक-एक जहाज शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओसियन टेक्नोलॉजी का है।

राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे 'एआई इंपैक्ट सम्मेलन' में सेना की प्रदर्शनी का हिस्सा है प्रक्षेपण

'एआई प्रक्षेपण' सिस्टम से चुनौतीपूर्ण इलाकों में सेना को समय पूर्व मिलेगी बाढ़, हिमस्खन की जानकारी

प्राकृतिक आपदाओं का करीब सप्ताह भर पहले पूर्वानुमान लगाने में सक्षम है यह सिस्टम

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई देश की कुल करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना के कंधों पर है। लेकिन ये समूचा इलाका इतनी भौगोलिक विषमताओं से भरा पड़ा है कि कोई नहीं जानता कि कब कहां पर बाढ़, हिमस्खलन या भूस्खलन जैसी कौन सी प्राकृतिक आपदा का प्रकोप झेलना पड़ेगा। लेकिन अब इस मामले में घबराने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि सेना ने स्वदेशी रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'प्रक्षेपण सिस्टम' से इस समस्या का तोड़ निकाल लिया है। जो 3 से 7 दिन पहले स्थान विशेष के आधार पर वहां आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर संबंधित एजेंसी को अलर्ट कर सकता है। बल ने अपने इस तकनीक आधारित खास सिस्टम को राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे एआई इंपैक्ट सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया है।

मजबूत होगा आपदा राहत कार्य

ये एआई वाली ऐसी तकनीक है, जिसकी मदद से सेना संवेदनशील रणनीतिक क्षेत्रों के बारे में बेहद सटीक, स्थान विशेष के साथ वहां पर आने वाली आपदा के बारे में पूर्वानुमान लगा सकती है। जिससे आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, सीमा से लगे इलाकों में रहने वाले स्थानीय समुदायों, इंफ्रास्ट्रक्टर योजनाकारों और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल मजबूती से अपने अभियान चला सकते हैं। मोटा- मोटी समझे तो बल की इस कोशिश के जरिए राष्ट्रीय आपदा बचाव अभियान को मजबूती मिलती है।

सेना का पहला जलवायु हाइब्रिड सिस्टम

सेना की प्रदर्शनी का दौरा करते हुए हरिभूमि को यह पता चला कि प्रक्षेपण एआई संचालित सैन्य जलवायु विज्ञान और आपदा पूर्वानुमान से जुड़ा महत्वपूर्ण सिस्टम है। जिसे देश के पहले हाइब्रिड मिलिट्री क्लाइमेटोलॉजी डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के रूप में भी जाना जाता है। ये बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के आने से 3 से 7 दिन पहले उनकी भविष्यवाणी कर सकता है। जिसमें यह उन्नत बहु-एजेंसी वैज्ञानिक डेटासेट, क्षेत्र की इंटेलिजेंस और एआईएमएल मॉडलिंग का प्रयोग करता है। सेना ने प्रक्षेपण को पूरी तरह से स्वदेशी रूप से विकसित किया है। इसमें राष्ट्रीय वैज्ञानिक एजेंसियों और केंद्रीय विज्ञान मंत्रालय की अहम भूमिका है।

सेना की एआई प्रदर्शनी का महत्व

एआई के इस्तेमाल को लेकर सेना की कोशिश एक ऐसा सुरक्षित एआई आधारित नेटवर्क और एआई से लैस इकोसिस्टम वाली फोर्स बनने की है। उसके सभी स्वदेशी सिस्टम अपने साथ दोहरे इस्तेमाल की सोच लेकर आगे बढ़ रहे हैं। जिससे न केवल देश की राष्ट्रीय रक्षा तैयारियों को मजबूती मिलेगी। बल्कि उसके साथ-साथ आम-जनता की सुरक्षा, बेहतर आपदा प्रबंधन, डिजिटल सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में भी मदद मिलेगी। दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीकों का सैन्य के अलावा शिक्षा, आपदा प्रतिक्रिया, साइबर सुरक्षा, यातायात सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर संरक्षण जैसे असैन्य या नागरिक क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा सकता है।

डीपफेक वीडियो डिटेक्शन सिस्टम

सेना की एआई प्रदर्शनी में लगाया गया एआई आधारित डीपफेक वीडियो डिटेक्शन सिस्टम भी सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ये सिस्टम चेहरे या सिग्नल पैटर्न के आकलन की मदद से किसी नकली या छेड़छाड़ किए गए वीडियो की पहचान करती है। सिस्टम का मुख्य उद्देश्य किसी प्रकार की झूठी-भ्रामक जानकारी और झूठे प्रचार जैसी चुनौतियों से मुकाबला करना है।

प्रदर्शनी में शामिल की गई अन्य तकनीक

सेना की प्रदर्शनी में एआई आधारित अन्य तकनीकों में एआई एग्जामिनर, एसएएम-यूएन (स्चिुवेशनल अवेयरनेस मॉड्यूल फॉर यूएन ऑपरेशंस), एकम (एआई एज-ए-सर्विस), एक्स फेस (एआई फेशियल रिकग्निशन सिस्टम), नभ दृष्टि, ड्राइवर फेटिग्यू डिटेक्शन, एआई-एन-ए-बॉक्स (पोर्टेबल एज एआई प्लेटफार्म), व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम, प्रोटेक्टिव मोबाइल सिक्योरिटी सिस्टम, मशीन लर्निंग बेस्ड वेब एप्लीकेशन फायरवॉल मुख्य हैं।

भारत-यूरोपीय संघ लीगल गेटवे कार्यालय का उद्घाटन करते हुए बोले विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर

भारतीयों छात्रों के लिए यूरोप में बढ़ेंगे अध्ययन- शोध के मौके

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने बुधवार को राजधानी में पहले भारत-यूरोपीय संघ लीगल गेटवे कार्यालय का उद्घाटन किया है। यह देश के छात्रों, शोधकर्ताओं और कुशल पेशेवरों के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) के सभी 27 देशों में पढ़ाई-लिखाई, शोध कार्य के लिए कानूनी और सुरक्षित दिशा प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

इस कार्यालय का उद्घाटन एक ऐसे मौके पर किया गया है। जब हाल ही में भारत और ईयू के बीच एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद उसके क्रियान्वयन व गतिशीलता को मजबूत बनाए जाने की गहन कवायद चल रही है। एफटीए पर हस्ताक्षर के पूर्व में ईयू आयोग और परिषद के अध्यक्षों ने भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भी शिरकत की थी।

सशक्त होगा 2030 का एजेंडा

कार्यक्रम में अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने कहा कि यह कार्यालय भारत और ईयू के बीच विश्वास के प्रतीक और साझा वैश्विक कार्यबल है। जो कि मुख्य रूप से देश के 2030 के एजेंडे को मजबूती प्रदान करता है। मूल रूप से ये एक केंद्र के रूप में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े हुए पेशेवरों को यूरोपीय बाजारों में रोजगार के लिए कानूनी और पारदर्शी मार्ग प्रदान करेगा। कार्यालय की मदद से वीजा प्रक्रिया, कौशल से जुड़ी हुई आवश्यकता के अलावा ईयू देशों के संबंध में जरूरी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। वहीं, विदेश मंत्री ने अपनी एक एक्स पोस्ट में बताया कि 'आज शुरू किया गया यूरोपीय लीगल गेटवे ऑफिस एक सहायक और विश्वसनीय इंटरफेस के रूप में कार्य करेगा। यह देश की कुशल प्रतिभा तक पहुंच को सक्षम बनाएगा और भागीदार अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करेगा। जयशंकर ने इसे 16 वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण परिणाम बताया है'।

किसान साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन

बठिंडा में जमकर हंगामा, किसानों पर पुलिस का लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले भी दागे

एजेंसी ⏭ बठिंडा

बठिंडा जिले के ज्योंद्द गांव में एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए, जब किसानों और पंजाब पुलिस के बीच तीखी झड़प देखने को मिल। भारतीय किसान एकता (उग्राहां) से जुड़े किसान अपने दो साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान एकता उग्राहां के बैनर तले किसान बठिंडा के कलेक्टर दफ्तर के पास धरना देने

बठिंडा के ज्योंद्द गांव में किसानों और पंजाब पुलिस के बीच झड़प हुई

की तैयारी में थे। इससे पहले ही पुलिस गांव ज्योंद्द पहुंच गई, जहां किसान इकट्ठा थे।

किसानों का कहना है कि बिना किसी उकसावे के पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी, जबकि प्रशासन का दावा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाए गए। किसान पिछले साल स्कूल विवाद से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किए गए अपने दो साथियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर बठिंडा प्रशासन और किसानों के बीच पहले भी कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसी के चलते एक बार फिर टकराव की स्थिति बन गई।

राजनाथ और रक्षा मंत्री कैथिरन की मौजूदगी में हुए समझौते

भारतीय सेना में तैनात होंगे फ्रांसीसी कमांडो, कांप उठा चीन-पाकिस्तान !

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और फ्रांस के बीच हुई हालिया डिफेंस डील ने रक्षा क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है।

एआई समिट के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुलाकात ने सैन्य सहयोग को रणनीतिक से अटूट बना दिया है। इस दौरे की सबसे बड़ी खबर थल सेनाओं के बीच अधिकारियों की अदला-बदली और स्वदेशी राफेल निर्माण को लेकर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कैथरिन वातारिन की मौजूदगी में हुए ये समझौते भारत को ग्लोबल डिफेंस हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। भारत और फ्रांस ने अगले दस वर्षों के लिए एक-दूसरे

की थल सेना में सैन्य अधिकारियों को तैनात करने का फैसला किया है। भारतीय सेना के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी दूसरे देश के अधिकारी हमारी जमीन पर तैनात होंगे।

वैसे तो यह दोनों के लिए फायदेमंद है, लेकिन जानकारों का मानना है कि फ्रांस को इससे ज्यादा लाभ होगा। यूक्रेन युद्ध की आहट के बीच, फ्रांस भारतीय सेना से कठिन परिस्थितियों में युद्ध लड़ने की बारीकियां सीखना चाहता है।

हंगरी नेशनल एसेंबली के प्रतिनिधियों ने की हरिवंश से मुलाकात

युद्ध की स्थिति में यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने की हरिवंश ने की सराहना

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से भारतीय नागरिकों की सकुशल निकासी में हंगरी की सहायता की सराहना की हंगरी की नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर डॉ. लाजोस ओला के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज संसद में हरिवंश से भेंट की बैठक के दौरान उपसभापति ने इस बात पर जोर दिया कि संसदीय सहभागिता द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार का संबंध दोनों देशों के कानून निर्माताओं के बीच संवाद, आम-सहमति और आपसी समझ

को बढ़ावा देकर सरकारी कूटनीति को पूरा करता है। उन्होंने मार्च 2024 में अपनी हंगरी यात्रा का सानुराग स्मरण किया और दोनों देशों के बीच संसदीय प्रक्रियाओं के आगे भी निरंतर जारी रहने की इच्छा व्यक्त की।

संबंधों की सुदृढ़ ऐतिहासिक नींव का उल्लेख करते हुए, उप सभापति ने कहा कि भारत और हंगरी के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1948 में स्थापित हुए थे और वर्ष 2023 में उनकी 75वीं वर्षगांठ मनाई गई । उन्होंने रेखांकित किया कि दोनों देश लोकतांत्रिक शासन-विधि , विधानवाद, विधि-शासन और प्रतिनिधि संस्थानों के प्रति प्रतिबद्धता साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व द्वारा संचालित हैं।

नई दिल्ली में आयोजित हो रही एआई इम्पैक्ट समिट का उल्लेख किया, जिसका शीर्षक है डेमोक्रेटाइजिंग एआई, ब्रिजिंग द एआई डिवाइड जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सभी के लिए सुलभ और लाभकारी बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने समिट में हंगरी की भागीदारी की सराहना की।

2024 की जुलाई क्रांति के बाद इसे संग्रहालय में बदल दिया गया था

बांग्लादेश का प्रधानमंत्री आवास गणभवन बनेगा म्यूजियम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

डेढ़ दशक से अधिक समय बाद बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी बीएनपी की सरकार बनी है। 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनाव में भारी जीत के बाद लोगों में उत्साह का माहौल है। नई सरकार के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान 17 फरवरी को शपथ ग्रहण कर चुके हैं, लेकिन एक सवाल अब भी राजनीतिक हलकों में गूंज रहा है कि नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान का स्थायी निवास क्या होगा?

गणभवन अब जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय में परिवर्तित

जमुना गेस्ट हाउस नए प्रधानमंत्री का संभावित निवास

गणभवन का इतिहास

ढाका के शेर -ए-बांग्ला नगर में स्थित 'गणभवन' का शाब्दिक अर्थ 'जनता का घर' है। बंगलादेशी संसद भवन के उत्तर में स्थित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास था। 2024 की जुलाई क्रांति के बाद, इस निवास को एक संग्रहालय में बदल दिया गया जिसका नाम जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय रखा गया।

जमुना गेस्ट हाउस बन रहा प्रमुख विकल्प

हाउसिंग एंड पब्लिक वर्क्स मिनिस्ट्री ने इस बाबत तैयारी पूरी कर ली है। पुराने पीएम आवास 'गणभवन' को जुलाई मेमोरियल म्यूजियम में बदल दिए जाने के बाद राज्य अतिथि गृह 'जमुना' को नए प्रधानमंत्री के निवास के रूप में तैयार किया जा रहा है। डॉ. मोहम्मद यूनुस ने भी इसे अपने ठहरने के स्थान के तौर पर इस्तेमाल किया था।

शेख मुजीबुर रहमान से नाता

बांग्लादेश की स्वतंत्रता और संसदीय सरकार की स्थापना के बाद प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान का कार्यालय बेली रोड स्थित 'राष्ट्रपति भवन' के नाम से जाना जाता था, जिसे वे 'गणभवन' कहते थे। कार्यालय के लिए अपर्याप्त स्थान के कारण, 1973 के आम चुनाव के बाद, उन्होंने शेर-ए-बांग्ला नगर में गणभवन का निर्माण अपने आधिकारिक निवास और सचिवालय के रूप में करवाया, हलांकि वे कभी वहां नहीं रहे। अगले साल इसके पूरा होने के बाद, उन्होंने 1975 तक वहां काम किया और बाद में इसका उपयोग मार्शल लॉ प्रशासनों द्वारा कोर्ट-मार्शल के रूप में किया गया।

गुलशन में फिरोजा के पास भावनात्मक जुड़ाव

देश लौटने के बाद से तारिक रहमान गुलशन में मकान नंबर 196 में रह रहे हैं, जो उनकी मां खालिदा जिया के यादगार घर 'फिरोजा' के बगल में है। राजनीतिक चर्चाओं में कहा जा रहा है कि भावनात्मक और सुरक्षा कारणों से वे यहीं रहना पसंद कर सकते हैं। लेकिन गुलशन घनी आबादी वाला इलाका है। प्रधानमंत्री की तीन-स्तरीय सुरक्षा यहां लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। साथ ही, संसद या सचिवालय जाते समय ट्रैफिक जाम से जनता को परेशानी हो सकती है। सुरक्षा एजेंसियां उन्हें हेयर रोड या मिंटो रोड क्षेत्र में रहने की सलाह दे सकती हैं।

रमजान में इजराइल का बड़ा फैसला

10 हजार फिलिस्तीनी मुसलमानों को अल अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की दी इजाजत

एजेंसी ⏭ जेरूसलम

इजराइल ने रमजान के मौके पर बड़ा फैसला लिया है। बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने रमजान के दौरान जुम के मौके पर 10 हजार फिलिस्तीनी मुसलमानों को अल अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की परमिशन दी है।

यह मस्जिद पूर्वी यरूशलम में स्थित है और इसे मुसलमान अपने तीसरे सबसे पवित्र स्थल के तौर पर मानते हैं। वहीं यहूदी भी इस परिसर पर दावा करते हैं और उसे टेंपल माउंट मानते हैं।

मिडल ईस्ट में बुधवार से रमजान की शुरुआत हुई है। ऐसे में रमजान से पहले इजराइल का यह फैसला अहम माना जा रहा है।

लेकिन इजराइल ने इस अनुमति में भी एक शर्त लगा दी है। उसका कहना है कि ऐसे ही मुसलमान पुरुषों को अल-अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की अनुमति होगी, जिनकी आयु 55 साल से अधिक हो। इसके अलावा महिलाएं भी आ सकती हैं, लेकिन उनकी आयु भी 50 साल से अधिक होनी चाहिए। बच्चों के लिए यह आयु सीमा 12 साल की ही रखी गई है।

जैकेट का शेष....

'ज्ञान' अब और ...

बजट भाषण में प्रदेश के समुचित विकास का खाका पेश किया गया है। बजट भाषण के दौरान कांग्रेसी सदस्यों ने कुल 19 बार यानी हर दो-तीन मिनट पर बजट भाषण में विरोध किया। कांग्रेस ने गर्भगृह में सांकेतिक धरना दिया, नारेबाजी की और बजट प्रावधानों का विरोध किया।

मप्र के सपने को ...

बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने का संकल्प है। यह बजट 'समृद्ध मध्यप्रदेश, संपन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश' के सपने को साकार करने वाला है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी प्रदेश की जनता पर किसी नए कर बोझ नहीं डाला गया है। सुशासन और सुप्रबंधन के लिए निरंतर नवाचार और विकास के सभी पैमानों को पूरा करता यह बजट अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। राज्य सरकार ने रोलिंग बजट को अपनाते हुए वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि से जोड़ा गया है। रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला संभवतः मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। इस बजट से अगले तीन वर्ष के विकास का खाका खीचा जाएगा और यह बजट विकास के लिए सतत रूप से पर्याप्त धन राशि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। राज्य सरकार अपने उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए लगातार बजट की राशि बढ़ा रही है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

जनता से विश्वासघात ...

प्रति महीने 3 हजार रुपए और चार - घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में। लेकिन इन चारों घोषणाओं को बजट में कोई स्थान नहीं दिया और स्पष्ट कर दिया है कि यह सरकार जनविरोधी है, जनता से विश्वासघात करने वाली है। वित्त मंत्री ने यह भी नहीं बताया कि आख़िर केंद्र सरकार से अगले पांच साल में मिलने वाले करों की हिस्सेदारी में 50 हज़ार करोड़ रुपए की कमी पर सरकार की क्या रणनीति है। इसके अलावा केंद्र और राज्य के सहयोग से चलने वाली योजनाओं में चालू वित्त वर्ष में मध्य प्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से कई हज़ार करोड़ की राशि का भुगतान नहीं किया गया। इन विभिन्न पहलुओं को देखते हुए साफ़ समझ में आता है कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के हित को ध्यान में नहीं रख रही है और प्रदेश की जनता के हित को केंद्र के हाथों में गिरवी रख दिया है।

पेज एक का शेष....

मस्जिदों में तरावीह ...

शुरु कर देता है। मोती मस्जिद में शहरकाजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी ने रमजान शुरु होने का ऐलान किया।

तुर्जुमे वाली मस्जिद में तरावीह के साथ तफ्सीर: इस बार भी तर्जुमे वाली मस्जिद में 5 दिन में हाफिज अब्दुल अजीज कुरआन की तकमील कराएंगे। तरावीह के साथ कुरआन की तफ्सीर भी की जाएगी। **तेरह घंटे 10 मिनट का होगा पहला रोजा:** पहला रोजा तेरह घंटे 10 मिनट का रहेगा। इसके बाद सेहरी और इफ्तार के समय में बढ़ोतरी होगी।

'पायजामे का नाड़ा'...

करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की।

क्या है मामला?...

की। महिला ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपियों ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसके पायजामे का नाड़ा भी खींच लिया।

विवादित आदेश आपराधिक ....

के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश के आरोप बहाल कर दिया।

मादा चीता गामिनी ....

इसकी जानकारी दी। यादव ने लिखा कि दक्षिण अफ्रीका से चीतों के आगमन के तीन वर्ष पूर्ण होने पर कूनो में तीन नए शावकों का स्वागत एक नया अध्याय है।

यह गामिनी का दूसरा प्रसव: यह गामिनी का दूसरा प्रसव है।

'एआई इंपैक्ट सम्मेलन....

तथा एक ऐसे भविष्य की कल्पना करना है। जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानवता को आगे बढ़ाए, समावेशी विकास को बढ़ावा दे और हमारी साझा पृथ्वी की रक्षा करे। आयोजन में 500 से ज्यादा वीवीआईपी मेहमानों का जमावड़ा लगेगा। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, सरकारों के प्रमुख, 60 मंत्री, उप-मंत्रियों के साथ ही 100 से ज्यादा प्रतिनिधि शिरकत करेंगे।

इन राष्ट्राध्यक्षों संग की द्विपक्षीय बैठक: सम्मेलन के पूर्व में प्रधानमंत्री ने वैश्विक नेताओं, बड़ी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात कर उनके साथ द्विपक्षीय बैठकें की हैं। इस सूची में फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओल्जहास बेकतेनोव, एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस, ग्रीस के प्रधानमंत्री के.मित्सोटाकिस, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई शामिल हैं।

पीएम की उच्च-स्तरीय बैठकों का सार: पीएम की इन तमाम उच्च-स्तरीय बैठकों का सार यही है कि इस दौरान हुई चर्चाओं में संबंधित देशों के साथ भारत के आपसी संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों वाले क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ हुई बैठक को प्रधानमंत्री मोदी ने उत्कृष्ट बताया। **कजाकिस्तान के साथ मजबूत होगी साझेदारी:** मध्य-एशियाई देश कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री बेकतेनाव के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और गहरी होगी।

मनुष्य, पृथ्वी और ...

एआई संसाधनों का लोकतांत्रीकरण, सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई, मानव पूंजी, विज्ञान, गतिशीलता, नवोन्मेषण और दक्षता मुख्य है।

पीएम के कार्यक्रम....

के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे।

- शाम 5 बजकर 30 मिनट पर सीईओ गोलमेज सम्मेलन में प्रधानमंत्री शिरकत करेंगे।
- सीईओ गोलमेज सम्मेलन में वैश्विक प्रौद्योगिकी, उद्योग जगत की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी सरकारी नेतृत्व के साथ मिलकर निवेश, अनुसंधान सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला और एआई प्रणालियों की तैनाती पर चर्चा करेंगे।

एआई में गूगल ....

हमारे प्रतिभाशाली छात्रों, पेशेवरों के साथ गूगल किस प्रकार से सहयोग कर सकता है। इस मुद्दे पर चर्चा की है।

भारत की राजकीय ....

उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ आर्नर दिया जाएगा। इसके बाद 10.45 पर राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि पर वह श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फिर 11.05 पर हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति सिल्वा की पीएम मोदी के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी।

सरकार ने गलगोटिया .

यूनीट्री रोबोटिकस का मॉडल है, जिसे विदेश से खरीदा गया था न कि भारत में बनाया गया है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि उन्होंने इसे डेवलप करने का दावा कभी नहीं कियाहै। वीडियो में इसे ओरियन नाम दिया गया और कहा

राहुल बोले- इंडियन....

ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह सच में भारत के लिए शर्मनाक है। इससे भी ज़्यादा शर्मनाक बात यह है कि मोदी के मंत्री चीन के रोबोट को बढ़ावा दे रहे हैं।

बेरहमी से की....

गंभीर हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

100 फीट तक ...

में कार्यरत था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन मोटरसाइकिलें और एक स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे का भयावह दृश्य तब आया जब एक बाइक सवार ट्रक के नीचे फंस गया और चालक ने उसे लगभग 100 फीट तक घसीटते हुए ले गया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायलों में 75 वर्षीय कैलाशबाबू सिसोदिया और राघौगढ़ निवासी नारायण सिंह सिसोदिया शामिल हैं, जो अपने परिजनों के साथ अस्पताल जा रहे थे। डॉक्टरों ने बताया कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है।

22 जिलों में...

की शुरुआत का संकेत दे दिया है। मौसम विभाग के अनुसार इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, शाजापुर, राजगढ़, आगर-मालवा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। भोपाल, देवास, खरगोन, बड़वानी, सीहोर, विदिशा, सागर, दमोह, पन्ना और सतना समेत कई जिलों में बादल छाए रहने के आसार हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार सक्रिय सिस्टम के कारण बादल घिरेंगे और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। रात की ठंड अब धीरे-धीरे कम होती नजर आएगी।

आज भी रहेगा असर, फिर शांति: गुरुवार को ग्वालियर-चंबल संभाग के ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। इसके बाद सिस्टम कमजोर पड़ने लगेगा और मौसम सामान्य हो जाएगा।

मैगी बनाकर खिलाई,....

गया। उसे अंकल गली स्थित किराए के कमरे पर ले जाया गया, जहां वह करीब 40 मिनट रुका और वारदात से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी दी। आरोपी ने हत्या के बाद पत्र लिखने की बात भी स्वीकार की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एक चैटिंग एप को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू, खून से सने कपड़े, मोबाइल फोन, पत्र और चाबी जब्त कर ली है। बुधवार को उसे पुनः कोर्ट में पेश किया गया। परिवार ने बताया कि पीयूष को एमबीए की पढ़ाई के लिए भेजा गया था, लेकिन वह नशे की लत में पड़ गया था। आरोपी ने शादी की बात भी की थी, जिस पर पिता सहमत नहीं थे।

65 साल के रिटायर्ड ....

दुष्कर्म किया। महिला मरीज का आरोप है कि डॉक्टर ने उसे नींद की गोली दी थी। नींद की गोली खाने के कारण वह डॉक्टर का चाहकर भी विरोध नहीं कर सकी। पुलिस के अनुसार मूलरूप से ग्वालियर निवासी 30 साल की महिला गृहिणी है। वह ग्वालियर के एक रिटायर्ड डॉक्टर अमरीश सेंगर (65) से चर्म रोग का इलाज करा रही थी।

भोपाल में कुछ ....

ने अपने पति को कॉल कर दिया। पति ने कहा कि वह ग्वालियर से भोपाल आ रहा है। इस बीच 14 फरवरी की रात अमरीश सेंगर ने चर्म रोग की दवा के साथ महिला को नींद की दवा भी खिला दी। महिला के बेसुध होते ही आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच अगले दिन सुबह पति भोपाल पहुंच गया। बदनामी के डर से दंपति ने घटना की शिकायत थाने में नहीं की। ग्वालियर पहुंचने के बाद भी आरोपी डॉक्टर मनमानी करने के इरादे से महिला से संपर्क करने की कोशिश करने लगा। तब महिला पति के साथ भोपाल आई और एमपी नगर थाने जाकर अमरीश सेंगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

10 राज्यों की...

असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार की सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे। ये सीटें अप्रैल में अलग-अलग तारीखों को रिक्त हो रही हैं। गौरतलब है कि राज्यसभा का कार्यकाल 6 साल का होता है। लेकिन हर एक तिहाई सीटों के लिए हर दो साल पर चुनाव कराए जाते हैं। इस वजह से ही राज्यसभा को स्थाई सदन कहा जाता है। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि लोकसभा की तरह राज्यसभा कभी भंग नहीं होती है। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को विधानसभा में अपनी मजबूत स्थिति का फायदा मिलेगा। वहीं, तमिलनाडु और बंगाल में क्रमशः डीएमके और टीएमसी को ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद हैं। हालांकि, लेफ्ट के बंगाल में शून्य होने के बाद एक सीट भाजपा के खाते में जा सकती है।

बिहार में भाजपा गठबंधन की मजबूत स्थिति को देखते हुए यहां पांच में से चार सीटें एनडीए को मिल सकती हैं। तेलंगाना में कांग्रेस आगे रहेगी और हिमाचल प्रदेश में एक सीट पर कड़ी टक्कर हो सकती है।

खोया-पाया

मैं, प्रीतांशु श्रीवास्तव, यह सूचित करता हूँ की मेरी मूल डिग्री- B.A.,LL.B.(Hons.) कोर्स 07B095 roll no. जो GNLU द्वारा जारी थी, वह कोलार रोड एरिया में खो गई है। पुलिस को एफ.आई.आर. कर दी गई है। इस दस्तावेज की कोई सूचना हो तो फोन करे-9340347131

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15438384K Naik Suneel Kushawah is presently posted in 471 Field Hospital, Senge (Arunachal Pradesh). I am residing at Village- Gudnkhedi, Post Office- Uhar, PS- Natern, Tehsil- Natern, District- Vidisha, State- Madhya Pradesh, PIN-464221. I want to change my father DOB in my service record i.e. 13 May 1966 to 01 Jan 1966, which is correct DOB.

CHANGE OF NAME

I, No-15438384K Nk (DVRMT) Suneel Kushawah, resident of Village Gudankhedi, Post Uhar, Tehsil Nateran, District Vidisha, State Madhya Pradesh, PIN 464221, hereby state that in my service documents, my wife's name is mentioned as 'Sandhya Kushwah' instead of 'Sandhya'.

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15438384K Naik Suneel Kushawah is presently posted in 471 Field Hospital, Senge (Arunachal Pradesh). I am residing at Village- Gudnkhedi, Post Office- Uhar, PS- Natern, Tehsil- Natern, District- Vidisha, State- Madhya Pradesh, PIN-464221. I want to change my mother Name and DOB in my service record i.e. "Guddibai" to "Guddi Bai" and "15 Aug 1970" to "01 Jan 1976", which is correct Name and DOB.

प्ररूप - ग्यारह
(नियम 9 देखिए)
मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (भू-राजस्व की उगाही) नियम, 2020

न्यायालय तहसीलदार, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)

स्थावर संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा
[मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1995 की धारा 147 (1) (ग) के अधीन]

क्योंकि नीचे वर्णित स्थावर संपत्ति, श्री प्रभाकर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा पार्टनर श्री मनोज प्रधान एवं श्री अनिल कुमार जैन, प्लॉट नं. 5, बैंक स्ट्रीट टाप एण्ड टाउन के ऊपर एस.बी.आई के पास जोन 2 एम.पी. नगर भोपाल म.प्र., पर भूराजस्व (रेरा बसूली) के लेखे में, निम्न तालिका अनुसार प्रकरणों में राशि रू 1,73,03,051/- (एक करोड़, तेहत्तर लाख, तीन हजार, इक्यावन रुपए) ब्याज (राशि अदा करने की तिथि तक ब्याज सहित) बकाया है। निम्न तालिका अनुसार प्रकरणों में अनावेदक से वसूली की जाकर, समक्ष कॉलम 3 में अंकित आवेदकगणों को, कॉलम 4 में अंकित आर.आर.सी. क्रमांक के अनुसार, कॉलम 6 में अंकित राशि व कॉलम 5 में अंकित आदेश दिनांक से ब्याज सहित, राशि का भुगतान किया जाना है-

क्रं.	प्रकरण	आवेदकगण	रेरा आर.आर. सी. क्र.	आर.आर.सी. आदेश दिनांक	आदेश दिनांक तक बसूली योग्य राशि एवं ब्याज पृथक से
1	2	3	4	5	6
1	0005/अ-16/ 2024-25	श्री संभव तारण निवासी एम आई जी 185, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ऐशबाग, भोपाल म.प्र.	M-RSN-20-0833	20-09-2021	रू 9,45,500/- (नौ लाख पैतालीस हजार पांच सौ रूपये)
2	0003/अ-16/ 2024-25	श्री ज्योतिरंजन बेहेरा पता हाउस नं 300 शीतलदीप कालोनी, वार्ड नं 24, पिपलिया गज्जू मण्डीदीप	M-MMD-18-0091	10-09-2018	रू 1,75,548/- (एक लाख पचत्तर हजार पांच सौ अडतालीस रूपये)
3	0015/अ-16/ 2025-26	डी बी कॉर्पो लिमि. द्वारा श्री मनीष शर्मा, 6 द्वारका सदन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-2, एम.पी. नगर भोपाल म.प्र.	M-MMD-18-0537	28-09-2020	रू 1,60,79,004/- (एक करोड़ साठ लाख उनयासी हजार चार रूपये)
4	0016/अ-16/ 2025-26	श्री राजेश कुमार जैन निवासी सी-37/3 भारत ओमन रिफाइनरी बीना जिला सागर म.प्र.	M-MMD-18-0620	05-02-2020	रू 52,999/- (बावन हजार नौ सौ निन्यानवें हजार रूपये)
5	0021/अ-16/ 2025-26	रियल एस्टेट रेगुलरिटी अथोरिटी भोपाल म.प्र.	MRC/40/18	03-07-2020	रू 50,000/- (पचास हजार रूपये)
कुल बसूली योग्य राशि रू 1,73,03,051/ (एक करोड, तेहत्तर लाख, तीन हजार, इक्यावन रुपए)+ब्याज					रू 1,73,03,051/- + ब्याज

एतद्वारा उद्घोषणा उद्धोषणा की जाती है कि यदि इसमें विक्रय के लिए नियत दिनांक से पूर्व उपरोक्त संपूर्ण राशि का भुगतान, उक्त आवेदकगण को नहीं कर दिया जाता है तो निम्न संपत्ति का विक्रय, स्थान न्यायालय तहसीलदार गौहरगंज जिला रायसेन के सभाकक्ष में दिनांक 02 मार्च 2026 को दोपहर 1:00 बजे या उसके लगभग सार्वजनिक नीलामी द्वारा कर दिया जाएगा।

विक्रय का विस्तार केवल निम्न संपत्ति में उक्त बकायादार के अधिकारों, हकों तथा हितों तक सीमित होगा।

संपत्ति के ब्यौरे

क्रमांक	विवरण		भूमि का बाजार मूल्य वर्ष 2025-26 के अनुसार नीलाम की न्यूनतम राशि	वसूली हेतु राशि
(1)	(2) विक्रय हेतु सम्पत्ति		(3)	(4)
1	तहसील गौहरगंज अंतर्गत ग्राम मण्डीदीप स्थित भूमि खसरा क्रमांक 456/1/2, रकवा क्रमशः 2.268 हेक्टेयर भूमि पर स्थित शीतल मेगा सिटी फेस-1 के प्लाट क्र	प्लाट क्र 117 से 130 प्रत्येक का क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट	13,93,545 x 14 = 1,95,09,630/-	रुपए 1,73,03,051/- (एक करोड, तेहत्तर लाख, तीन हजार, इक्यावन रुपए)+ब्याज

यदि नीलामी की कार्यवाही किसी कारणवस निर्धारित दिनांक 02 मार्च 2026 को सम्पन्न नहीं की जा सकेगी तो अगले कार्य दिवस में नीलामी की कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 13 फरवरी 2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया।

G-25957/25
" स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "
तहसीलदार
तहसील - गौहरगंज

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमांतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

// आम सूचना //

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित फ्लेट क्रमांक एल.आई.जी./एल.एफ.-27 (प्रथम तल) मण्डल द्वारा श्री अन्थ्रेस तिर्की आत्मज श्री सिरिल तिर्की के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 18/02/2003 को पंजीकृत किया गया है। श्री अन्थ्रेस तिर्की का स्वर्गवास दिनांक 19/04/2022 को हो गया है। आवेदक आवंटी की पत्नी श्रीमती सुशीला तिर्की पत्नी स्व. श्री अन्थ्रेस तिर्की द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारिस का अनापत्ति शपथ पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने नाम से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति अपने नाम से नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है।उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(रविन्द्र निकोसे)
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमांतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

// आम सूचना //

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, रूसल्ली, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.-76 मण्डल द्वारा श्रीमती फायजा अली पत्नी श्री समीर अनीस अहमद के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 24/11/2025 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 14/11/2025 को पंजीकृत है। श्रीमती फायजा अली पत्नी श्री समीर अनीस अहमद द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री ईशाक खान आत्मज श्री मुंशी खा को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06/02/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री ईशाक खान आत्मज श्री मुंशी खा के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(रविन्द्र निकोसे)
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, भोपाल

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

आवश्यकता
अनुभवी सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस सांई निवास कॉम्पलेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 722302602, 8889997826 (RO 39987)
BSP- 18 to 26/02/2026

आपके अपने क्षेत्र के ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक शॉप, जनरल स्टोर, मेडिकल स्टोर में Alfa Youth Brand के पर्सनल केयर (कॉस्मेटिक) बेबी डायपर, सैनेटरी पैड की मार्केटिंग, सेलिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पेंमेंट 26000 से 34000, WhatsApp Only 9098427938 (39948)
BSP- 15,17,19,21/02/2026

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
R- 22/01/25 to13/03/26
Not , 26,27/01/26, 15/02/26 , 04,08/03/2026

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY
Na 2 Lakh Mein.. Na 1.5 Lakh Mein..
HERRY UP!
BEST OFFER
ZERO ENERGY SOLAR
BRANDS we deal with! TATA POWER SOLAROOF WAAREE adani Solar ECE INDIA
Sirf ₹72,000 Mein! 3.3 kW Solar Lagaye
Bachat ka Naya Tareeka!
Contact us 99932-41867, 73549-99281
Aura Mall, Bhopal, 462010
228, Dwarkadhish Colony Indore (M.P.) 452005

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

- **मेष:** मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।
- **वृष:** मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।
- **मिथुन:** मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।
- **कर्क:** किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।
- **सिंह:** आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
- **कन्या:** मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।
- **तुला:** मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।
- **वृश्चिक:** मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।
- **धनु:** आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
- **मकर:** क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।
- **कुंभ:** आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।
- **मीन:** दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

शब्द पहेली - 6143

बाएँ से दाएँ
1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे
1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6142 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	वा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष	■	म	त	ल	ब
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

सूडोकु नवताल- 6153
सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6152 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन
धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

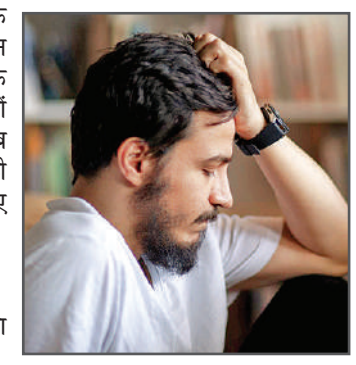

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेगुलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेगुलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, बंगाल को हराकर फाइनल में 67 साल बाद एंट्री

रणजी ट्रॉफी : बंगाल को 6 विकेट से दी शिकस्त, आकिब नबी ने चटकाए 9 विकेट

एजेंसी ▶▶| कल्याणी

जम्मू कश्मीर ने सेमीफाइनल के चौथे दिन दो बार के पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से करारी शिकस्त देकर अपने 67 साल के इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। बंगाल ने जम्मू कश्मीर के सामने 126 रन का लक्ष्य रखा था।

जम्मू कश्मीर में 34.4 ओवर में चार विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से वंशज शर्मा ने नाबाद 43 और अब्दुल समद ने नाबाद 30 रन बनाए। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मैच में 9 विकेट लेकर बंगाल की जीत की संभावनाओं को पूरी तरह से खत्म कर दिया था।

जम्मू-कश्मीर को लगे पहली जीत दर्ज करने में 44 साल

जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था। जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे। उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982-83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी। उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा लेकिन 2013-14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उसने 2015-16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

वंशज-समद ने दिलाई ऐतिहासिक जीत

जम्मू कश्मीर ने मंगलवार को तीसरे के दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 43 रन बनाए थे। उसने चौथे दिन की शुरुआत में ही अविजित बल्लेबाज शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (09) के विकेट गंवा दिए, लेकिन वंशज और समद ने बंगाल के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और 55 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

बंगाल नहीं उठा पाया बढ़त का फायदा

बंगाल ने अपनी पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर ने 302 रन बनाए। बंगाल हालांकि पहली पारी की मामूली बढ़त का फायदा नहीं उठा पाया और उसकी टीम दूसरी पारी में केवल 99 रन पर आउट हो गई। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए नबी ने कहा, 'पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल में हार गए थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की और हम इसके हकदार थे।'

द. अफ्रीका ने लगाया जीत का चौका, 40 गेंद शेष रहते यूएई पर 6 विकेट से फतह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका ने शानदार खेल जारी रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत दर्ज की। उसने ग्रुप डी के अपने आखिरी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को छह विकेट से मात दी। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 123 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने चार विकेट गंवाकर 14वें ओवर में हासिल कर लिया।

इससे पहले यूएई की टीम पहले बैटिंग करते हुए छह विकेट पर 122 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से अलीशान शराफू ने सर्वाधिक 45 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की तरफ से कॉर्बिन बॉश ने 12 रन देकर 3 विकेट लिए तो एनरिक नॉर्त्जे को 28 पर 2 दो सफलता मिली। कॉर्बिन बॉश प्लेयर ऑफ द मैच रहे। साउथ अफ्रीका ने पहले तीन मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली थी। वहीं यूएई इस रेस से बाहर था।

मार्करम ने दिया आतिशी आगाज

लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका को कप्तान एडन मार्करम ने आतिशी आगाज दिया। उन्होंने 11 गेंद में पांच चौकों व एक छक्के से 28 रन उड़ाए। क्विंटन डिकॉक 16 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। रयान रिकल्टन ने 16 में 30 तो डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में 36 रन बनाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। रिकल्टन ने तीन चौके व दो छक्के तो ब्रेविस ने एक चौका व तीन छक्के उड़ाए। ट्रिस्टन स्टब्स व जेसन स्मिथ ने मिलकर जीत की औपचारिकता पूरी की।

यूएई की तरफ से शराफू ही बना सके रन

पहले बैटिंग करते हुए यूएई ने आगाज अच्छा किया। कप्तान मोहम्मद वसीम ने 12 गेंद में चार चौकों से 22 रन बनाए। उनके साथी ओपनर आर्यांश शर्मा ने 17 गेंद में 13 रन की पारी खेली। लेकिन इसके बाद शराफू ही रन जुटा सके। उन्होंने 39 गेंद का सामना किया और पांच चौके व एक छक्का लगाया।

खबर संक्षेप

डीएलटीए ने किया डेविस कप टीम को सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने चल रहे दिल्ली ओपन के दौरान नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय डेविस कप टीम को सम्मानित किया। भारत ने इस महीने की शुरु में बेंगलुरु में एक रोमांचक मुकाबले में छठी रैंकिंग वाली नीदरलैंड की टीम को 3-2 से हराकर सितंबर में होने वाले क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय टीम की तब रैंकिंग 33 थी। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा, 'डीएलटीए में हम हर स्तर पर भारतीय टेनिस का समर्थन करने और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' सुमित नागल ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। आप कोर्ट में जाकर अपना मैच जीतते हैं तो यह आसान होता जाता है। स्विट्जरलैंड में हमें दो अंक मिले और इस बेंगलुरु मुकाबले में युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने सभी अंक हासिल किए। आखिर में डेविस कप मुकाबला टीम के बारे में है और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

21 फरवरी से एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप

नई दिल्ली। सेना के हरमनजोत सिंह 12 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल होंगे, जो 21 फरवरी से जापान के फुकुओका में होने वाली 18वीं एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि टीम बुधवार को जापान के लिए रवाना होगी। एएफआई ने पिछले महीने झारखंड के रांची में हुई 60वीं राष्ट्रीय क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर टीम चुनी। भारतीय खिलाड़ी सीनियर पुरुष, महिला और अंडर-20 ग्रुप में हिस्सा लेंगे।

मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में चमक नहीं : पोंटिंग

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद कहा कि यह बहुत खराब अभियान रहा और मौजूदा टीम में वह चमक नहीं है, जो वैश्विक टूर्नामेंट में पिछली टीमों में हुआ करती थी। आईसीसी 'रिव्यू' में पोंटिंग ने कहा कि कागज पर यह टीम उन पिछली ऑस्ट्रेलियाई टीम जैसी प्रभावशाली नहीं दिखती, जिन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट में दबदबा बनाया था। पोंटिंग ने कहा, 'जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को कागज पर देखते हैं, तो उसमें वह आभा नजर नहीं आती जो कई अन्य ऑस्ट्रेलियाई टीम में आईसीसी टूर्नामेंट और विश्व कप से पहले दिखाई देती थी।'

भारत का अजेय अभियान जारी, नीदरलैंड्स को हराया, दुबे की वर्ल्डकप में पहली फिफ्टी

शिवम की आक्रामक पारी, 212 के स्ट्राइक रेट से डचों को धुना

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

शिवम दुबे के तूफानी अर्धशतक के बाद वरुण चक्रवर्ती के फिरकी के जादू से भारत ने विश्व कप के ग्रुप ए मैच में बुधवार को नीदरलैंड को 17 रन से हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत चार मैच में आठ अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहा जबकि नीदरलैंड ने अपने अभियान का अंत चार मैच में एक जीत से दो अंक के साथ किया। भारत के 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम चक्रवर्ती (14 रन पर तीन विकेट) और शिवम दुबे (35 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदों के सामने सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी। शिवम ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का छठा और टी-20 विश्व कप में पहला अर्धशतक लगाया।

डि लीडे ने खेली 33 रनों की पारी

नीदरलैंड की ओर से बास डि लीडे ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। नोह क्रोस (12 गेंद में नाबाद 25 रन) तथा जैक लियोन कैशे (16 गेंद में 26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 23 गेंद में 47 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। दुबे ने इससे पहले अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 31 गेंद में छह छक्कों और चार चौकों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (21 गेंद में 30 रन, तीन छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंद में 76 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने छह विकेट पर 193 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (34) और तिलक वर्मा (31) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

अभिषेक लगातार तीसरे मुकाबले में फ्लॉप

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीसरे मुकाबले में फ्लॉप हुए। बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड के खिलाफ जारी ग्रुप-ए के मैच में अभिषेक पारी की तीसरी गेंद पर बोल्ड हो गए। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा 'शून्य' था। अभिषेक शर्मा टी20 वर्ल्ड कप में यूएसए के खिलाफ पहली ही गेंद पर आउट हुए थे।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा बो दत	00	3	0	0
इशान किशन बो दत	18	7	2	1
वर्मा का वान डेर मर्व बो वान बीक	31	27	3	1
यादव का स्थानापन्न बो क्लेन	34	28	2	1
दुबे का स्थानापन्न बो वान बीक	66	31	4	6
पंड्या का वान डेर मर्व बो वान बीक	30	21	0	3
रिंकू सिंह नाबाद	06	03	0	1
अतिरिक्त: 08, कुल:20 ओवर में 6 विकेट पर: 193 रन				
गेंदबाजी: दत 4-0-19-2, वान बीक 4-0-56-3, एकरमैन 3-0-36-0, क्लेन 4-0-38-1, डि लीडे 4-0-28-0, वान डेर मर्व 1-0-15-0				
नीदरलैंड	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
लेविट का वाशिंगटन बो पंड्या	24	23	4	0
मैक्स ओडाउड बो चक्रवर्ती	20	18	2	1
डि लीडे का चक्रवर्ती बो दुबे	33	23	3	1
एकरमैन का रिंकू बो चक्रवर्ती	23	15	1	2
आर्यन दत बो चक्रवर्ती	00	1	0	0
एडवर्ड्स बो बुमराह	15	10	2	0
कैशे का वाशिंगटन बो दुबे	26	16	1	1
नोह क्रोस नाबाद	25	12	5	1
वान बीक नाबाद	04	2	1	0
अतिरिक्त: 06, कुल : 20 ओवर में 176/7 रन				
गेंदबाजी: अर्शदीप 3-0-22-0, बुमराह 3-0-17-1, वाशिंगटन 4-0-36-0, चक्रवर्ती 3-0-14-3, पंड्या 3-0-40-1, अभिषेक 1-0-10-0				

नॉर्त्जे ने रचा कीर्तिमान : सर्वाधिक विकेट लेने में बने नंबर-2 गेंदबाज

साउथ अफ्रीका के गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे ने 4 ओवरों में 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इसी के साथ नॉर्त्जे टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। नॉर्त्जे ने साल 2021 से अब तक टी20 वर्ल्ड कप मुकाबलों में 37 विकेट हासिल किए हैं, जबकि पूर्व श्रीलंकाई खिलाड़ी लसिथ मलिंगा 31 मुकाबलों में 38 विकेट लेकर शीर्ष पर मौजूद हैं। साउथ अफ्रीकी टीम सुपर-8 में तीन मैच खेलेगी, जिसमें नॉर्त्जे के पास मलिंगा से आगे निकलने का मौका होगा।

एक दशक बाद पैरालंपिक में रूसी ध्वज की वापसी

एजेंसी ▶▶| मिलान

रूसी खिलाड़ी एक दशक से अधिक समय में पहली बार पैरालंपिक शीतकालीन खेलों में अपने देश के ध्वज के तले प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके किसी खिलाड़ी के स्वर्ण पदक जीतने पर पदक वितरण समारोह में रूस का राष्ट्रगान बजाया जाएगा।

लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से काफी पहले ओलंपिक जगत में रूस और उसकी राष्ट्रीय पहचान पूरी तरह से बहाल हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने कहा कि रूस की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति को आगामी मिलान कोर्टिना पैरालंपिक खेलों के लिए छह स्थान आवंटित किए गए हैं। यह 2014 में रूस के सोची में हुए पैरालंपिक शीतकालीन खेलों के बाद पहली बार होगा जब पैरालंपिक खेलों में रूस का ध्वज फहराया जाएगा। रूस पर पहले सरकार प्रायोजित डोपिंग कार्यक्रम के कारण प्रतिबंध लगाया गया था।

इसके बाद 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से उसके खिलाफ प्रतिबंध जारी रखे गए।

ईशान की सुनामी, लगाई 17 पायदान की छलांग

दुबई। ईशान किशन का शानदार प्रदर्शन जारी है। टी20 वर्ल्ड कप में बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने धुआंधार बल्लेबाजी की है। इसका फायदा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में हुई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। इशान किशन ने 17 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में एंट्री कर ली है। टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग की बात करें तो भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में 4 भारतीय हैं।

प्रिव्यू : तेज गेंदबाजों के दम पर टीम इंडिया का बढ़त हासिल करना लक्ष्य

महिला टी20 : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज दोपहर 1.45 बजे से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी तो वह पहले मैच में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पहले मैच में चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को झकझोर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रन पर आउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि बारिश के कारण खेलने का खास मौका नहीं मिला। भारत ने यह मैच डकवर्थ-लुईस प्रणाली के आधार पर जीता, जिसमें केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ही कुछ समय क्रीज पर बिता पाईं।

भारत एक बार फिर शेफाली की तूफानी शुरुआत पर निर्भर रहेगा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा मंधाना की करिश्माई बल्लेबाजी तथा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है। तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतने से भारत को आत्मविश्वास मिलेगा । नई कप्तान सोफी मोलिनी की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बदला लेने और श्रृंखला बराबर करने के लिए बेताब होगी।

आचार संहिता के उल्लंघन पर मुन्से को आईसीसी की फटकार

मुंबई। स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से को यहां नेपाल के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच के दौरान विज्ञापन बोर्ड पर अपना हेलमेट फेंकने के लिए फटकार लगाई गई है और एक डिमेरिट अंक दिया गया है। मुन्से को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या पोशाल, मैदान के उपकरण या साजो-सामान के दुरुपयोग' से संबंधित है। इसके अलावा मुन्से के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

35वां मुकाबला : नामीबिया को हराकर 'सुपर-8' में पाकिस्तान, फरहान का नाबाद शतक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पाकिस्तान ने बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप के 35वें मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ 102 रन से जीत दर्ज करते हुए 'सुपर-8' में जगह बना ली है। सुपर-8 में पाकिस्तानी टीम 21 फरवरी को न्यूजीलैंड के विरुद्ध मुकाबला खेलेगी, जिसके बाद 24 फरवरी को इंग्लैंड से उसकी भिड़ंत होगी। पाकिस्तान सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंकाई टीम को चुनौती देगा। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 3 विकेट खोकर 199 रन बनाए।

नामीबियाई टीम 97 रन पर सिमटी

इसके जवाब में नामीबियाई टीम 17.3 ओवरों में महज 97 रन पर सिमट गई। नामीबिया की तरफ से लौरेन स्टीनकैंप ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि अलेक्जेंडर वोल्शेंक ने 20 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई

रिंडरकनेच को हराकर 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट हासिल की फतह

कतर ओपन : अल्काराज की जीत के साथ शानदार शुरुआत

एजेंसी ▶▶| दोहा

कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन की शुरुआत जीत के साथ की है। अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की है। 22 साल के अल्काराज ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट पॉइंट बचाए और फिर टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके अपनी 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत हासिल की।जीत के बाद अल्काराज ने कहा, "यह सच में मुश्किल था। आर्थर सच में एक खतरनाक खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले राउंड में नहीं खेलना चाहता। मुझे खुशी है कि मैं मैच में मुश्किल पलों से निकल गया।

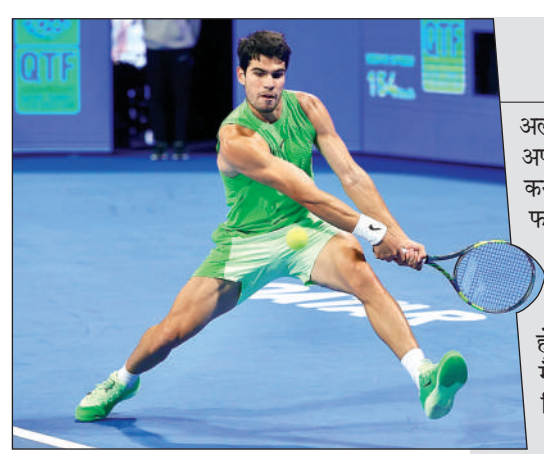

अगला मुकाबला वैलेन्टिन रॉयर से

अल्काराज पिछले साल दोहा में अपने डेब्यू के नतीजे को बेहतर करना चाहते हैं, जहां वह क्वार्टर-फाइनल में जिरी लेहेका से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी का अगला मुकाबला फ्रेंचमैन वैलेन्टिन रॉयर से होगा। अल्काराज चैंपियनशिप मैच में दूसरे सीड सिनर से भिड़ सकते हैं।

कार्यालय उपवनमंडलाधिकारी
उपवनमंडल (सामान्य) सीहोर

विज्ञप्ति कमांक / 440 — सीहोर, दिनांक : 16/02/2026

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य वनमण्डल सीहोर अंतर्गत समस्त परिक्षेत्रों में उपयोग हेतु बारबेड वायर, चेन लिंक फेंसिंग, एवं आर.सी.सी. पोल्स क्रय किया जाना है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

GALVANIZED STEEL CHAIN LINK

S.No	Item	Specification	Quantity
1	Galvanized steel chain link	Galvanized steel chain link of 4mm dia and mesh size opening of 50mm x 50mm (+or-15mm). Height must not less than 1.5 Meters. The size of single chain link fence fabric shall be 1.5mtr x 14 mtr mesh wire. The galvanized chain link fencing shall be manufactured as per Quality. Galvanizing of wire min 100 GSM, Tensile strength of wire: Min 500N/sqmm.	1 sq. meter

BARBED WIRE

S.No	Item	Specification	Quantity
1	BARBED WIRE	Wire Guage-14 x 12 Type of Zinc Coating: Hot-dipped galvanized barbed wire 1" length barbed at every 5"	1 KG

PRCC POLES

S.No	Item	Specification	Quantity
1	PRCC Poles	RCC mix ratio for pole 1:2:4 5.no. Pole Height 2 m Pole Width 4 x 4 Inch Reinforcement 4 Sariya of 3 mm and 5 rings of 3 mm at equal distance Hole Every pole should have 4 holes of 10 mm size with. first hole at 0.45 m from the base	1

अतः उक्त सामग्री क्रय करने हेतु दिनांक 16/02/2026 से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं सामग्री की सूची म.प्र. शासन के एमपी.ई. प्रोक्योरमेंट की वेबसाईट http://www.mptender.gov.in पर देखी जा सकती है।

उपवनमंडलाधिकारी,
उपवनमंडल (सामान्य) सीहोर

G-26017/25 — " स्वच्छता ही सेवा "

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले के कुथैल में विशाल किसान सम्मेलन में की शिरकत

किसान कल्याण वर्ष में पशुपालन और दूध उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा के गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के साथ हम प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में लंबे समय से अग्रणी है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में ग्वालियर जिले में भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि ग्राम कुलैथ में हुए विशाल किसान सम्मेलन में किसान भाईयों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 87 करोड़ 21 लाख रुपए से अधिक लागत के 41 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। साथ ही कुलैथ क्षेत्र के विकास के लिये बड़ी-बड़ी सौगातों की घोषणा भी की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के लिये लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

खास बातें

- किसान कल्याण वर्ष में एक लाख करोड़ से अधिक राशि किसानों के कल्याण पर होगी व्यय
- 87 .21 करोड़ लागत के 41 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

सुपोषण के लिए सरकार स्कूली बच्चों को फ्री दूध कराएगी उपलब्ध

सीएम ने कहा कि प्रदेश में पहली से 8 वीं कक्षा तक के बच्चों के सुपोषण के लिए सरकार निःशुल्क दूध उपलब्ध कराएगी। इस साल के बजट में यह योजना प्रस्तावित की गई है। साथ ही बजट में लाड़ली बहनों के लिए 23 हजार करोड़ से अधिक राशि आवंटित की गई है। सीएम ने कहा कि श्रीकृष्ण का स्मरण करने से जीवन की अनेक कठिनाइयां खत्म हो जाती हैं। बाबा महाकाल ने सभी के जीवन का समय निश्चित किया है, इसलिए समाज कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। स्थानीय ग्रामीण पारंपरिक लोक गायकों की ओर से प्रस्तुत कन्हैया लोकगीतों का आनंद भी मुख्यमंत्री ने लिया। उन्होंने कन्हैया लोक गीत प्रस्तुत करने वाले लोक गायकों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन और उत्साहवर्धन किया।

किसानों की पट्टों वाली जमीन की अपने खर्चे पर सरकार कराएगी रजिस्ट्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जमीन के पट्टों की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार उठाएगी, इसके लिए बजट में पर्याप्ट धनराशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बैंकों से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा हर संभव कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के किसानों को सोलर पंप वितरित कर उन्हें बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुंदेलखंड की केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ चंबल क्षेत्र के किसानों को भी मिलने वाला है। सिंचाई की सुविधा मिलने से यहां खेतों में फसलें लहलहाएंगी।

शिल्पी बंधुओं के व्यवसाय को बढ़ावा देने सामग्री का वितरण

हमेशा गरीबों और पिछड़े लोगों की मदद करता रहूं, यही मेरा संकल्पः रवींद्र यती

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखते हुए राजधानी में सामाजिक सरोकार का एक और उदाहरण सामने आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की 'अंत्योदय समाज' की सोच के अनुरूप भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रवींद्र यती द्वारा केश शिल्पी समाज के बंधुओं को उनके व्यवसाय को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक सामग्री का वितरण शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा , दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी, जिला प्रभारी भाजपा जसवंत सिंह हाडा, प्रदीप त्रिपाठी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना जाचक प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश सरकार का बजट, प्रचारात्मक बजटः रघु ठाकुर

भोपाल। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का बजट प्रचारात्मक बजट है। यह उस ढोल के समान है जिसकी आवाज सुंदर लगती है परंतु ढोल भीतर से खोखला होता है। प्रदेश सरकार नये वर्ष में 54 हजार 448 करोड़ का कर्ज लेगी। जबकि, पहले से ही मध्य प्रदेश भारी कर्जदार है। और बजट की एक बड़ी राशि कर्ज का ब्याज चुकानी पर जाएगी।

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स"
कार्यालय प्राचार्य, ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दमोह (म.प्र.)
दूरभाष कार्यालय 07812-222461 फैक्स 07812-227148
www.mp.gov.in highereducationmp damoh ई-मेल pg_collegedamoh@yahoo.co.in
NAAC Accredited B + Level
क्रमांक/3070/2026 दमोह, दिनांक 17/02/2026
Yoga Accessories (Sports)हेतु निविदा आमंत्रण (ई - निविदा)
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दमोह (म.प्र.) द्वारा शिक्षा सत्र 2025-2026 के लिये खेल विभाग में Yoga Accessories (Sports) हेतु निविदाएं ई-निविदा पद्धति से आमंत्रित है ।
निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश ई-टेण्डरिंग पोर्टल https:// mptenders.gov.in पर दिनांक 18.02.2026 को 04.00 बजे से उपलब्ध रहेगा एवं दिनांक 10.03.2026 को 04.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा भरकर अपलोड की जा सकती ।
उक्त सभी विवरण एवं संशोधन / परिवर्तन शुद्धिपत्र (यदि कोई होते हैं तो) ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर ही प्रकाशित होंगे।
प्राचार्य
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स
ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दमोह (म.प्र.)

कैबिनेट बैठक में दी गई नई आबकारी नीति 2026-2027 को मंजूरी

नवीनीकरण खत्म, 20% बढ़ी हुई कीमत पर होगा आवंटन, 18 हजार करोड़ राजस्व लक्ष्य

विधानसभा परिसर में हमुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में ई कैबिनेट बैठक का एक दृश्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में विधानसभा परिसर में हुई कैबिनेट बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। नई नीति के तहत इस वर्ष भी प्रदेश में किसी भी शराब दुकान का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। सभी दुकानों का आवंटन मौजूदा वर्ष की दरों में 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ किया जाएगा और प्रक्रिया पूरी तरह ई-टेंडर के माध्यम से होगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में इस वित्तीय वर्ष कोई नई शराब दुकान नहीं खोली जाएगी। साथ ही, शराब दुकानों के साथ संचालित होने वाले अहाते (बार अटैचमेंट) भी इस वर्ष बंद रहेंगे। नर्मदा नदी के तट से 5 किलोमीटर की दूरी का प्रतिबंध और पवित्र नगरों में शराब दुकानों पर रोक यथावत रहेगी। दुकानों का आवंटन पांच दुकानों के समूह में किया जाएगा, जिससे प्रशासनिक निगरानी और राजस्व प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सके। नई नीति के तहत गारंटी राशि जमा करने की प्रक्रिया को भी डिजिटल किया गया है। अब केवल ई-चालान या ई-बैंक गारंटी ही मान्य होगी।

सामान्य बैंक गारंटी और एफडी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और फजीर्वाड़े की आशंकाएं समाप्त होंगी।

शराब कंपनी खुद तय कर सकेंगी रेट

राजस्व की दृष्टि से सरकार ने बड़ा लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 17,900 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जबकि आगामी वर्ष के लिए इसे बढ़ाकर लगभग 18 हजार करोड़ रुपये तक ले जाने की तैयारी है। शराब बनाने वाली कंपनियों को अपने उत्पादों की कीमत के अनुमोदन के लिए अब अलग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। वे निर्धारित पोर्टल पर स्वयं कीमत घोषित कर सकेंगी, जिससे प्रक्रिया सरल और त्वरित होगी।

ड्यूटी फ्री और हैरिटेज पर जोर

इसके साथ ही नीति में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह भी है कि प्रदेश के आदिवासी स्व-सहायता समूहों द्वारा महुआ से निर्मित मदिरा को अन्य राज्यों में ड्यूटी मुक्त कराने के प्रयास किए जाएंगे। इसके बदले अन्य राज्यों की हेरिटेज या विशेष मदिरा को प्रदेश में ड्यूटी फ्री करने का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा, विदेशों में शराब निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए फीस संरचना में संशोधन और लेबल पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

'विकसित मध्यप्रदेश' के विजन का है इस बार का बजटः डॉ. अभिलाष

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना बड़ा बजट पेश कर दिया है। करीब 4.38 लाख करोड़ रुपए का यह बजट पिछले बजट से 11 प्रतिशत अधिक है। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के युवा विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट के जरिए किसान, महिला, युवा और गरीब सभी वर्गों का ध्यान रखा है। बजट में सरकारी भर्तियों का पिटारा खोल दिया है। सरकार 15 हजार शिक्षकों की भर्ती करेगी, वहीं पुलिस विभाग में 22,500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है। पाण्डेय ने कहा कि मोहन यादव सरकार ने खेती-किसानी को लाभ का धंधा बनाने के संकल्प के साथ इस साल को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

प्रदेश सरकार के बजट में भारतीय संस्कृति झलक दिखाई देती है

भोपाल। प्रदेश सरकार के बजट मे भारतीय संस्कृति झलक दिखाई देती है, जिसमें उन्होंने गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग आदि के विकास को ज्ञान-2 नाम दिया है। उच्च उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के प्राध्यापक डॉ. महिपाल सिंह यादव ने बजट पर कहा कि उच्च शिक्षा के लिए रुपए 6591 करोड़ का मुख्य फोक्स प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शोध तथा स्टार्टअप पर दिया गया है। ताकि प्रदेश के विद्यार्थी स्वरोजगार के लिए प्रेरित हो सके। इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ एआई पर बजट खर्च युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा। आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खोले जाने से भारतीय आयुर्वेदिक इलाज को बढ़ावा मिलेगा। आदिवासी मेडिकल छात्रों को 50 विदेशी छात्रवृत्ति से सामाजिक समावेश का माहौल बनेगा।

हर छोटे-बड़े कस्बे, गांव तक परिवहन सेवा होगी आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ करोड़ जनता को परिवहन सेवा की सौगात मिलने जा रही है। इसके तहत मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। इसमें प्रत्येक गांव कस्बे और बड़े शहरों तक बसे संचालित की जाएगी। बजट में 21630 करोड़ रुपए से मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना स्वीकृत की गई है। इसी तरह गौशालाओं को अनुदान देने के लिए सरकार ने अनुदान राशि 20 से बढ़कर 40 रुपए प्रति गाय किया है। ग्राम विकास पर केंद्रित मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना शुरू की गई है।

देवड़ा ने कहा कि राज्य स्तरीय बीमा समिति का गठन किया जा चुका है। इसके अलावा केंद्रीय केंद्रीय पेंशन प्रक्रिया प्रकोष्ठ का गठन भी किया गया है। इससे कर्मचारियों के वेतन भत्ते का पुनरीक्षण तथा शासकीय सेवक सेवकों की पेंशन निर्धारण की प्रक्रिया को आसानी से किया जा सकेगा। बजट में समानांतर योजना के तहत 1292 करोड़ रुपए के भुगतान का जिक्र किया गया है। देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक उन्नति योजना शुरू की जा रही है। इसके तहत किसानों को परिस्थितिकीय संतुलन के लिए सहायक फैसले लेने पर राज्य सरकार विशेष प्रोत्साहन राशि देगी। उन्होंने कहा कि कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत बिल में राहत के लिए 20 हजार 485 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 1299 करोड़ रुपए, किसान कल्याण के लिए 5500 करोड़ तथा ब्याज मुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण के लिए 720 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है। कृषि क्षेत्र के लिए 88,910 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया। इसके अलावा किसानों के लिए 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपए का वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा।

धरतीआबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए तहत 267 विकासखंडों के 11377 गांव के कायाकल्प किया जा रहे हैं। सरकार ने पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 7 लाख 50 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया है। सरकार पटेल कोचिंग योजना शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

INDIAN ARMY
www.joinindianarmy.nic.in
INFORMATION FOR RECRUITMENT OF AGNIVEERS INTO THE ARMY UNDER AGNIPATH SCHEME
(REGISTRATION FOR RECRUITING YEAR 27 STARTED FROM 14FEB 2026 TO 01 APRIL 2026

HIGHLIGHTS

(Information given below is for general awareness only and legally invalid.)
(Couse notification published on - www.joinindianarmy.nic.in-should be refereed for detailed information about the entry)

Category	Description	Detailed Notification Paragraph No
Type of Entry	1 Agniveer General Duty 2 Agniveer Technical 3. Agniveer Clerk /Store Keeper Technical 4 Agniveer Tradesman (Class 10 Pass & 8th Pass) 5 Agniveer Women General Duty in Corps of Military Police Note- Agniveer candidates can apply for any TWO Categories (as given above) based on their eligibility	Para-1
Age	17 1/2 %-22 Years (Minimum and Maximum age will be calculated as on 01 Jan & 01 Jul respectively of Recruiting year i.e. 2027). For Women only. Upper Age limit will be relaxableupto 30 years of age (as on date of joining training) in respect of widows of Defence personnel who have died in harness.	Para-1
Education Qualification	Candidate must have passed from the Boards of School Education recognized by Ministry of Education, Govemment of India as per list of Boards provided on www.joinindianarmy.nic. in website	
Physical Measurement Standards (PMT: Height, Weight & Chest Expansion)	As per region and special relaxations	Para-5
Physical Fitness Tests (PFT)	Qualifying in Physical Fitness Test (PFT) is mandatory for selection:- For Male: 1.6 Km Run, Beam (Pull Ups) and need to qualify in 9 feet ditch and ZigZag balance. For Female: 1.6 Km Run, Beam (Pull Ups) and need to quality in 7 feet ditch and ZigZag balance. NoteCandidates appearing for Agniveer Technical and Agniveer Clerk / Store Keeper Technical need to only qualify in all physical tests.	Para-24
Marital Status	Male- Unmarried only.	Para-18
	Women- Unmarried, widowed, divorced or legally separated having no children subject to fulfilling all other eligibility criteria.	Para 18 & Para 1
Recruitment Process	Online Registration/Application > Online Common Entrance Exam (CEE) > Recruitment Rally (PFT&PMT) > Medical > Documentation	Para-19
Date of Entrance Exam	Tentatively scheduled from 01 to 15 Jun 2027 (Final dates will be intimated separately)	
Common Entrance Exam (CEE)	Online Common Entrance Examination (CEE) will be conducted in 13 languages (ie English, Hindi, Malyalam, Kannada, Tamil, Telugu, Punjabi, Odiya, Bengali, Urdu, Gujarati, Marathi and Assamese).	Para- 21.6
Training Duration	24 Weeks	
Leave	30 days leave per year shall be applicable for Agniveers. Additionally, sick leave would be applicable based on medical advice of competent medical authority.	Para 11
Pay, Allowances and Allied Benefits	Year / Customised package (monthly) / In Hand (70%) / Contribution to Agniveers Corpus Fund (30%) / Contribution to Corpus Fund by Goverment of India All Figures in Rs (Monthly Contribution) (Approximately) 1st Year 30,000/ 21,000/- 9,000/- 9,000/- 2nd Year 33,000/- 23,100/- 9,900/- 9,900/- 3rd Year 36,500/- 25,550/- 10,950/- 10.950/- 4th Year 40,000/- 28,000/- 12,000/- 12,000	Para-13 & 14
SevaNidhi	Total Contribution in Agniveers Corpus Fund after Four years: Rs. 5.02 Lakh / Rs. 5.02 Lakh Exit after 4 year: Approximately Rs. 10.04 Lakh as SevaNidhi Year Package (Absolute amount excluding Interest)	Para-14
Life Insurance Cover	Agniveer will be provided non contributory Life Insurance Cover of Rs 48 lakh for the duration of their engagement period	Para-15
Death Compensation	In addition to insurance cover of Rs 48 lakh, one time ex-gratia of Rs 44 lakh for death attributable to service, will be provided to the Next of Kin (NOK)	Para-15
Medical and CSD Facility	For the duration of their engagement period in the Indian Army Agniveers will be entitled for Medical facilities at service hospitals as well as CSD provisions.	Para-12
Engagement Period of Agniveers	04 Years. Indian Army is not obliged to retain the Agniveers beyond the engagement period of four years	Para-8
Enrolment as Soldier (Regular Cadre)	On completion of four years of service, based on organization's requirements and policies promulgated, upto 25% of each specific batch of Agniveers will be enrolled in Indian Army as regular cadre.	Para-8

DISCLAIMER

The terms and conditions given in the advertisement are guidelines only and orders issued by the Government, as amended from time to time, will apply for the selected candidates.
Indian Army reserves the right to cancel/amend entire selection process or part of process at any stage without assigning any reasons.
Candidates found indulging in any type of malpractices/unfair means during the examination shall be debarred permanently.
The data entered during registration will be final and no changes will be permitted later. Entry of wrong data will disqualify candidature.

CBC 10601/11/0082/2526

बागसेवनिया, अशोका गार्डन, अवधपुरी, मिसरोद पुलिस ने साइबर से आई डायरी के बाद दर्ज की एफआईआर

चौबीस घंटे में राजधानी के अलग-अलग थानों में साइबर फ्रॉड के 34 प्रकरण हुए दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। राजधानी के अलग अलग थाना पुलिस ने चौबीस घंटे के भीतर साइबर ठगी के कुल 34 अपराध दर्ज किए हैं। यह सभी अपराध साइबर की हेल्प लाइन 1930 पर दर्ज किए गए थे। साइबर पुलिस से आई डायरी के बाद संबंधित थाना पुलिस ने असल अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इन सभी 34 अपराधों में साइबर ठगों ने करोड़ों की चपत लगाई है।

ज्यादातर ठगी शेयर मार्केट में निवेश, नौकरी और मुनाफा कमाने का लालच, बिजली बिल कनेक्शन काटने के नाम पर है। पुलिस ने अपील की है साइबर ठगों से सावधान रहें और किसी भी फाइल को डाउनलोड न करें। साथ ही शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर आने वाले कॉल से बचें। दरअसल सायबर ठगी की शिकायतों के लिए राष्ट्रीय हेल्प लाइन नंबर 1930 जारी किया गया था। इस नंबर पर प्रदेशभर से सैकड़ों शिकायतें की गई थी, जो काफी समय से संबित थी। पिछले दिनों यह जानकारी केंद्रीय गृहमंत्रालय तक पहुंची तो मंत्रालय ने संबंधित थानों में केस रजिस्टर्ड कराकर जांच कराने के निर्देश दिए। राज्य सायबर सेल के पास इस प्रकार की शिकायतें भेजी गई थी, जिसमें अकेले भोपाल में ही सवा सौ से ज्यादा शिकायतें सामने आई। इन्हीं शिकायतों को थानों में भेजा गया, जहां असल कायमी कर जांच शुरू की गई है। बीते चौबीस घंटे के दौरान बागसेवनिया और अशोका गार्डन थाने में 5-5 और मिसरोद तथा अवधपुरी में 4-4 शिकायतें पहुंची। इसके अलावा ऐशबाग, हबीबगंज, निशातपुरा और गांधी नगर में एक-एक शिकायत दर्ज हुई। इसी प्रकार कमला नगर, पिपलानी में दो-दो और कोलार में तीन अपराध दर्ज किए गए हैं।

फाइल फोटो

एप डाउनलोड कराकर निकाले 2.12 लाख रुपए

बागसेवनिया थानांतर्गत नारायण नगर में रहने वाले प्रेमचंद जैन के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया और बताया कि आपका कंज्यूमर नंबर चेंज हो रहा है। इसके लिए जालसाज ने उन्हें एमपीईबी इलेक्ट्रीसिटी हेड आफिस भोपाल का एप डाउनलोड करके उसमें 12 रुपए का भुगतान करने का बोला। प्रेमचंद ने जैसे ही ऐप डाउनलोज किया, वैसे ही उनके एकाउंट से 1 लाख 13 हजार रुपये कट गए। उन्होंने फोन करने वाले से इसकी शिकायत की तो बताया कि साफ्टवेयर अपडेट हो रहा, कुछ देर बाद पैसे वापस लौट आएंगे। उसके बाद उनके दूसरे एकाउंट से भी पैसे कट गए। इस पर जालसाजों ने कुल 2 लाख 12 हजार रुपये चपत लगा दी।

दूसरे व्यक्ति को लगाई 3.66 लाख की चपत

मूलतः औबेदुल्लागंज निवासी नंद किशोर यादव यहां रजत विहार कालोनी के पास मोहिनी मुस्कान गार्डन में रहते हैं। दिसंबर महीने में एक व्यक्ति ने उन्हें वीडियो काल किया और बताया कि वह गोविंदपुरा बिजली कार्यालय से बोल रहा है। उसने मकान नंबर बताते के साथ ही कहा कि उनका कंज्यूमर नंबर अपडेट होने का आज आखिरी दिन है। उसने यह भी बताया कि शाम तक आईडी अपडेट नहीं हुई तो बिजली का कनेक्शन काट दिया जाएगा। नंद किसोर ने बताया कि वह शहर से बाहर हैं, इसलिए उसने 12 रुपये आनलाइन ट्रांसफर करने का बोला। नंद किशोर ने जैसे ही उसे रुपये ट्रांसफर किए, वैसे ही अलग-अलग समय में कुल 3.66 लाख रुपए कट गए।

क्रेडिट कार्ड से निकाले एक लाख रुपए

बागसेवनिया पुलिस ने अगली रिपोर्ट राकेश कुशवाहा की शिकायत पर दर्ज की है। पिपलिया पैंदे खां में रहने वाले राकेश कुशवाहा के पास एक व्यक्ति ने क्रेडिट कार्ड कंपनी का अधिकारी बनकर फोन किया और कार्ड से जुड़ी जानकारी हासिल कर ली। उसके जालसाज ने एक ऐप डाउनलोड करवाया और क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 3 हजार रुपये निकाल लिए। इसी प्रकार भाजपा कार्यालय के पास एनसीसी कंपनी में काम करने वाले राजा गोपाल रेड्डी के क्रेडिट कार्ड की जानकारी लेकर जालसाज ने दो बार में 1 लाख 21 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार के शहर के दस अन्य थानों में दर्ज धोखाधड़ी के मामलों में जालसाजों ने लाखों रुपये की चपत लोगों को लगाई है। टॉस्क देकर लगाई 50.98 लाख की चपत बागसेवनिया थानांतर्गत साकेत नगर में रहने वाले राजेश जैन को अज्ञात व्यक्ति ने वांट्सएप ग्रुप पर जोड़ा, जहां लोग पैसों का निवेश कर होने वाले मुनाफे का स्क्रीन शॉट डालते थे। कई दिनों तक नजर अंदाज करने के बाद उन्हें लगा कि यह फायदे का सौदा है, इसलिए वह भी निवेश करने लगे।

25 चोरियों के आपराधिक मामले हैं दर्ज

पुलिस गिरफ्त में महिला चोर।

शातिर महिला चोर गिरफ्तार साढ़े पांच लाख का माल जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टीटी नगर पुलिस ने शातिर महिला चोर को गिरफ्तार कर उससे ढाई लाख की नगदी, जेवरात सहित साढ़े पांच लाख रुपए जब्त किया है। जनता क्वार्टर ऐशबाग की शातिर महिला चोर पर पूर्व में चोरी के 25 अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। फुटेज के आधार पर महिला की पहचान करते हुए उसे उसके घर ऐशबाग जनता क्वार्टर से गिरफ्तार कर लिया।

महिला ने चोरी का माल वाशिंग मशीन में छिपाकर रखा था। पुलिस के अनुसार मंगला बंसोडे पति नारायण बंसोडे (53) मकान नंबर-26/45 कम्यूनिटी हॉल के सामने बाणगंगा, नार्थ टीटी नगर में रहती हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि 15 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे वह अपने घर के दरवाजे पर ताला लगाने के बाद शिव बारात में शामिल होने के लिए शिव मंदिर गई थी।

शिव बारात मोहल्ले में घूमकर वापस मंदिर पर समय करीबन दोपहर साढ़े 3 बजे आ गई। इसी बीच उनका बेटा शुभम आया और उसने घर की चाबी निकालकर दी। पौने चार बजे वह घर पहुंची। ताला खोलने के बाद अंदर चली गई। रात करीब साढ़े 10 बजे उन्होंने पैसे निकालने के लिए अलमारी खोली तो उसमें रखी तीन लाख की नगदी और पुराने इस्तेमाली जेवर नहीं थे। पुलिस मंगला बंसोडे की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच की।

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिखी संदिग्ध महिला

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए। इस दौरान एक संदिग्ध महिला फुटेज में नजर आई। महिला के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उक्त महिला ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित जनता क्वार्टर में रहती है और शातिर चोर है। टीटी नगर पुलिस महिला पुलिस के साथ जनता ऐशबाग पहुंची और महिला को हिरासत में लिया। महिला से पूछताछ की गई, लेकिन वह चोरी करने से इंकार करती रही।

दीनदयाल रसोई में अधपका भोजन देने का मामला

खाद्य विभाग की टीम ने शिकायत मिलने के बाद सब्जी और रोटी के लिए सैंपल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

करोंद स्थित दीनदयाल रसोई में रोजाना पांच सौ से अधिक लोगों को पांच रुपए में भरपेट खाना खिलाया जाता है। खाना अधपका खिलाने को लेकर खाद्य विभाग को शिकायत की गई।

जिसके बाद टीम जब रसोई के किचन में पहुंची, तो वहां रोटियां कच्ची मिलीं, जबकि चावल पूरी तरह से पका हुआ था। टीम ने यहां से सब्जी, गेंहू आटे की रोटी और पके चावल के सैंपल लिए हैं। इधर

भौरी स्थित आईसर के पांच मैस की भी जांच की गई, जहां पर फर्म आईएस में नॉन फूड केटगरी का केवड़ा मिला। टीम ने इसे केंटीन से हटवाया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले दिनों करोंद स्थित दीनदयाल रसोई में अधपका खाना परोसने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसको देखते हुए रसोई की जांच कराई गई, जहां पर कच्ची रोटियां बनाई जा रही थीं। टीम ने यहां से सब्जी और रोटी के सैंपल लिए हैं। इधर भौरी स्थित आईसर केंपस की पांच मैस से भी सैंपल लिए हैं। एक टीम ने जेके रोड स्थित डीके राजोरिया रेस्टोरेंट से तुअर दाल, मूंगदाल, चनादाल, सोयाबीन तेल और आईसर में ओबेराय मैस से बेसन, मसूरदाल, चनादाल, तुअरदाल के सैंपल लेकर स्टेट लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजे गए हैं।

ईसाई समुदाय ने मनाया 'ऐश-वेडनेसडे' 40 दिन तक व्रत रखेंगे समाज के लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल में स्थित विभिन्न गिरजाघरों में ईसाई समाज के लोगों द्वारा 18 फरवरी को ऐश वेडनेस-डे (विशेष बुधवार) पर्व मनाया गया। इसके साथ ही ईसाई समुदाय के लोगों के लिए 40 दिन के उपवास और प्रार्थनाओं का दौर शुरू हो गया। गौरतलब है कि ऐश वेडनेसडे ईसाई समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है।

यह चालीसा काल का पहला दिन है। इस दिन प्रार्थना व उपवास और परोपकार के माध्यम से सभी लोगों को ईश्वर की ओर झुकाव के लिए चर्च में आमंत्रित किया जाता है। इस विशेष बुधवार को जहांगीराबाद स्थित कैथेड्रल सेंट फ्रांसिस और अन्य सभी चर्चों में पादरियों ने सभी लोगों के माथे पर राख से क्रॉस का चिह्न लगाया।

इसके बाद प्रार्थना का दौर चला। इसी तरह संत फ्रांसिस, लूर्द माता, अजंपसन, संत जोसफ, इन्फेंट जीसस, होली फैमिली सहित अन्य गिरजाघरों में पवित्र मिस्सा का आयोजन किया गया। इस दौरान पुरोहितों ने श्रद्धालुओं के माथे पर राख से क्रूस का चिह्न बनाते हुए कहा, "तुम मिट्टी हो और मिट्टी में ही मिल जाओगे।"

निगम अमले ने जांच के लिए भेजे 158 पानी के सैंपल

भोपाल। नगर निगम के अमले ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 158 पानी के सैंपल लिए और लैब में जांच के लिए भेजे। इसके अलावा 36 स्थानों पर पाइप लाइनों के लीकेज सुधारे और 4 शिकायतों का निराकरण किया गया। निगम अमला अब तक झुग्गी बस्ती क्षेत्रों के 4496 स्थानों सहित शहर में कुल 10072 पानी के सैंपल लेकर 8 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल की गुणवत्ता की जांच करा चुका है।

वाहनों के कांच फोड़े, खाली हाथ लौटी टीम

धार जिले के कुक्षी में चूना खदान सर्वे को लेकर ग्रामीणों का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ धार

धार जिले की कुक्षी तहसील में प्रशासनिक टीम पर हमला हो गया हैं, यहां पर चुना खदान को लेकर सर्वे सहित ड्रिलिंग कार्य की शुरुआत करने के लिए कंपनी सहित प्रशासन की एक टीम ग्राम तलवाडी में दोपहर के समय पहुंची थी। सूचना के बाद बडी संख्यान में ग्रामीण एकत्रित हुए व सर्वे का विरोध शुरु कर दिया। ग्रामीणों की भीड आक्रोशित हो गई तथा मशीनों में तोडफोड शुरु कर दी। प्रशासन की टीम ने समझाइश की कोशिश की, किंतु ग्रामीणों का विरोध ने थोडी देर में ही विकराल रुप ले लिया। अचानक बडी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए व वाहनों पर पथराव कर दिया। राजस्वम विभाग की एक गाडी पर पथराव के कारण कांच क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके कारण विभाग का अमला वाहन को छोडकर ही मौके से भाग निकले। ग्रामीणों द्वारा किए गए पथराव के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिसमें पुलिस जवान अपनी जान बचाकर भागते हुए नजर आ रहे है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है। दरअसल राजस्थाछन की श्री सीमेंट कंपनी द्वारा लाइम स्टोन खोज कार्य की शुरुआत बुधवार से बाग ब्लॉक के ग्राम टकारी से की गई थी, कंपनी से जुडे लोग ग्रामीण क्षेत्रों की जमीन की सैपलिंग के लिए पहुंची थी। कंपनी से जुडे लोगों ने गांव की जमीन पर मशीने लगाकर सर्वे शुरु करने की तैयारी की, इसी बीच ग्रामीण मौके पर पहुंचे व सर्वे का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का आरोप था कि ग्रामसभा की अनुमति लिए बगैर की कंपनी जबरदस्तीग काम शुरु कर रही हैं, इधर विरोध के बाद कंपनी के लोग वाहनों को मौके पर ही छोडकर गांव से दूर हो गए। विरोध की सूचना पर तहसीलदार सहित कुक्षी पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। विरोध की थी आशंका विरोध की आशंकाओं के चलते पुलिस व प्रशासन की टीम पहले ही तैयारी करके गई थी। 8 थानों का पुलिसबल पहले ही कुक्षी बुला लिया गया था।

सर्वे को लेकर विरोध।

आसपास के ग्रामीण हुए एकत्रित

कुक्षी डिवीजन के ग्राम खेडली में कंपनी द्वारा सैंपलिंग कार्य किया जा रहा था, नियम अनुसार सैपलिंग हो रही थी। आसपास के गांवों के ग्रामीण एकत्रित हुए थे, प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची व ग्रामीणों को समझाईश दी गई। ग्रामीणों को लिखित में आपत्ति देने के लिए कहा गया हैं, जिस स्थान से निराकरण संभव होगा, वहां से निराकरण कराया जाएगा। शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया हैं, कोई जनहानि नहीं हुई है।

प्रमोद गुर्जर, एसडीएम, कुक्षी

देवी जागरण पर झूमे भक्त, भजन संध्या में सुनाए एक से बढ़कर एक भक्ति गीत

भजन संध्या का आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

संतोषी विहार नरेला जोड़ बुधवार को आयोजित देवी जागरण एवं विशाल भजन संध्या का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा, जहां श्रद्धालुओं ने पूरी रात मां के जयकारे लगाए और देवी भजनों पर झूमते रहे। आयोजन मंजू गौतम ने कार्यक्रम की शुरूआत मां दुर्गा के भव्य श्रृंगार और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना से हुई। मंच को आकर्षक फूलों और लाइटों से सजाया गया था। इस के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। भजन गायकों ने माता रानी के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे।

बाल आयोग में अध्यक्ष-सदस्यों की नियुक्ति के लिए गठित हुई समिति

भोपाल। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग में अध्यक्ष-सदस्यों की नियुक्तियों को लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य शासन द्वारा बाल आयोग में अध्यक्ष एवं 6 सदस्यों की नियुक्ति के लिए राज्य सरकार को अनुशंसा प्रेषित करने के लिए समिति का गठन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार आयोग में अध्यक्ष एवं 6 सदस्यों की नियुक्ति के लिए मंत्री, महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में चयन समिति का गठन किया गया है। समिति में मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव के साथ ही महिला एवं बाल विकास को सदस्य नामित किया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930